।। श्री हरिः ।।

नमामि देवी नर्मदे

अमृत दर्शन

नर्मदापुरम का प्रथम हिन्दी दैनिक

RNI No. MPHIN /2004 /13927

वर्ष - 21 अंक - 194

नर्मदापुरम
सोमवार, 28 अप्रैल 2025

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

खास बात

प्राणी मात्र के जीवन में प्रसन्नता स्वास्थ्य है, उदासी रोग है।

- हाती बर्टन

संक्षिप्त समाचार

सीएम ने दिए पाक वीजाधारकों की पहचान करने के निर्देश

भोपाल। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को भोपाल स्थित पुलिस मुख्यालय में कानून व्यवस्था की समीक्षा के लिए आयोजित उच्च स्तरीय बैठक की। इसमें वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए। बैठक में गृह मंत्रालय से जारी निर्देशों को सख्ती से लागू करने की बात कही। बैठक में प्रदेश में रह रहे पाकिस्तानी वीजा धारक नागरिकों को चिन्हित कर उनके खिलाफ आगामी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। तय समय सीमा के बाद मध्यप्रदेश में केवल लंबी अवधि, राजनयिक और आधिकारिक वीजा धारकों को ही रहने की अनुमति होगी, बाकी सभी पाकिस्तानी नागरिकों को प्रदेश से बाहर करना सुनिश्चित करने की बात कही। इसके साथ ही, मध्यप्रदेश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत जम्मू-कश्मीर के छात्र-छात्राओं की पहचान कर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा गया है। सीएम ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए, किसी भी स्थिति में प्रदेश में शांति और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ नहीं हो।

पाकिस्तानियों ने भारत न छोड़ा तो 3 साल जेल, 3 लाख जुर्माना

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत की तरफ से पाकिस्तान पर कड़ी कार्रवाई की गई है। जिसमें भारत में मौजूद पाकिस्तानी नागरिकों (अलग-अलग वीजा रखने वालों) को देश छोड़ने का निर्देश दिया गया था। जिसमें कुछ चले गए हैं और कुछ दो दिन कुछ और भी वापस देश से भेजे जाएंगे। वहीं इस नियम को न मानने वाले पाकिस्तानियों पर बड़ी कार्रवाई की जा सकती है। जानकारी के मुताबिक, कोई भी पाकिस्तानी नागरिक, जो सरकार की तरफ से निर्धारित समय-सीमा के भीतर भारत छोड़ने में विफल रहता है, उसे गिरफ्तार किया जाएगा, उस पर मुकदमा चलाया जाएगा और उसे तीन साल तक की जेल या अधिकतम तीन लाख रुपये का जुर्माना या दोनों सजाओं का सामना करना पड़ सकता है।

मणिपुर में सेना की कार्रवाई 16 उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में खुफिया जानकारी पर कई अहम अभियानों में भारतीय सेना और असम राइफल्स ने मणिपुर पुलिस, सीआरपीएफ, बीएसएफ और आईटीबीपी के साथ मिलकर मणिपुर के पहाड़ी और घाटी जिलों में 16 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान मौके से भारी मात्रा में हथियार, विस्फोटक और गोला-बारूद का एक बड़ा जखीरा भी जब्त किया गया। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, 20-26 अप्रैल, 2025 के बीच चलाए गए अभियान, उग्रवादी गतिविधियों को बाधित करने और क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए सुरक्षा बलों ने कड़ी कार्रवाई की है।

कुपवाड़ा में हथियारों का जखीरा बरामद, बड़ी तैयारी में थे आतंकी

कुपवाड़ा। आतंकियों ने बड़ी तैयारी के साथ घुसपैठ की है। कुपवाड़ा के मच्छिल सेक्टर में आतंकी ठिकाने से शनिवार को बरामद हुई पांच एके-47 राइफलों, पिस्तौल और एके-47 व अमेरिकी एम-4 कार्बाइन असॉल्ट राइफल की गोलियों के जखीरे इसकी पुष्टि करते हैं। पिछले महीने कठुआ जिले के सुफैन में मुठभेड़ के दौरान घंटों हुई गोलीबारी ने यह संकेत दे दिया था कि घुसपैठ करने वाले आतंकियों के पास बड़े पैमाने पर हथियार और गोला बारूद है।

पेंच नेशनल पार्क में बाघिन पीएन 42 की मौत, पंजे-दांत गायब

सिवनी। पेंच नेशनल पार्क के रुखड़ बफर क्षेत्र में शनिवार को एक चौंकाने वाली घटना सामने आई, जिसने वन विभाग को हिला कर रख दिया। रुखड़ बीट के मासूरनाला इलाके में गश्त कर रहे दल को तेज दुर्गंध ने सतर्क किया। जांच करने पर नाले की रेत में आंशिक रूप से दबा हुआ एक बाघिन का शव बरामद हुआ। टाइगर रिजर्व के फोटो डेटाबेस से उसकी पहचान बाघिन पीएन-42 के रूप में हुई, जो 2016 में पहली बार कैमरा ट्रैप में कैद हुई थी। उस समय उसकी उम्र करीब 2-3 वर्ष थी और अब वह लगभग 12 साल की हो चुकी थी।

भगवान महावीर के सत्य, अहिंसा के सिद्धांतों से होगा समाज का कल्याण : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने दिगंबर जैन महाकुंभ में मुनियों से आशीर्वाद लिया

भोपाल ■ ब्यूरो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान महावीर स्वामी के सत्य, अहिंसा अपरिग्रह के सिद्धांतों पर चलकर ही समाज का कल्याण किया जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर में दिगंबर जैन महाकुंभ में उपस्थित जन-समुदाय को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महाकुंभ में पधारे जैन मुनियों के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। नगरीय विकास, आवास एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, क्षेत्रीय सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव एवं विधायक गण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर में जैन मुनियों के महाकुंभ से मालवा की धरती धन्य हो गई है। मालवा क्षेत्र के लिए यह एक अद्भुत एवं अद्वितीय अवसर है। दिगंबर जैन मुनियों का पट्टाभिषेक कार्यक्रम का यह एक वृहद आयोजन है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जैन मुनि अपने आचरण से समाज को सदाचरण का संदेश देते हैं। दिगंबर साधु प्रकृति के साथ जीवन यापन करना भी सीखते हैं। उनका आचरण हमारी धर्म के प्रति आस्था को और मजबूत बनाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के सभी धार्मिक स्थलों पर शराब की बिक्री नहीं करने का निर्णय लिया है और इसे अमल में भी लाया जा रहा है। राज्य सरकार ने तय किया है कि खुले में मांस की बिक्री नहीं होगी और इसका पालन भी कराया जा रहा है। राज्य सरकार गौशालाओं के निर्माण को प्रोत्साहन दे रही है। गौपालन को प्रोत्साहन देने के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना बनाई गई है। इस योजना में 25 से ज्यादा गाय पालने पर शासन द्वारा 25 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का दिगंबर महाकुंभ कार्यक्रम के संयोजक मनीष गोधा ने सम्मान कर उनका आभार व्यक्त किया।

मध्य प्रदेश के मंदसौर में बड़ा हादसा

बाइक सवार को टक्कर मार कर कुएं में गिरी कार, 12 की मौत

मंदसौर ■ एजेंसी

मध्य प्रदेश के मंदसौर में रविवार को दर्दनाक हादसा हो गया। यात्रियों से भरी कार कुएं में जा गिरी। 12 लोगों की मौत हो चुकी है। इसमें कार सवार आठ लोग, एक बाइक सवार और एक युवक वो भी शामिल है, जो इन्हें बचाने के लिए कुएं में उतरा था।

हादसे के बाद कार को निकाल लिया गया है। उसकी हालत देखकर हादसे की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है। डिप्टी सीएम की मानें तो कार में बच्चों समेत 16 लोग सवार थे। सभी शादी समारोह में शामिल होकर माताजी के दर्शन करने जा रहे थे। कार की रफ्तार भी तेज थी। मंदसौर जिले के नारायणगढ़ थाना क्षेत्र ग्राम काचरिया में मोड़ पर कार के सामने अचानक बाइक आ गई। इससे कार चालक घबरा गया और बाइक सवार को रौंदते हुए कार दूसरी दिशा में मोड़ दी। वहां बिना मुंडेर का बड़ा कुआं था, जिसमें पूरी कार समा गई। इधर कार की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार गोबर सिंह निवासी सीतामऊ जिला मन्दसौर की मौके पर मौत हो गई थी। ये हादसे की पहली मौत थी।

कार जैसे ही कुएं में गिरी तो तेज आवाज हुई। आसपास के लोग चीखते हुए कुएं की तरफ भागे। किसी ने पुलिस को सूचना दी। स्थानीय लोगों ने भी मदद करने की कोशिश की पर कुंआ काफी गहरा होने से वे कुछ नहीं कर सके। ऊपर से पानी में डूबी कार दिख रही थी। इधर लोगों को बचाने के लिए एक युवक मनोहर सिंह कुएं में उतरा, पर जहरीली गैस से वो भी वापस नहीं आ सका।

इधर पुलिस टीम ने मौके पर क्रेन बुलवाई और खाट डालकर घायलों को निकालने की कोशिश की। पहले प्रयास में बच्चे समेत चार लोगों को निकाल लिया गया और उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया।

घटना में घायल महिला माया बाई ने बताया कि वह रतलाम जिले के गांव खोजनखेड़ा में एक शादी समारोह में आए थे, यहां से सभी कार क्रमांक एमपी 09 डब्ल्यूसी 2452 में सवार होकर नीमच जिले के मनासा तहसील में स्थित आंतरी माताजी मंदिर दर्शन करने के लिए जा रहे थे।

कार में चालक सहित 13 लोग सवार थे। तभी करीब 1 बजे ग्राम काचरिया कदमाला में सामने से आ रही बाइक से कार टकरा गई। इससे कार असंतुलित होकर सड़क किनारे बने कुएं में जा गिरी। इसके बाद हमें कुछ नहीं पता। अभी बताया जा रहा है कि हम चारों को छोड़ सभी की मौत हो गई है।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने दिए प्रशासनिक जांच के आदेश

इस घटना के बाद प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और मल्हारगढ़ विधानसभा के विधायक जगदीश देवड़ा भी मौके पर पहुंचे. रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए. उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने दुर्घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि पूरे घटनाक्रम की प्रशासनिक जांच के आदेश जारी किए गए हैं. पीड़ित परिवारों को तत्काल शासकीय सहायता और आर्थिक मदद दी जाएगी. इसके साथ ही बताया गया कि मृतकों के अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सहायता राशि मुहैया कराई गई है।

डिप्टी सीएम अधिकारियों के साथ मौके पर डटे रहे

मंदसौर जिले के नारायणगढ़ थाना क्षेत्र के काचरिया चौपाटी पर हादसे की खबर मिलते ही पुलिस के साथ डीआईजी मनोज कुमार सिंह सहित मंदसौर कलेक्टर अदिति गर्ग पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद सहित कई अफसर भी मौके पर पहुंच गए थे। उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा भी घटनास्थल पहुंचे और जानकारी ली। पूरे राहत कार्य के दौरान वे वहीं डटे रहे।

गैस से चल रही थी कार उसी ने ली अधिकांश जानें

बताया जा रहा है कि कार गैस से चलाई जा रही थी। कार कुएं में गिरने के बाद कार से गैस का रिसाव होने लगा, जिससे दम घुटने के कारण भी अधिकांश मौतें हुई हैं। रेस्क्यू के दौरान प्रशासन ने जब एसडीआरएफ टीम के जवान को ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ कुएं में उतारा गया, उसके बावजूद गैस रिसाव के कारण उसको घबराहट होने लगी और उसको तुरंत बाहर निकलना पड़ा।

मन की बात में बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

हमले के दोषियों और साजिशकर्ताओं को कठोरतम जवाब दिया जाएगा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दोहराया कि पहलगाम आतंकी हमले के पीछे के आतंकवादियों और साजिश में शामिल लोगों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को न्याय मिलेगा। रेडियो कार्यक्रम मन की बात में पीएम मोदी ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारतीयों की एकजुटता देश की सबसे बड़ी ताकत है।

उन्होंने कहा, दुनिया देख रही है कि भारत इस हमले के खिलाफ एक स्वर में बोल रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह एकता आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई का सबसे बड़ा आधार है। उन्होंने कहा कि चाहे कोई किसी भी राज्य में रहता हो और कोई भी भाषा बोलता हो, सभी को पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मन में गहरी पीड़ा है। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुई आतंकी वारदात ने देश के हर नागरिक को दुख पहुंचाया है। पीड़ित परिवारों के प्रति हर भारतीय के मन में गहरी संवेदना है। भले वो किसी भी राज्य का हो, वो कोई भी भाषा बोलता हो, लेकिन वो उन लोगों के दर्द को महसूस कर रहा है, जिन्होंने इस हमले में अपने परिजनों को खोया है। मुझे ऐहसास है, हर भारतीय का खून, आतंकी हमले की तस्वीरों को देखकर खौल रहा है।

उन्होंने कहा कि पहलगाम में हुआ ये हमला, आतंक के सरपरस्तों की हताशा को दिखाता है, उनकी कायरता को दिखाता है। ऐसे समय में जब कश्मीर में शांति लौट रही थी, स्कूल-कॉलेजों में एक चहलपहल थी, निर्माण कार्यों में अभूतपूर्व गति आई थी, लोकतंत्र मजबूत हो रहा था, पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो रही थी, लोगों की कमाई बढ़ रही थी, युवाओं के लिए नए अवसर तैयार हो रहे थे। देश के दुश्मनों को, जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों को, ये रास नहीं आया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के हम लोगों में जो आक्रोश है, वो आक्रोश पूरी दुनिया में है। इस आतंकी हमले के बाद लगातार दुनिया भर से संवेदनाएं आ रही हैं। मुझे भी वैश्विक नेताओं ने फोन किए हैं, पत्र लिखे हैं, संदेश भेजे हैं। इस जघन्य तरीके से किए गए आतंकी हमले की सब ने कठोर निंदा की है। उन्होंने मृतकों के परिवारजनों के प्रति संवेदनाएं प्रकट की हैं। पूरा विश्व, आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में, 140 करोड़ भारतीयों के साथ खड़ा है। मैं पीड़ित परिवारों को फिर भरोसा देता हूं कि उन्हें न्याय मिलेगा, न्याय मिलकर रहेगा।

हमने एक साथ 104 सैटेलाइट का लॉन्च करके रिकॉर्ड बनाया है

पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत एक वैश्विक अंतरिक्ष पावर बन चुका है। हमने एक साथ 104 सैटेलाइट का लॉन्च करके रिकॉर्ड बनाया है। हम चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाले पहले देश बने हैं। भारत ने मंगल ऑर्बिटर मिशन का प्रक्षेपण किया है और हम आदित्य-एल1 मिशन के जरिए सूरज के काफी करीब तक पहुंचे हैं। आज भारत पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा प्रभावी लागत लेकिन सफल अंतरिक्ष कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहा है। दुनिया के कई देश अपनी सैटेलाइट और अंतरिक्ष मिशन के लिए ISRO की मदद लेते हैं।

भारत की कार्रवाई से पाक की उड़ी नींद खुद को बचाने चीन-रूस के कदमों में गिरा

मॉस्को ■ एजेंसी

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद आतंकियों को संरक्षण देने वाले पाकिस्तान की वैश्विक स्तर पर कड़ी आलोचना हो रही है। तमाम देशों के नेताओं ने आतंक से निपटने के लिए भारत के प्रति अपना समर्थन जताया है।

वहीं इस हमले के बाद भारत के कड़े रुख और जवाबी एक्शन से पड़ोसी देश की नींद उड़ गई है। आतंकवाद के मुद्दे पर फंसे पाकिस्तान ने हमले की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जांच की मांग की है। इतना ही नहीं, पाकिस्तान ने जांच के लिए अपने पुराने दोस्त चीन का नाम लिया है। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए नोवोस्ती को दिए गए एक हालिया साक्षात्कार में पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पहलगाम हमले की अंतरराष्ट्रीय जांच में चीन और रूस की भागीदारी की बात की। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि रूस या चीन या यहां तक कि पश्चिमी देश इस संकट में बहुत ही सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं। वे एक जांच दल भी गठित कर सकते हैं, जिसे जांच का काम सौंपा जाना चाहिए कि भारत झूठ बोल रहा हैं या सच। उन्होंने कहा कि एक अंतरराष्ट्रीय दल को इस बात का पता लगाने दें। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी अंतरराष्ट्रीय जांच कराने का प्रस्ताव रखा है। इस बात के कुछ सबूत होने चाहिए कि पाकिस्तान इसमें शामिल है या इन लोगों को पाकिस्तान का समर्थन प्राप्त था। ये सिर्फ खोखले बयान और कुछ नहीं।

मप्र में कई जिलों में हुई बारिश पड़े ओले, अभी ऐसा ही रहेगा मौसम

भोपाल। प्रदेश के मौसम में अचानक से बदलाव देखने को मिल रहा है अलग-अलग स्थान पर बनी 3 मौसम प्रणालियों के असर से अरब सागर में नमी आने का सिलसिला शुरू हो गया है। तेज गर्मी के बीच मप्र में रविवार को भोपाल में बादल छाए रहे, कई जगह बूंदाबांदी हुई। जबलपुर-छिंदवाड़ा, शहडोल, सागर और डिंडौरी में तेज बारिश व विदिशा के गंजबासौदा में आंधी चली, दमोह में ओले गिरे। बारिश से तापमान में गिरावट आई है। प्रदेश के कई जिलों का तापमान 40 डिग्री से नीचे चला गया है।

प्रदेश में जिहाद या लव जिहाद के अपराधी बचेंगे नहीं : मुख्यमंत्री

भोपाल ■ प्रतिनिधि

भोपाल में लव जिहाद के मामला सामने आने के बाद आरोपियों से पूछताछ में नए नए खुलासे हो रहे हैं। आरोपी गैंगबनाकर वारदात को अंजाम दे रहे थे। इस मामले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को कहा कि मध्यप्रदेश सुशासन के लिए जाना जाता है, इसलिए यहां अपराध और अपराधी के लिए कोई जगह नहीं है। जो अपराध करेगा उसे दण्ड मिलेगा, हमारी सरकार ने प्रदेश की धरती पर किसी प्रकार के जिहाद या लव जिहाद की अनुमति नहीं दी है। जो हमारी धरती पर यह करता पाया जाएगा उसे छोड़ेंगे नहीं, वह राज्य के अंदर हो या राज्य से बाहर भागा हो, हमारी पुलिस उसे हर जगह से पकड़ कर लाएगी। यह हमारा संकल्प है।

बता दें राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने भोपाल पुलिस से रिपोर्ट तलब की है और आयोग की टीम जल्द ही भोपाल पहुंचेगी। इसके साथ ही राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी इस मामले पर गंभीरता से विचार करते हुए कार्रवाई के संकेत दिए हैं। आरोपी हिंदू छात्राओं को फंसा कर उनसे दरिंदगी कर रहे थे।

इंदौर में एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव में बोले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

मप्र को अंतरिक्ष क्षेत्र का केंद्र बनाएंगे, इंदौर में आईटी सेक्टर के लिए 4 नई पॉलिसी जारी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में रविवार को एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025 का आयोजन किया गया। इस दौरान आईटी सेक्टर के लिए 4 पॉलिसियां जारी की गईं। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- हमने सरकार गठन के बाद तुरंत उद्योग और रोजगार की तरफ ध्यान दिया।

हम छोटे-छोटे स्थान पर भी उद्योगपति को ले गए। हमारे पास जमीन कम पड़ रही है। प्रोजेक्ट मांगने वाले ज्यादा आ रहे हैं। प्रदेश में आज की स्थिति में 6 आईटी पार्क हैं। हमने 18 नीतियां लोकार्पित की थीं। पूरी दुनिया के निवेशक यहां आ रहे हैं।

कार्यक्र में मुख्य सचिव अनुराग जैन ने मध्य प्रदेश में निवेश की संभावनाएं गिनाईं और कहा कि दो माह पहले हुई ग्लोबल इन्वेस्टमेंट के नतीजे अच्छे मिले हैं। कर्नाटक डिजिटल इकोनॉमी मिशन के सीईओ संजय गुप्ता ने कहा कि मैं मध्यप्रदेश को अपने इंडस्ट्री क्लाइंट के रूप में देखता हूं। मेरा विचार है कि एक प्रोफेशनल बॉडी बने, जो इंडस्ट्री और सरकार के बीच काम करे। डिजिटल इकोनॉमी में स्टार्टअप्स की मुख्य भूमिका है। भविष्य में बड़ी संख्या में युवा इस सेक्टर में आएंगे। मध्य प्रदेश से उठी यह वेव देश की इकोनॉमी को बढ़ाएगी।

पंचशील प्राइवेट लिमिटेड के अतुल चोडिया ने कहा कि हम इंदौर में फ्यूचर रेडी पंचशील आईटी पार्क की स्थापना करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विजन से कंपनी को विस्तार करने के लिए जमीन मिली है। कंपनी डेटा सेंटर तैयार करने की दिशा में भी कार्य कर रही है।

मोहन सरकार ने कर्मचारियों का 5 फीसदी बढ़ाया भत्ता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को भोपाल में आयोजित मध्य प्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ के प्रांतीय सम्मेलन में सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ी घोषणा की। सीएम ने कहा कि प्रदेश के सभी शासकीय कर्मचारियों को अब केंद्र सरकार के कर्मचारियों के समान कुल 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह वृद्धि दो किस्तों में लागू की जाएगी- 1 जुलाई 2024 से 3 प्रतिशत और 1 जनवरी 2025 से 2 प्रतिशत अतिरिक्त महंगाई भत्ता स्वीकृत किया गया है। इस वृद्धि से कर्मचारियों को न केवल मासिक वेतन में लाभ मिलेगा, बल्कि इसके तहत मिलने वाले एरियर का भुगतान भी किया जाएगा। सीएम ने कहा कि एरियर की राशि पांच समान किस्तों में जून 2025 से अक्टूबर 2025 तक वितरित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हमेशा कर्मचारियों के हित में कार्य करती रही है और आने वाले समय में शासकीय कर्मचारियों के कल्याण के लिए कई और फैसले लिए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

बाइक नहीं कार सवार बदमाशो ने रेपिडो चालक का मोबाइल झपटा

भोपाल। राजधानी में मोबाइल झपटने की वारदात लगातार बढ़ती जा रही है। अब बाइक सवार ही नहीं बल्कि कार सवार बदमाश भी वादातो को अंजाम दे रहे है। चूनाभट्टी थाना इलो में शनिवार अलसुबह कार सवार बदमाशों ने रेपिडो चालक से मोबाइल झपट लिया। पुलिस के अनुसार गौरब पिता गोपाल चंद (31) ने बताया की वह नीलगगन कॉलोनी, नीलबड़ में रहते हुए निजी कंपनी में नौकरी करता है। साथ ही रेपिडो बाइक चलाता है। गौरब ने पुलिस को बताया कि शनिवार सुबह करीब साढ़े 4 बजे वह कोलार तिराहा पर खड़े होकर राइड का इंतजार कर रहा था, तभी एक सफेद रंग की कार उसके पास आकर रुकी। उसमें तीन युवक बैठे थे, एक युवक ने कार का कांच खोला और उससे पता पूछने लगा। उसक ध्यान हटने पर आरोपी ने उसके हाथ में पकड़े मोबाइल को मोबाइल झपट लिया। इससे पहले वह कुछ समझ पाता आरोपी मैनिट की तरफ भाग निकले। फरियादी जब तक अपनी बाइक तक पहुंचकर उनका पीछा करता इससे पहले आरोपी तेज स्पीड से काफी दूर तक निकल चुके थे। उसने पुलिस को बताया की कार की नंबर प्लेट पर पट्टी लगी हुई थी। फिलहाल अज्ञात के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर पुलिस ने उनकी तलाश शुरू कर दी है। आरोपियों की पहचान जुटाने के लिये घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज खंगाले जा रहे है।

कटी पतंग के चायनीज मांझे से 4 साल की मासूम हुई घायल

भोपाल। गौतम नगर थाना इलाके में स्थित आरिफ नगर ग्राउंड के पास कटी पतंग के चायनीज मांझे से चार साल की मासूम घायल हो गई। घटना के समय वह अपने मां-पिता के साथ एक्टिवा पर वाहन चला रहे पिता के आगे खड़े होकर जा रही थी। तभी कटी पतंग का मांझा चलती गाड़ी पर उसकी गर्दन से रगड़ खाता हुए निकल गया, जिससे उसके गले में गंभीर चोट आई है। शिकायत मिलने पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक ए-सेक्टर सोनागिरी पिपलानी में रहने वाले आकिब खान (28) रत्नागिरी में कार का वर्कशॉप चलाते हैं। बीती 25 अप्रैल की शाम करीब 6 बजे वह अपनी पत्नी मरियम और दो बच्चों, चार साल की सफिया और दो साल के अनम के साथ एक्टिवा से सोनागिरी से करोंद होते हुए वीआईपी रोड जा रहे थे। आकिब गाड़ी चला रहे थे, जबकि सफिया आगे खड़ी थी। जैसे ही वे लोग आरिफ नगर ब्रिज उतरने के बाद ग्राउंड के पास पहुंचे, तभी अचानक कटी पतंग के मांझे से सफिया की गर्दन बुरी तरह से लहूलुहान हो गई।

बेकाबू बाइक के स्लिप होने से पिता सहित दो बेटे घायल, बेटे की मोत

भोपाल। बैरसिया थाना इलाके में मंगलवार रात बाइक बेकाबू होकर स्लिप हो गई थी। घटना के समय बाइक पर पिता सहित दो बेटे सवार थे। बाइक गिरने के कारण तीनो गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिये अस्पताल पहुंचाया गया जहॉ एक बेटे की रविवार सुबह मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम अरवलिया में रहने वाला रघुवीर सिंह (36) पुत्र ज्ञान सिंह मिस्त्री का काम करता था। मंगलवार को एक रिश्तेदार के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए वह अपने पिता ज्ञान सिंह और भाई तुलसी के साथ अरवलिया से बैरसिया जाने के लिए एक ही बाइक पर सवार होकर निकला था। बैरसिया से करीब एक किलो मीटर पहले एचपी पेट्रोलपंप के पास अचानक सामने एक एक्टिवा सवार युवक आने पर बाइक चला रहे रघुवीर ने उसे बचाने का प्रयास किया। लेकिन इस दौरान उसकी उसका अनियत्रिंत हो होकर सड़क पर गिरकर डिवाइडर से टकरा गई। चलती बाइक सहित गिरकर टकराने से बाइक सवार रघुवीर उसके पिता ज्ञान सिंह और भाई तुलसी गंभीर रूप से घायल हुए थे। तीनों को इलाज के लिये पहले बैरसिया फिर हमीदिया हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान रविवार सुबह रघुवीर ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर पीएम के बाद शव परिजनों को सौंपते हुए आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

प्रदेश में कक्षा एक से 12वीं तक 72 लाख से अधिक विद्यार्थियों का नामांकन

अप्रैल माह में ही विद्यार्थियों तक पहुँची पाठ्य पुस्तकें

भोपाल ■ निस

शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अब तक कक्षा एक से 12वीं तक लगभग 72 लाख 40 हजार से अधिक विद्यार्थी निर्धारित कक्षाओं में अपना नामांकन दर्ज करवा चुके हैं। वहीं कक्षा 5 उत्तीर्ण करने वाले लगभग 5 लाख विद्यार्थी कक्षा में 6 में तथा कक्षा 8 उत्तीर्ण करने वाले करीब 4 लाख 84 हजार से अधिक विद्यार्थी कक्षा 9 में प्रवेश ले चुके हैं। कक्षा एक से 8वीं तक में लगभग 59 लाख 66 हजार से अधिक एवं कक्षा 9 से 12वीं में 12 लाख 73 हजार से अधिक विद्यार्थी अभी तक नये शैक्षणिक सत्र वर्ष 2025-26 में प्रवेश ले चुके हैं।

प्रदेश में एक अप्रैल से शुरू हुए नये शैक्षणिक सत्र में अब तक लगभग एक लाख 62 हजार से अधिक बच्चों का कक्षा एक में प्रवेश हो चुका है। इनमें से लगभग एक लाख से अधिक बच्चों के अभिभावकों ने उनका प्रवेश शासकीय विद्यालयों में कराया है। शेष करीब 35 हजार बच्चे निजी विद्यालयों की कक्षा एक में प्रवेश ले चुके है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष तक स्कूल चलें हम अभियान का संचालन जून माह में किया जाता था जिसे इस वर्ष मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में एक अप्रैल से ही संचालित किया गया है।

एज्युकेशन पोर्टल 3.0 से मॉनिटरिंग: स्कूल चलें हम अभियान के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों के नामांकन के लिए एज्युकेशन पोर्टल 3.0 का एक अप्रैल को लोकार्पण किया था। पोर्टल के माध्यम से शालाओं में कक्षावार नामांकन की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। नामांकन का कार्य सतत प्रगति पर है तथा अधिकांश चिन्हित बच्चे निर्धारित कक्षाओं में प्रवेश ले रहे हैं।

कक्षा एक में प्रवेश योग्य बच्चों की सूची की उपलब्धता से सहजता: इस वर्ष समय डेटा के आधार पर कक्षा एक में प्रवेश के लिये योग्य बच्चों की ग्राम और वार्ड वार सूची भी शिक्षकों को पहले से ही उपलब्ध कराई गई है। जिससे शिक्षकों के द्वारा इन बच्चों के अभिभावकों से संपर्क कर शाला प्रवेश कार्य में सुविधा हो रही है।

परीक्षा परिणामों की समयबद्ध घोषणा: प्रदेश में परीक्षा परिणामों की समयबद्ध घोषणा माह अप्रैल में ही की गई है। इस वजह से आशाजनक कक्षावार नामांकन का एक प्रमुख कारण यह भी है। प्रदेश में कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड पैटर्न परीक्षाओं के अलावा अन्य सभी कक्षाओं की स्थानीय परीक्षाओं और कक्षा 5वीं और 8वीं की बोर्ड पेटर्न परीक्षाओं के परिणाम भी इस वर्ष मार्च अंत तक घोषित किये जा चुके हैं, जिससे विद्यार्थियों के द्वारा आगामी कक्षाओं में समय से प्रवेश लिया जा रहा है।

नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण: स्कूल शिक्षा विभाग ने इस वर्ष नवीन सत्रारंभ की पूर्व तैयारी इस प्रकार की जिसमें प्रथम दिवस एक अप्रैल से ही कक्षा शिक्षण में कोई कठिनाई नहीं हुई। इस के लिये योजना तैयार कर एक अप्रैल के पहले ही नवीन सत्र की पाठ्य पुस्तकें विद्यालयों तक पहुंचाई गई। नि:शुल्क पाठ्य पुस्तक का वितरण इस वर्ष एक अप्रैल से ही प्रारंभ हुआ। अद्यतन स्थिति में लगभग 85 प्रतिशत से अधिक पाठ्य पुस्तकें शालाओं में उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। स्कूल शिक्षा विभाग ने इस सत्र में नि:शुल्क गणवेश एवं नि:शुल्क साईकिल वितरण भी जुलाई माह तक पूर्ण करने का कार्यक्रम तैयार किया गया है।

एमपी ट्रांसको ने कार्मिकों के गृह भाड़ा भत्ते को किया पुनरीक्षित

भोपाल, निप्र। *एम. पी. ट्रांसको (मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी) ने अपने कार्मिकों के लिए गृह भाड़ा भत्ता के पुनरीक्षित आदेश जारी कर दिए हैं। एम. पी. ट्रांसको के अतिरिक्त मुख्य अभियंता धीरेंद्र सिंह ने बताया कि कंपनी ने मध्यप्रदेश शासन, वित्त विभाग के आदेश क्रमांक एफ 4-1/2025/नियम/चार, दिनांक 3 अप्रैल 2025 के अनुसार, शासकीय सेवकों के लिए निर्धारित गृह भाड़ा भत्ते के प्रावधानों को आवश्यक संशोधनों सहित अपनाया है। सात लाख या उससे अधिक जनसंख्या वाले नगरों में निवासरत कंपनी कार्मिकों को उनके मूल वेतन का 10 प्रतिशत गृह भाड़ा भत्ते के रूप में देय होगा। तीन लाख से अधिक लेकिन 7 लाख से कम जनसंख्या वाले नगरों में यह दर 7 प्रतिशत होगी। तीन लाख से कम जनसंख्या वाले नगरों में यह दर 5 प्रतिशत निर्धारित की गई है।*

किन्हें नहीं मिलेगा गृह भाड़ा भत्ता: *जारी आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि वे कार्मिक जो कंपनी आवास में रह रहे हैं या किराया रहित कंपनी आवास में निवासरत हैं, या किराया रहित आवास के बदले कोई अन्य भत्ता प्राप्त कर रहे हैं, उन्हें गृह भाड़ा भत्ता देय नहीं होगा। साथ ही संविदा, तदर्थ, स्थायी-कर्मी व दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को भी इस भत्ते की पात्रता नहीं होगी। अन्य शर्तें पूर्ववत रहेंगी और यह आदेश 1 अप्रैल 2025 से प्रभावशील होगा।*

किराये पर लेकर आधा दर्जन लोगो ने की धोखाधड़ी

किराये की लाखो की रकम के ऐवज में दिये फर्जी चैक

भोपाल, एजेंसी। एमपी नगर पुलिस ने एक महिला डॉक्टर की शिकायत पर ऑटो मोबाइल कंपनी के संचालक समेत आधा दर्जन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। आरोपियों ने महिला डॉक्टर से उनके मकान का भूतल व बेसमेंट किराए पर लिया है। उसका करीब साढ़े 10 लाख रुपए किराया बाकी है। आरोपियों ने बाकी किराया देने के नाम पर उन्हें फर्जी चेक थमा दिए। बैंक से चेक बाउंस होने के बाद वह पुलिस थाने पहुंची जहॉ जॉच के बाद प्रकरण दर्ज कर पुलिस ने आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार एमएलए क्वार्टर जवाहर चौक निवासी डॉ. श्रुति शाह (63) पेशे से चिकित्सक हैं। उनका एक मकान पदमनाभ नगर वार्ड क्रमांम-44 में है। उन्होंने उस मकान के भूतल और बेसमेंट गोदाम को चार मई 2022 को प्रेम ऑटो मोबाइल के विनीत कुंज कोलार रोड में रहने वाले विशाल शर्मा को किराए पर दिया था। किराएदारी एक जून से शुरू होकर 30 मई 2027 तक के लिए थी। किराया एक लाख रुपए से शुरू होकर अनुबंध की शर्त के अनुसार एक लाख 33 हजार 403 रुपए तक तय किया गया था। प्रेम ऑटो मोबाइल्स के एक पार्टनर राजेन्द्र प्रसाद शर्मा भी थे। लेकिन विशाल शर्मा ने किराएनामे में यह जानकारी जानबूझकर छुपाई। जून 2023 तक विशाल शर्मा और राजेन्द्र शर्मा किराए का भुगतान करते रहे लेकिन उसके बाद किराया देना बंद कर दिया। फरियादिया डॉ. श्रुति शाह ने जब उन पर किराया देने का दबाव बनाया तब उन्हें पता चला कि विशाल शर्मा और राजेन्द्र शर्मा ने उनकी बिना अनुमति के 16 जुलाई 2023 को एक एमओयू निष्पादित कर किराए वाला भाग नीलम खाम्बरा निवासी सागर एवेन्यू अयोध्या बायपास और शिवानी भारद्वाज निवासी दानिश कुंज कोलार रोड को सौंप दिया है।

छोटे समाचार पत्रों पर जीएसटी समाप्त करने और अपलोड अनिवार्यता हटाने उठी मांग

एसोसिएशन ऑफ स्मॉल एंड मिड न्यूजपेपर ऑफ इंडिया में नितिन कुमार गुप्ता मप्र के अध्यक्ष बने

भोपाल, निप्र। एसोसिएशन ऑफ स्मॉल एंड मिड न्यूजपेपर ऑफ इंडिया का 31वां राष्ट्रीय अधिवेशन जयपुर में दो दिवसीय भव्यता के साथ संपन्न हुआ। प्रथम दिन का आयोजन राजस्थान विधानसभा के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में तथा द्वितीय दिन का कार्यक्रम इंदिरा गांधी पंचायती राज ऑडिटोरियम में गरिमापूर्ण वातावरण में आयोजित हुआ।

इस भव्य आयोजन के दौरान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री केशव दत्त चंदोला को उनके उत्कृष्ट नेतृत्व और संगठन को नई ऊँचाइयाँ प्रदान करने के योगदान के लिए पुन: सर्वसम्मति से निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में चंदोला ने कहा कि संगठन छोटे और मध्यम समाचार पत्रों की स्वतंत्रता एवं सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा तथा निष्पक्ष पत्रकारिता के मूल्यों की रक्षा के लिए संगठित और प्रभावी पहल करेगा।

उन्होंने यह भी घोषणा की कि संगठन जल्द ही लघु एवं मध्यम समाचार पत्रों पर लगने वाले जीएसटी को समाप्त कराने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखेगा।

उन्होंने कहा कि जीएसटी जैसी व्यवस्थाएँ छोटे समाचार पत्रों के अस्तित्व के लिए एक बड़ी चुनौती बन रही हैं, जिनका समाधान अत्यावश्यक है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधियों ने प्रेस पोर्टल पर समाचार पत्र अपलोड करने की अनिवार्यता समाप्त करने की भी पुरजोर मांग रखी। प्रतिनिधियों ने कहा कि छोटे एवं मझोले समाचार पत्रों के लिए यह अनिवार्यता भारी प्रशासनिक बोझ बन गई है और इसके कारण कई समाचार पत्र कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं।

पेड़ों की अवैध कटाई पर मध्य प्रदेश में लगेगी रोक

देश का पहला राज्य पेड़ कटने का अलर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है। जहां पेड़ों की अवैध कटाई होने पर इसका अलर्ट वन विभाग को मिलेगा। मध्य प्रदेश ने 5 जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इसे शुरू कर दिया है। जंगलों में अतिक्रमण और अवैध कटाई होने पर वन विभाग को तुरंत अलर्ट मिलेगा।वन विभाग तुरंत कार्रवाई कर पाएगा।

रियल टाइम फॉरेस्ट अलर्ट सिस्टम एआई से जुड़ा हुआ है। सैटेलाइट इमेज, मशीन लर्निंग और फील्ड फीडबैक पर यह अलर्ट सिस्टम काम करता है। प्रयोग के तौर पर मध्य प्रदेश के शिवपुरी, गुना, विदिशा, बुरहानपुर और खंडवा में इसे शुरू किया गया है।

7 जून के बाद इसे प्रदेश के सभी जिलों में लागू कर दिया जाएगा। इस अलर्ट सिस्टम की खूबी है, 10× 10 मीटर के क्षेत्र में होने वाले किसी भी बदलाव की सूचना वन विभाग के डीएफओ को तुरंत मिलेगी।

इस पायलट प्रोजेक्ट के अलर्ट सिस्टम की कोडिंग डीएफओ राठौर ने स्वयं की है। वह आईआईटी रुड़की से पढ़े हुए हैं। उन्होंने क्लाउड वेस सिस्टम से गूगल के जरिए इस सिस्टम को सर्वर से जोड़ा है। इस सिस्टम को सेटेलाइट और एआई के माध्यम से जोड़ दिया गया है। इस सिस्टम के लागू होने के बाद जंगलों में अवैध कटाई और अवैध कब्जे को रोकने में काफी मदद मिलेगी।

टीआईटी कॉलेज की छात्राओ से दुष्कर्म मामला

मुख्य आरोपी पुलिस रिमांड पर, पन्ना से पकड़े आरोपी को भी भोपाल लाया गया

भोपाल, एजेंसी। राजधानी के टीआईटी कॉलेज की छात्राओं से दुष्कर्म के मामले का मुख्य आरोपी फरहान को रिमांड पर लेकर उससे पूछताछ कर रही है। वहीं पन्ना से गिरफ्तार फरार आरोपी साहिल को भी पुलिस टीम भोपाल लेकर पहुंच गई थी। उसे भी कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जायेगा। वहीं पुलिस ने उन सभी कमरों को सील कर दिया है, जिन कमरों में आरोपी छात्राओं से दुष्कर्म कर वीडियो बनाने के बाद उन्हें ब्लैकमेल करते थे। पुलिस इस बात की भी जॉच कर रही है, की आरोपियों के पास नशे और खर्चे के लिए पैसा कहां से आता था। उन्हें कहीं से फंडिंग तो नहीं की जा रही थी, इस संदेह के चलते पुलिस सभी आरोपियों के बैंक अकाउंट भी खंगाल रही है। हालांकि यह बताया जा रहा है, कि फरहान फंडिंग के लिए सेकंड हैंड कार बेचकर कमीशन लेता था। आरोपियों के जप्त मोबाइल से डेटा रिकवर कराया जा रहा है। पुलिस की पूछताछ में सामने आया है की आरोपी नशा करते थे, और पीड़िताओं को भी नशे की लत की तरफ ले जा रहे थे, नशा करने के लिये गांजा फरहान और अली उपलब्ध कराते थे। साहिल से पूछताछ में पता चला कि वह पन्ना का रहने वाला है। पढ़ाई में मन नहीं लगा तो उसने अशोका गार्डन में डांस क्लास स्टार्ट की। डांस क्लास में डांस सिखाने के बहाने हिंदू लड़कियों से नजदीकी बढ़ाई। और उन्हें इम्प्रैस करने के लिये वह बाहर से पढ़ने आई छात्राओं को रेस्टोरेंट, हुक्का लाउंज और पब लेकर जाता था। नजदीकियां बढ़ाकर वह उनकी पारिवारिक स्थिति की जानकारी ले लेता था।

भोपाल, निप्र। *विश्व प्रसिद्ध जादूगर ओपी शर्मा द्वारा ज्योतिष मठ संस्थान द्वारा आयोजित 11 12 जुलाई 2025 को प्रायोजित राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन किया गया इस अवसर पर जगतगुरु 1008 बगलामुखी पीठाधीश्वर महाराज रविंद्र दास जी ज्योतिष सम्मेलन के संयोजक पंडित विनोद गौतम सहित भागवताचार्य डॉ अरविंद पचौरी, पंडित धनेश प्रपन्नाचार्य ,पंडितअतुल कृष्ण शास्त्री सम्मेलन प्रभारी पंडित नारायण व्यास एवं पंजीयन प्रभारी आलोक श्रीवास्तव एवं अन्य संत महंत उपस्थित रहे। राजधानी भोपाल में ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल द्वारा यह छठवे राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।*

अधीरता, अज्ञान, अहंकार, और गलत संगति के कारण मनुष्य केजीवन में कई बार ऐसी घटनाएं घटती है,कि उसका संपूर्ण जीवन तहस नहस हो जाता है: प्रमाणसागर महाराज

भोपाल, निप्र। अधीरता, अज्ञान, अहंकार, और गलत संगति के कारण मनुष्य केजीवन में कई बार ऐसी घटनाएं घटती है,कि उसका संपूर्ण जीवन तहस नहस हो जाता है। उपरोक्त उदगार मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज ने प्रात:कालीन धर्म सभा में व्यक्त किये। प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया कि मुनि श्री ने विवेक तथा अविवेक की परिभाषा बताते हुये, अविवेक पूर्ण गलत निर्णयों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अविवेकी मनुष्य के सम्वंधों में खटास, पश्चाताप की अनुभूति, तथा सूझबूझ का अभाव, एवं दिशा हीनता तथा जीवन में भटकाव शुरु हो जाता है। इससे उसका संपूर्ण जीवन तहस नहस हो जाता है। उन्होंने कहा कि अविवेक और विवेक का आध्यात्म के क्षेत्र में भी बहूत महत्व है। यदि व्यक्ति तत्व का सही-सही ज्ञान नहीं करेगा, तो उसके अंदर मिथ्यात्व रूपी अहंकार पनपेगा और वह तत्व का सही - सही निर्णय नहीं कर सकता तत्व का सही ज्ञान ही सम्यक् ज्ञान है

मुनि श्री ने कहा कि औचित्य का बोध तथा सूझबूझ से जो मनुष्य कार्य को करता है। वही मनुष्य विवेकी कहलाता है। जिस मनुष्य के अंदर अधीरता होगी वह किसी की नहीं सुनेगा, करनी अकरनी के सभी भेद भूल जाता है,और जल्दबाजी में गलत कदम उठा लेता है। दूसरा कारण है अज्ञान मुनि श्री कहा कि यह जरुरी नहीं कि पड़ा लिखा व्यक्ति ही ज्ञानी हो, तथा अनपड़ एवं अंगूठा छाप अज्ञानी। उन्होंने उदाहरण देते हुये कहा कई बार देखा गया है, कि बहूत पड़े लिखे लोग ही लोभ- लालच में आकर ज्यादा ठगाते है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण साईबर क्राईम है, एक अनपड़ व्यक्ती तो उनके झांसे में आ ही नहीं सकता मुनि श्री ने कहा कि तीसरा मुख्य कारण है अधीरता अधीर व्यक्ती हड़वड़ी में गड़वड़ी करता है,जल्दबाजी में ऐसे निर्णय कर बैठता है, कि फिर जिंदगी भर पश्चाताप के अलावा कुछ शेष नहीं रहता।

वंही चौथा कारण है, अहंकार अहंकारी व्यक्ति किसी की सुनता ही नहीं, जिसके जीवन में अहंकार है,उसके जीवन में कभी विवेक आ ही नही सकता। अहंकार से आसक्ति बुद्धि के विनाश का कारण है। आसक्तिमें डूवा हुआ मनुष्य करनी, अकरनी सब कुछ भूल जाता है। मुनि श्री ने कहा अविवेक पूर्ण गलत निर्णयों से सम्वंधों में खटास, पश्चाताप की अनुभूति, सूझबूझ का अभाव, दिशा हीनता तथा जीवन में भटकाव शुरु हो जाता है। इससे उसका संपूर्ण जीवन तहस नहस हो जाता है।

पोस्टर पॉलिटिक्स... सिंधिया को बताया राजनेताओं में सिकन्दर

हाथी, घोड़े, तोप, तलवारें, फौज तो तेरी सारी है, पर विकास के लिए तत्पर राजा मेरा, अब भी सब पर भारी है

भोपाल, निप्र। मप्र में समय-समय पर नेताओं के समर्थक पोस्टर लगाकर अपने नेता का महिमा मंडित करते रहते हैं। पोस्टर पॉलिटिक्स का ताजा मामला ग्वालियर में देखने के लिए मिला है। ग्वालियर के एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी रोड स्थित डिवाइडर पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थक ने ऐसा पोस्टर लगाया है जो चर्चाओं में आ गया है। पोस्टर में सिंधिया को राजनेताओं में गरीब, शोषित दलितों का सिकन्दर बताया है। साथ ही हाथी, घोड़े, तोप तक का जिक्र करते हुए, राजनेताओं में सिंधिया को सबसे भारी नेता भी बताया है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया शनिवार को ग्वालियर प्रवास पर आए हुए थे। इस दौरान उनके कट्टर समर्थक पुरुषोत्तम बनोरिया ने उनके स्वागत में पोस्टर लगाए। लेकिन इन पोस्टरों ने सियासी गर्माहट को बढ़ा दिया है। क्योंकि पोस्टर में सिंधिया को सिकंदर बताते हुए राजनेताओं में सबसे भारी नेता बताया गया है। पहले पोस्टर में सिंधिया को स्किन्दर बताया गया है। पोस्टर में सिंधिया के फोटो के साथ लिखा है गरीब, शोषित, दलितों का सिकंदर, दूसरे पोस्टर में सिंधिया के फोटो के साथ लिखा हाथी, घोड़े, तोप, तलवारें, फौज तो तेरी सारी है, पर विकास के लिए तत्पर राजा मेरा, अब भी सब पर भारी है।

कांग्रेस ने साधा निशाना: इस पोस्टर को लेकर कांग्रेस प्रवक्ता धर्मेंद्र शर्मा ने सिंधिया के साथ भाजपा संगठन पर निशाना साधा है। धर्मेंद्र शर्मा का कहना है कि ग्वालियर चंबल अंचल में भाजपा की गुटबाजी एक बार फिर पोस्टर के जरिए उजागर हुई है। सिंधिया के साथ ही भाजपा सांसद भारत सिंह कुशवाह के समर्थक एक दूसरे को नीचा दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। यह पोस्टर बता रहे हैं कि आने वाले दिनों में भाजपा की गुटबाजी और ज्यादा बढ़ाने वाली है। लेकिन परेशानी इस बात की है कि कोई भी विकास की बात नहीं कर रहा है। इस गुटबाजी के कारण ग्वालियर विकास के लिए तरस रहा है। विकास के लिए दोनों नेताओं के बीच श्रेय की होड़ देखने मिल रही है। हालांकि सिंधिया समर्थक पुरुषोत्तम बनोरिया का कहना है कि भाजपा में कोई भी गुटबाजी नहीं है।

स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव का पीए बताकर 2 लाख ठगी

हेड कांस्टेबल की पत्नी से ट्रांसफर कराने के नाम ऐंठी रकम

भोपाल, निप्र। क्राइम ब्रांच ने एक ऐसे जालसाज के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिसने खुद को स्वास्थ्य विभाग में प्रमुख सचिव का पीए बताकर हेड कांस्टेबल की पत्नी से उसका ट्रांसफर कराने के नाम पर दो लाख रुपए ऐंठ लिए। पीड़िता राजश्री छिंदवाड़ा के उपस्वास्थ्य केंद्र ग्राम चाखला सीएचसी तामिया में कार्यरत हैं। वह पिछले एक साल से ट्रांसफर के लिए प्रयासरत थीं। कार्यालय में आवेदन दे चुकी थीं। जालसाज ने उनका नंबर हासिल किया और उन्हें ट्रांसफर कराने के नाम पर अकाउंट में दो लाख रुपए जमा करा लिए। अकाउंट में पैसा आते ही आरोपी ने अपना मोबाइल नंबर बंद कर लिया। जानकारी के मुताबिक अचली, पोस्ट

सेमरखापा, जिला मंडला में रहने वाले मनीष पटेल (37) डिडोंरी में प्रधान आरक्षक है। उनकी पत्नी राजश्री पटेल उप स्वास्थ्य केंद्र ग्राम चाखला, कम्युनिटी हेल्थ सेंटर तामिया, जिला छिंदवाडा में एएनएम है। राजश्री ने पति को बताया कि 17 मार्च 2025 को उनकी दो मोबाइल नंबरों पर बात हुई। बातचीत के दौरान दूसरी और से बात करने वाले ने अपना नाम हर्ष राजपूत बताते हुए कहा था की वह स्वास्थ्य विभाग भोपाल में प्रमुख सचिव यादव सर का पीए है। इसके बाद ट्रांसफर के संबंध बातचीत की। उसने कहा की तुम्हारा ट्रांसफर होना है, लेकिन बिना पैसों के कोई काम नहीं तो होता। राजश्री विभाग में ट्रांसफर की प्रक्रिया नहीं जानती है। मोबाइल पर ट्रांसफर के लिए हुई चर्चा के बारे में उन्होंने पति मनीष पटेल को बताया। इधर फोन करने वाले आरोपी ने उन्हें फोन कर ट्रांसफर के लिए दो लाख रुपए देने की बात कही। उसने यह भी बताया की उनके दस्तावेज उसके पास है, ट्रांसफर के लिए केवल एक आवेदन प्रमुख सचिव स्वास्थ्य विभाग के नाम लिखकर मेरे वॉट्सएप पर भेज दो। हर्ष राजपूत के खाते और क्यूआर कोड पर उन्होनें 18 मार्च को 50 हजार, 19 मार्च को 46,200, 1,500, 2,300, 22 मार्च को 70 हजार, 10 हजार और 80 हजार रुपए भेजे।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग एवं यूनिवर्सिटी के आपसी सहयोग से पर्यावरण संरक्षण

दुर्लभ , संकटग्रस्त एवं विलुप्त प्रजाति के पेड़ पौधों के संरक्षण के लिए बोटैनिकल गार्डन का निर्माण

खरगोन ■ निस

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा क्रांति सूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय के आपसी सहयोग से खरगोन की सिनखेड़ा ग्राम पंचायत में बोटैनिकल गार्डन का निर्माण किया जाएगा । इस गार्डन में ऐसी प्रजाति का रोपण किया जाएगा जो की विलुप्त, संकटग्रस्त व दुर्लभ है। बोटैनिकल गार्डन के निर्माण के लिए मनरेगा योजना से 8 लाख 74 हजार की कार्य योजना देवारण्य बोटैनिकल गार्डन सिनखेड़ा के नाम से प्रोजेक्ट स्वीकृत किया गया है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत आकाश सिंह एवं विश्वविद्यालय के रजिस्टर श्री जीएस चौहान,वनस्पति शास्त्र की पूर्व प्राध्यापक डॉक्टर पुष्पा पटेल, पूर्व प्रोफेसर डॉक्टर आर एस देवड़ा , वनस्पति शास्त्र के प्रोफेसर सी एल निंगवाल, सीईओ मनोज निगम, सहायक यंत्री महेश जोशी परियोजना अधिकारी, मनरेगा श्याम रघुवंशी, ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती रजनी चौहान, संजय चौहान, सचिव महेंद्र पाटीदार रोजगार सहायक बालके , संजय सोलंकी एवं मनोहर साथ टीम के द्वारा स्थल का निरीक्षण किया गया तथा यहां कार्य को स्वीकृति प्रदान कर प्रारंभ कराया गया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आकाश सिंह द्वारा बताया गया कि जिले में वर्तमान में भीषण गर्मी को देखते हुए पर्यावरण व पेड़ पौधों का संरक्षण तथा नए पेड़ लगाने की बहुत ही आवश्यकता है। ऐसे में दुर्लभ , संकटग्रस्त एवं विलुप्त प्रजातियों का संरक्षण करने के लिए देवारण्य बोटैनिकल गार्डन की स्वीकृति दी गई है । मध्य प्रदेश में यह एक अपने आप में अनूठा नवाचार होगा , संकटग्रस्त विलुप्त प्रजातियों के संरक्षण के साथ-साथ पर्यावरण में सुधार तथा आम पब्लिक में पेड़ पौधों के प्रति जन जागरूकता आएगी। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल स्रोतों के संरक्षण के साथ-साथ विलुप्त संकटग्रस्त प्रजातियों का भी संरक्षण किया जाना चाहिए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा गार्डन की आय बढ़ाने के लिए बॉर्डर पर बांस रोपण के भी निर्देश दिए गए।

विश्वविद्यालय के रजिस्टर श्री जी एस चौहान द्वारा बताया गया कि बोटैनिकल गार्डन के निर्माण में जन सहयोग की राशि का भी उपयोग किया जाएगा जाएगा, जिससे बोटैनिकल गार्डन आम पब्लिक के लिए भी आकर्षण का केंद्र बने, आने वाले समय में वनस्पति विज्ञान के छात्रों को अध्ययन करने में बहुत ही सहूलियत होगी।रिटायर्ड प्रोफेसर डॉक्टर पुष्पा पटेल द्वारा बताया गया कि बहुत सारी पेड़ पौधों की प्रजाति ऐसी है जो वर्तमान में या तो लुप्त हो चुकी है या लगभग लुप्त होने की कगार में है जिनका संरक्षण किया जाना बहुत ही आवश्यक है ।जंगल निरंतर कम होते जा रहे हैं ।जंगलों में बस्तियाँ बढ़ रही है ।शंकर भगवान तरह अपनी जड़ों में जल बांधकर रखने वाले पेड़ नहीं होंगे तो मिट्टी भी बह जाएगी व जल भी जमीन के अंदर न जाकर व्यर्थ बह जाएगा। कई औषधीय पेड़ पौधों की संख्या निरंतर कम हो रही है।

एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव-2025

मप्र सेमी कंडक्टर उद्योग का अगला प्रमुख केंद्र बनेगा

इन्दौर, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट उद्योग में एक बड़ा केंद्र बनने के लिए तैयार है। नवीन तकनीकी क्रांति में राज्य अग्रणी भूमिका निभाने और निवेश आकर्षित करने की ओर अग्रसर है। एमपी टेक ग्रोथ कॉनक्लेव-2025 में अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संजय दुबे ने रविवार को मध्यप्रदेश - सेमीकंडक्टर और ईएसडीएम के लिए अगला गंतव्य विषय पर आयोजित राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस-4 को ब्रिलियंट कंवेंशन सेंटर, इंदौर में संबोधित किया। उन्होंने राज्य की सेमीकंडक्टर नीति एवं प्रदेश सरकार द्वारा निवेशकों को दी जाने वाली वित्तीय एवं गैर वित्तीय सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उद्योगपतियों/निवेशकों ने अपने विचार और सुझाव रखे। इसमें प्रोजेक्ट डायरेक्टर एमपीएसईडीसी गुरु प्रसाद, डॉ. मणि मधुकर, प्रोग्राम लीड, सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम - आईबीएम इंडिया, अभिषेक कुमार, प्रबंध निदेशक (एमडी) केदारा सहित उद्योगपति/ निवेशक उपस्थित रहे। एसीएस दुबे ने कहा कि टियर-2 शहर जैसे इंदौर, भोपाल का तेजी से विकास राज्य की तकनीकी स्थिति को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की विशेष भौगोलिक स्थिति, त्वरित स्वीकृतियाँ, आधुनिक आधारभूत संरचना और प्रगतिशील नीतियाँ तकनीकी विकास को गति दे रही हैं। साथ ही सेमीकंडक्टर कंपोनेंट निर्माण, इलेक्ट्रोनिक उत्पाद विकास और नवाचार और चिप डिजाइन कंपनियों सभी के लिए विशेष सुविधाएं राज्य में प्रदान की जा रही हैं।

एसीएस दुबे कहा कि राज्य सरकार आईटी पार्क, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (ईएमसी), विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) और मजबूत स्टार्ट-अप संस्कृति के जरिये नवाचार को बढ़ावा दे रही है। कॉन्फ्रेंस में निवेशकों ने कहा कि सरकार की सेमीकंडक्टर नीति- 2025बहुत आकर्षक है।

संक्षिप्त समाचार

घर की राह भटकी 07 वर्षीय बालिका को डायल-112/100 एफआरव्ही ने परिजन से मिलाया

ग्वालियर। ग्वालियर के थाना पड़ाव क्षेत्र में फूल बाग चौराहे के पास एक 07 साल की बालिका मिली है, जो अपने बारे में कोई जानकारी नहीं दे पा रही है, पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112/100 भोपाल में दिनाँक 26-04-2025 को रात्रि 07-11 बजे प्राप्त हुई। सूचना प्राप्ति पर तत्काल पड़ाव थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112/100 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया। डायल-112/100 स्टाफ आरक्षक अंकित शर्मा आरक्षक बलराम सिंह पायलेट सतेंद्र यादव ने मौके पर पहुँचकर बालिका को अपने संरक्षण में लेकर आसपास के क्षेत्र में परिजन की तलाश की, परिजन की जानकारी मिलने पर एफ आर व्ही स्टाफ बालिका को परिजन के सुपुर्द किया । बालिका के परिजन द्वारा डायल-112/100 जवानों का आभार व्यक्त किया गया।

धार में डायल 112/100 सेवा की मानवीय पहल

धार। धार के थाना टांडा क्षेत्र में एक एक्सिडेंट हो गया हैं एक व्यक्ति घायल अवस्था में मिले हैं, पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112/100 भोपाल में दिनाँक 27-04-2025 को प्राप्त हुई। सूचना प्राप्ति पर तत्काल टांडा थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112/100 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया। डायल-112/100 स्टाफ आरक्षक राजकुमार गुर्जर एवं पायलेट कालु भाभर ने घटना स्थल पर पहुँचकर बताया कि एक बुजुर्ग व्यक्ति रोड़ पर घायल अवस्था में मिले थे । डायल 112/100 जवानों द्वारा घायल व्यक्ति को शासकीय अस्पताल टांडा पहुँचाया गया ।

समता की परीक्षा, आचार्य श्री समय सागर महाराज के मांगलिक प्रवचन

जबलपुर। आचार्य श्री विद्यासागर सभा भवन में ससंघ विराजमान आचार्य श्री समयसागर महाराज ने अपनी मंगल देशना में कहा समता बहुत कठिन है। समता की परीक्षा विषमता में होती है। समता की परीक्षा अनुकूलता में नहीं प्रतिकूलता में होती है और जो परीक्षा देने बैठते हैं वे कभी पीछे नहीं हटते है। उपसर्ग परिग्रह आ जाए तो मी उसको शांत भाव से सहन करते हैं। करनी भी चाहिए ऐसा आगम कारो कहना है। आचार्य श्री कहते हैं की श्रमण को सौम्य भाव तक पहुँचना कठिन है। तीव्र साधना के बाद ही किसी-किसी को उपलब्ध होता है। समता की ऐसी विशेषता है। धर्म समा के प्रारंभ में आचार्य श्री विद्यासागर के तैल चित्र के समक्ष ब्रम्हचारी संजय कटंगहा, आनंद जैन ने दीप प्रज्जवलित किया। आलोक जैन ने शास्त्र भेंट किया। आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य प्रदीप जैन, अमल, राजुल को प्राप्त हुआ आचार्य श्री का महापूजन वरियावाला एवं गौर मंदिर के प्रतिनिधियों द्वारा किया गया। पूजन का वाचन साधना मामी द्वारा किया गया। इटारसी, भोपाल, नागपुर के श्रावकों ने श्री फल मेंट किया। आचार्यश्री के सानिध्य में युवाओं का निर्णय जैन समाज के समस्त मांगलिक कार्यक्रम शाकाहारी बारातघरों, होटलों एवं रिसोट में ही आयोजित होंगे। मल्टी क्वीजीन रसोई वाले होटलों में आयोजित शादी समारोह में समाज के व्यक्ति सम्मिलित नहीं होंगे धर्मसभा का संचालन अमित पड़रिया ने किया

जल बचाव पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन कर ग्रामीणों को शपथ दिलाई गई

खरगोन, निप्र। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद खरगोन जिले के विकासखंड भगवानपुरा के ग्राम भगवानपुरा व आदि गांवो में गंगा जल संवर्धन अभियान अन्तर्गत जल बचाव पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। विकासखंड समन्वयक महेश खराड़े सर ने बताया कि नुक्कड़ नाटक में 30 मार्च सें 30 जून तक चलने वाले अभियान में नाटक के माध्यम के साथ साथ जल को सहेजने की शपथ भीं दिलाई गईं। ग्रामीणों को साफ-स्वच्छ निर्मल जल बहे यह सन्देश ग्रामीणों को नुक्कड़ नाटक के माध्यम सें दिया गया।

नवीन जल संग्रहण संरचनाओं के साथ साथ पूर्व से मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं का जीर्णोद्धार, जल स्त्रोतों और जल वितरण प्रणालियों की साफ सफाई, निरंतर की जा रही है।

जल स्त्रोतों के आस पास हेडपम्प पर पानी के सॉफ्ट गड्डे भीं बनाये जा रहे है। ग्राम स्तर पर समाज की सहभागिता के साथ-साथ जल संरक्षण व जागरूता के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। संपूर्ण अभियान को इस तरह से नियोजित किया जा रहा है कि जिससे यह अभियान समाज और सरकार की सहभागिता से जल संरक्षण व संवर्धन का जन आंदोलन बन सके।

इस दौरान परामर्शदाता कान्हा जायसवाल, खुमसिंह सोलंकी, दिनेश ब्राम्हणे, संजय सोलंकी, नवांकूर के बालू गरासे, संतोष सोलंकी, भायराम जमरे, ललित जेन, पूर्णिमा सोलंकी, रानू चौहान, किरण ठाकुर, प्रसफुटन समिती के सदस्य छात्र-छात्राए आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कलेक्टर के नाम पैक्स संस्थाओं के प्रबंधको ने पत्रकारिता के दुरूपयोग कर अनावश्यक दबाव बनाने को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

सिरोंज, निप्र। प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के प्रबंधको व सहायकों प्रबंधको ने तहसील कार्यालय पहुंचकर एसडीएम हर्षल चौधरी को एक ज्ञापन कलेक्टर के नाम एक समाचार पत्र संस्था के संवाददाता द्वारा विगत कई माह से पत्रकारिता का दुरूपयोग कर पैक्स संस्था के कर्मचारियों पर अनावश्यक दबाव बनाकर पैसों की मांग करने को लेकर ज्ञापन पर अतिशीघ्र कार्यवाही करने की मांग को लेकर एक ज्ञापन सौंपा गया। जिससे बी पैक्स संस्थाओं की वसूली एवं उपार्जन एवं खाद वितरण का कार्य प्रभावित न हो। ज्ञापन का पैक्स संस्था तरवरिया के प्रबंधक मनोज जैन ने वाचन करते हुऐ एसडीएम श्री चौधरी को बताया कि विगत कई माह से एक समाचार पत्र के संवाददाता द्वारा सिरोंज शाखा से संबधित पैक्स संस्थाओं के कर्मचारियों पर अनावश्यक रूप से दबाव बनाकर एवं संस्था कर्मचारियों को पद से पृथक करवाने की धमकियॉ दे कर राशि की मांग कि जा रही है। इनके द्वारा विगत कई माह से निरंतर संस्थाओं के विरूद्व अनावश्यक द्वेषपूर्ण भावना से समाचार प्रकाशित कर पैसों के लिए निरंतर दबाव बनाया जा रहा है। पैसे न देने पर इसी प्रकार की कार्यवाही निरंतर करने को कहा जाता है इनके उक्त कृत्य से संस्था कर्मचारियों का मनोवल निरंतर गिरता जा रहा है जिससे संस्थाओं के कार्य प्रभावित हो रहे है एवं इनके द्वारा समर्थन मूल्य खरीदी से संबधित गलत समाचार प्रकाशित कर दबाव बनाया जाता रहा है एवं समर्थन मूल्य खरीदी में भी पैसे न देने पर इसी प्रकार झूठे समाचार पत्र प्रकाशित कर दबाव बनाया जाकर पैसों की मांग की जा रही है। जिससे संस्थाओं द्वारा आगामी समर्थन मूल्य का कार्य कर पाना संभव नहीं है। जिसकी प्रतिलिपि प्रबंधको द्वारा जिला आपूर्ति अधिकारी विदिशा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी विदिशा, उपायुक्त सहकारी संस्थाऐं विदिशा, जिला विपणन अधिकारी विदिशा, जिला प्रबंधक अधिकारी नागरिक आपूर्ति निगम विदिशा को भेजी गयीं। इसदौरान मनोज जैन, द्वारकाप्रसाद शर्मा, अशोक श्रीवास्तव, सौभाग्य सिंह रघुवंशी, जसवंत रघुवंशी, लाखन रघुवंशी, कन्हैयालाल विश्वकर्मा, श्रीकांत शर्मा, लक्ष्मीनारायण शर्मा, भगवत कुर्मी, राजीव पांडेय, विशाल श्रीवास्तव, मनोहर शर्मा आदि बड़ी संख्या पैक्स संस्थाओं के प्रबंधक एवं सहायक प्रबंधक मौजूद रहे।

मोबाईल कोर्ट के माध्यम से भूमि संबंधी मामलों का किया जा रहा है त्वरित निराकरण

गुना, निप्र। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार मोबाइल कोर्ट के माध्यम से भूमि संबंधी विवादों का आपसी सहमति के आधार पर निराकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम सोनखरा में स्थित वादग्रस्त भूमि सर्वे क्रमांक 452/2 रकवा 0.293 , सर्वे क्रमांक 453 रकवा 0.356 एवं 423/2/9 रकवा 1.703 के सम्बंध में आवेदक पृथी पुत्र टीका शिकारी तथा अनावेदक सुनील पुत्र लालाराम धाकड़, गिरर्राज पुत्र रामदयाल एवं संजेश पुत्र राजू वगैरह के मध्य लगभग पिछले 2 वर्ष से भूमि कब्जा सम्बन्धी विवाद चल रहा था। उक्त के संबंध में आवेदक द्वारा कलेक्टर के

समक्ष जनसुनवाई में भी आवेदन प्रस्तुत किया गया था।

वादग्रस्त भूमि के सम्बंध में न्यायालय तहसीलदार बमोरी के प्रकरण क्रमांक 0001/अ70/23 -24 आदेश दिनांक 24/8/23 से अनावेदकगण के विरुद्ध बेदखली आदेश पारित किया गया था ।उक्त आदेश के पालन में आज दिनांक को आवेदकगण को भूमि सर्वे क्रमांक 452/2, 453 का कब्जा दिया गया। उल्लेखित है की शेष भूमि क्रमांक के सम्बन्ध में व्यवहार न्यायालय से स्थगन आदेश है। मोबाइल कोर्ट आयोजन के दौरान तहसीलदार बमोरी देवदत्त गोलिया, दिलीप राजोरिया थाना प्रभारी बमोरी राजस्व निरीक्षक वृत्त बमोरी पटवारी ग्राम राजस्व, पुलिस व वन विभाग का अमला उपस्थित रहा। मौके पर गुना ग्रामीण तहसील से नायब तहसीलदार मोतीलाल पंथी राजस्व निरीक्षक शत्रुघ्न रघुवंशी हल्का पटवारी एवं चौकी उमरी से पुलिस बल उपस्थित रहा।

पत्रकारिता के दुरूपयोग कर अनावश्यक दबाव बनाने को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

सिरोंज, निप्र। प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के प्रबंधको व सहायकों प्रबंधको ने तहसील कार्यालय पहुंचकर एसडीएम हर्षल चौधरी को एक ज्ञापन कलेक्टर के नाम एक समाचार पत्र संस्था के संवाददाता द्वारा विगत कई माह से पत्रकारिता का दुरूपयोग कर पैक्स संस्था के कर्मचारियों पर अनावश्यक दबाव बनाकर पैसों की मांग करने को लेकर ज्ञापन पर अतिशीघ्र कार्यवाही करने की मांग को लेकर एक ज्ञापन सौंपा गया। जिससे बी पैक्स संस्थाओं की वसूली एवं उपार्जन एवं खाद वितरण का कार्य प्रभावित न हो। ज्ञापन का पैक्स संस्था तरवरिया के प्रबंधक मनोज जैन ने वाचन करते हुऐ एसडीएम श्री चौधरी को बताया कि विगत कई माह से एक समाचार पत्र के संवाददाता द्वारा सिरोंज शाखा से संबधित पैक्स संस्थाओं के कर्मचारियों पर अनावश्यक रूप से दबाव बनाकर एवं संस्था कर्मचारियों को पद से पृथक करवाने की धमकियॉ दे कर राशि की मांग कि जा रही है। इनके द्वारा विगत कई माह से निरंतर संस्थाओं के विरूद्व अनावश्यक द्वेषपूर्ण भावना से समाचार प्रकाशित कर पैसों के लिए निरंतर दबाव बनाया जा रहा है। पैसे न देने पर इसी प्रकार की कार्यवाही निरंतर करने को कहा जाता है इनके उक्त कृत्य से संस्था कर्मचारियों का मनोवल निरंतर गिरता जा रहा है जिससे संस्थाओं के कार्य प्रभावित हो रहे है एवं इनके द्वारा समर्थन मूल्य खरीदी से संबधित गलत समाचार प्रकाशित कर दबाव बनाया जाता रहा है एवं समर्थन मूल्य खरीदी में भी पैसे न देने पर इसी प्रकार झूठे समाचार पत्र प्रकाशित कर दबाव बनाया जाकर पैसों की मांग की जा रही है।

रास्ता भटके 12 साल के बालक को डायल-112/100 ने परिजन से मिलाया

बालाघाट। बालाघाट के थाना कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत सुभाष नगर में एक 12 साल का बालक मिला है, जो अपने बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दे पा रहा है, पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112/100 भोपाल में दिनाँक 26-04-2025 को प्राप्त हुई। सूचना प्राप्ति पर तत्काल कोतवाली थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112/100 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया। डायल-112/100 स्टाफ प्रधान आरक्षक पोतन लाल चौधरी पायलेट विजय कामड़े ने मौके पर पहुँचकर बालक को अपने संरक्षण में लेकर आसपास के क्षेत्र में बालक के परिजन की तलाश की। डायल-112/100 स्टाफ द्वारा परिजन के मिल जाने पर सत्यापन उपरांत बालक को परिजन के सुपुर्द किया गया। बालक को सकुशल मिलाने के लिए परिजन द्वारा डायल-112/100 जवानों का आभार व्यक्त किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बालक अर्ज भालाधारे माता अंजना भालाधारे एवं पिता अरविंद भालाधारे के साथ बैतूल से शादी समारोह में सम्मिलित होने बालाघाट आया था, जहां से निकल कर बालक रास्ता भटक गया था।

राष्ट्रीय पदाधिकारियों की मौजूदगी में वनबंधु परिषद युवा टीम की शपथ विधि संपन्न

नव निर्वाचित अध्यक्ष नीलम बाल्दी एवं सचिव दीपिका माहेश्वरी सहित टीम ने ली सेवा

इन्दौर, निप्र। वनबंधु परिषद युवा टीम की वार्षिक सभा एवं नवगठित टीम की शपथ विधि रविवार को जाल सभागृह में वनबंधु परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष रमेश माहेश्वरी (कोलकाता) के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुई। इस अवसर पर उन्होंने युवा टीम से आग्रह किया कि वे अपने आदिवासी युवाओं के बीच पहुंचकर उनके सामाजिक, आर्थिक और नैतिक उत्थान की दिशा में ठोस और सार्थक पहल करें। समाजसेवा और अच्छे कार्यों का श्रीगणेश अपने घर-परिवार से होना चाहिए। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष रमेश माहेश्वरी के साथ परिषद की इस्ट झोन की चेयरपर्सन रेखा जैन (रांची) भी विशेष

अतिथि के रूप में इस समारोह में मौजूद थीं। उन्होंने भी युवाओं को अपनी ऊर्जा को सकारात्मक सोच से जोड़ने तथा रचनात्मक कार्यों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। इस अवसर पर दोनों अतिथियों ने श्रीमती नीलम बाल्दी को अध्यक्ष, दीपिका माहेश्वरी को सचिव एवं प्रीति खंडेलवाल को कोषाध्यक्ष पद की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में वनबंधु परिषद के इन्दौर चैप्टर के अध्यक्ष राम अवतार जाजू भी विशेष रूप से उपस्थित थे, जिन्होंने युवा टीम के नए पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की। टीम की अध्यक्ष श्रीमती नीलम बाल्दी ने शिक्षा, सामाजिक सेवा, युवा सशक्तिकरण एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से परिषद के सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम में इन्दौर चैप्टर के सचिव नवीन खंडेलवाल, राष्ट्रीय सचिव गीता मूंदड़ा, नेशनल वेस्ट झोन के चेयरपर्सन रासू जैन, एकल युवा संस्थापक नेहा मित्तल, पास्ट प्रेसीडेंट सरिता मूंदड़ा एवं मोहित भार्गव भी उपस्थित थे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में संचालित की जा रही अनेक गतिविधियां

जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है

सीहोर, निप्र। कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार सीहोर जिले मे 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले भर में जल संरक्षण से संबंधित अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान के तहत आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए दीवार लेखन, जागरूकता रैली, पोस्टर बैनर, रंगोली, ग्राम सभाएं, कलश यात्राएं, शपथ सहित अनेकों गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान के तहत जिले के अनेक ग्रामों में कूप मरम्मत, तालाब जीर्णोद्धार, डैम की साफ-सफाई सहित अनेक कार्य किए जा रहे हैं तथा नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई जा रही है।

उल्लेखनीय है कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित खेत, तालाब, अमृत सरोवर, परकोलेशन टैंक, डगवेल, तालाब जीर्णोद्धार, जनभागीदारी के कार्य, कूप एवं बाउंड्री मरम्मत के कार्य किए जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रमुख उद्देश्य जनभागीदारी से जल संरक्षण तथा संवर्धन सुनिश्चित करना है। इस अभियान के अन्तर्गत समाज की भागीदारी तथा और विभिन्न सहयोगी विभागो की समेकित पहल से मुख्यत जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण, भूजल संवर्धन, पूर्व से मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं की साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार करना है। इसके साथ ही जल स्त्रोत में प्रदूषण कम करना, साफ सफाई करना, पौधरोपण के कार्य किए जा रहे हैं। इसके साथ ही जल संरक्षण एवं जागरूकता के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

वन्य प्राणियों के लिए बनाया गया कृत्रिम जलाशय: जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत टीम संडे का सुकून द्वारा वन्य प्राणियों के लिए बनाया कृत्रिम जलाशय बनाया गया है ताकि ग्रीष्मकाल में वन्य प्राणियों को पीने के लिए आसानी से पानी मिल सके।

लू लगने के लक्षण, बचाव के उपाय और जरूरी सावधानियां: डॉ.शिप्रा

भोपाल, निप्र। तेज गर्मी ने इन दिनों सभी को परेशान किया हुआ है। पारा 40 के ऊपर पहुंच रहा है। तेज गर्मी के बीच, हीट स्ट्रोक से बचना जरूरी है। लू लगने के लक्षण क्या है, इससे बचाव करने में कौन-से घरेलू नुस्खे मदद कर सकते हैं, चलिए समझते हैं।

इन दिनों गर्मी तेजी से बढ़ती जा रही है और पारा रोज ऊपर की ओर बढ़ रहा है। अप्रैल माह में ही पारा 40 के आस-पास पहुंच चुका है। ऐसे में मई-जून में गर्मी क्या रिकॉर्ड तोड़ेगी, इसे लेकर अभी से सभी के मन में चिंता के बादल छाए हुए हैं। तेज गर्मी का असर हमारी सेहत पर भी होता है। तपिश वाले मौसम का असर, शरीर के हर अंग पर होता है और ऐसे में अपना खास ख्याल रखना जरूरी हो जाता है। गर्मी के महीनों में हीट स्ट्रोक से बचना बहुत जरूरी हो जाता है। हीट स्ट्रोक क्या है, गर्मी के मौसम में इससे कैसे बचना चाहिए, लू लगने पर शरीर में क्या लक्षण नजर आते हैं और किन घरेलू नुस्खों से आप खुद को इससे बचा सकते हैं।

हीट स्ट्रोक या लू के क्या लक्षण होते है ?: गर्मियों के मौसम में अधिक तापमान, सेहत के लिए खतरा बन जाता है। ऐसे में हीट स्ट्रोक से बचना बहुत जरूरी है। जब शरीर बहुत अधिक गर्म हो जाता है और खुद को ठंडा नहीं कर पाता है, तो हीट स्ट्रोक होता है। ऐसा हाई टेम्परेचर में बहुत अधिक समय तक रहने या अधिक एक्सरसाइज के कारण होता है। इसके लक्षणों को समय पर पहचानकर, तुरंत इलाज करने से खतरे को कम किया जा सकता है। लू लगने पर स्किन लाल हो जाती है, दिल की धड़कन तेज हो जाती है, सिर में दर्द होता है, उल्टी महसूस होती है, मांसपेशियों में दर्द होता है और पसीना अधिक आता है। हीट स्ट्रोक की वजह से कई बार काम करने में और किसी चीज पर ध्यान देने में भी मुश्किल होती है। इसकी वजह से बेहोशी भी आ सकती है।

हीट स्ट्रोक से बचने के लिए क्या करें ? हीट स्ट्रोक से बचने के लिए खुद को हाइट्रेट रखना बहुत जरूरी है।

अनमोल वचन

अच्छा निर्णय अनुभव से प्राप्त होता है लेकिन दुर्भाग्यवश अनुभव का जन्म गलत निर्णयों से होता है।
रीटा माए ब्राउन

खुशी केवल उन्हीं व्यक्तियों को प्राप्त होती है जो कि दूसरों को खुश करने के लिए प्रयासरत रहते है।
अज्ञात

सम्पादकीय

सुप्रीम कोर्ट के जजों की टिप्पपणियाँ विवादों में

सुप्रीम कोर्ट के दो सदस्यों की खंडपीठ ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ कोर्ट में एक एसी टिप्पणी की, जिसकी चर्चा देशभर में हो रही है। राहुल गांधी द्वारा की गई विनायक दामोदर राव सावरकर पर की गई टिप्पणी को सुप्रीम कोर्ट ने गैर जिम्मेदाराना बताते हुए सख्त लहजे में कहा, यदि दोबारा राहुल गांधी द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का मजाक बनाया गया, विनायक दामोदर सावरकर के खिलाफ यदि कोई बयान दिया गया, तो हम स्वयं संज्ञान लेकर राहुल गांधी पर कार्रवाई करेंगे। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी एक ऐसे मामले में आई, जिसमें राहुल गांधी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी, जिसमें हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट से जारी समन को रद्द करने से इनकार किया था। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था, राहुल गांधी सेशन कोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दायर कर सकते हैं। इस मामले की अपील राहुल गांधी की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पेश की। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई की। राहुल गांधी के खिलाफ जो आपराधिक कार्रवाई चल रही थी, उस पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। यह मामला सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की बेंच में सुनवाई के लिए लगा था। 17 नवंबर 2022 को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान महाराष्ट्र के अकोला में दामोदर राव सावरकर के खिलाफ राहुल गांधी ने टिप्पणी की थी। इस बयान के बाद देश भर में राहुल गांधी के खिलाफ कई स्थानों पर मुकदमे दर्ज किए गए। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा, स्वतंत्रता सेनानियों के साथ ऐसा व्यवहार ठीक नहीं है। कानून के आधार पर राहुल गांधी को राहत दी जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने जब अपना फैसला लिखा, उसमें जो टिप्पणी की गई थी। उसका कोई उल्लेख नहीं है। पिछले कुछ वर्षों से सावरकर की विचारधारा को लेकर सरकार उन्हें स्वतंत्रता संग्राम का महानायक बनाने का प्रयास कर रही है। पिछले कुछ दशकों में इंग्लैंड से बहुत सारे ऐसे दस्तावेज जो ब्रिटिश सरकार के पास थे, वे एक लंबे समय के बाद भारत सरकार के पास समय-समय पर वापस लौटे हैं। इन दस्तावेजों में वीर सावरकर जब जेल में बंद थे उस समय लिखे पत्र भी सार्वजनिक हुए। यह पत्र कब भारत सरकार को मिले हैं इसकी जानकारी तो नहीं है। दामोदर राव सावरकर शुरुआती दौर में अंग्रेजों के खिलाफ स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई में उतरे थे। जब उन्हें जेल हुई, उसके बाद उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन से अलग होते हुए, अंग्रेज सरकार से माफी मांगी। अपने आप को अंग्रेज सरकार का मुलाजिम बताते हुए सरकार को भरोसा दिलाया था, सरकार जो कहेगी वह करेंगे। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दामोदर राव सावरकर ने अंग्रेजों की सेना में युवाओं की भरती के लिए अभियान चलाया था। ब्रिटिश सरकार द्वारा जो दस्तावेज सार्वजनिक किए गए हैं, उसके अनुसार दामोदर राव सावरकर को अंग्रेज सरकार से पेंशन भी मिलती थी। इस बात की जानकारी दस्तावेजों के माध्यम से बहुत बाद में प्राप्त हुई है। दामोदर राव सावरकर ने छदम नाम से एक पुस्तक लिखी। जिसमें उन्हें वीर सावरकर के रूप में प्रस्तुत किया गया। 2014 में जब से केंद्र में भाजपा की सरकार आई है। उसके बाद से वीर सावरकर को महिमा मंडित करते हुए, स्वतंत्रता संग्राम का महान आंदोलनकारी और विचारक बताने की एक नई कोशिश शुरू की गई है। नाथूराम गोडसे जिन्होंने महात्मा गांधी की हत्या की थी, उन्हें भी महानायक बनाया जा रहा है। जगह-जगह उनके मंदिर बनने लगे। इसके साथ ही महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू जैसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बारे में उनकी आलोचना करते हुए, गलत तथ्यों के आधार पर, देश में एक नई राजनीति शुरू हुई है। राहुल गांधी जिस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट गए थे। सुप्रीम कोर्ट मे जो याचिका उन्होंने लगाई थी। उस पर विचार करके कोर्ट को निर्णय देना था। पिछले कुछ वर्षों में महात्मा गांधी, इंदिरा गांधी, जवाहरलाल नेहरू एवं अन्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बारे में गलत तथ्यों के साथ आलोचना एक पक्ष द्वारा प्रचारित की जा रही है। इसी पक्ष द्वारा वीर सावरकर और नाथूराम गोडसे को लेकर जो बातें प्रचारित की जा रही हैं, वह सत्य से परे हैं। इस पर राजनीतिक संग्राम तो होना ही था। वह हो भी रहा है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में पिछले कुछ वर्षों से मामलों की सुनवाई के दौरान तरह-तरह की टिप्पणियां जजों द्वारा की जाती हैं। जब उन्हीं मामले में आदेश आते हैं। उनमें न्यायालय में जो टिप्पणियां जजों द्वारा की गई थी वह आदेश में देखने को नहीं मिलती हैं। न्यायालय में जजों द्वारा जो मौखिक टिप्पणियां की जाती हैं, उन्हें लेकर सरकार और एक राजनीतिक संगठन उसका इस्तेमाल अपने राजनीतिक फायदे के लिए करने लगता है। जिसके कारण अब हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जज भी राजनीतिक विवाद का विषय बनने लगे हैं। पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई, कोलकाता के एक जज महोदय वहां की राज्य सरकार के खिलाफ सुनवाई के दौरान तरह-तरह की टिप्पणी करते रहे। जिसके कारण पश्चिम बंगाल की राज्य सरकार को समय-समय पर काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। वही जज महोदय इस्तीफा देकर भाजपा में आ गए और सांसद बन गए। कोर्ट की मौखिक टिप्पणियों को आधार बनाकर सरकार उसे निर्णय के रूप में प्रचारित करती है। जन सामान्य के बीच में यह धारणा बनने लगी है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जज सरकार के खिलाफ जो भी मामले होते हैं उन मामलों में सरकार को विशेष तरजीह देती है। जबकि न्यायालय के लिए सभी पक्ष समान रूप से बराबर हैं। जब निर्णय आते हैं, न्यायालय द्वारा जो टिप्पणियां मौखिक रूप से की गई हैं। जब उनके अनुकूल फैसला देखने को नहीं मिलता हैं, तो लोगों का न्यायपालिका पर विश्वास कम होने लगता है। कोर्ट द्वारा जो भी टिप्पणी की जाती है यदि वह सभी के ऊपर समान रूप से लागू की जाती हैं तो इससे आमजनों का न्यायपालिका के ऊपर विश्वास बढ़ेगा। यदि वही टिप्पणियां केवल एक वर्ग विशेष के बारे में की जाती हैं। आदेश में उन्हें स्थान नहीं मिलता है।

चिंतन-मनन

रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

हिमाचल की सड़कों पर मौत का तांडव कब थमेगा?

हिमाचल में किन्नौर से लेकर भरमौर तक प्रतिदिन भीषण व दर्दनाक सड़क हादसे होते जा रहे है। एक बार फिर लाशों के ढेर लग गए लाशों को ढ़ापने के लिए कफ़न कम पड़ गए द्य 25 अप्रैल 2025 को पंडोह में एक कार के खाई में गिर जाने से एक ही परिवार के पांच लोग मौत की नींद सो गए यह बहुत ही दर्दनाक हादसा हुआ है एक साथ पांच चितायें जलने से हर आँखों से आसू बह रहे थे।

नरेन्द्र भारती

हिमाचल में सड़क हादसों की लकीर नियति ने बहुत गहरी लिख दी है ।सड़क हादसे अभिशाप बनते जा रहे है ।2025के चार महिनों में हजारो लोग मौत के मुह में समा चुके है। हादसों को देखकर हालात ऐसे बन गए है कि अल सुबह घर से निकले लोग शाम को घर पहुंचेगे इसकी कोई गारंटी नहीं होती है। सड़क हादसों हर रोज घरों के चिराग बूझ रहे है ।बच्चे अनाथ हो रहे है। मातओं व बहनों के सिदूंर मिट रहे है। यह सिलसिला अनवरत जारी है। हिमाचल में किन्नौर से लेकर भरमौर तक प्रतिदिन भीषण व दर्दनाक सड़क हादसे होते जा रहे है। एक बार फिर लाशों क़े ढेर लग गए लाशों क़ो ढ़ापने क़े लिए कफ़न कम पड़ गए द्य 25 अप्रैल 2025 को पंडोह में एक कार के खाई में गिर जाने से एक ही परिवार के पांच लोग मौत की नींद सो गए यह बहुत ही दर्दनाक हादसा हुआ है एक साथ पांच चितायें जलने से हर आँखों से आंसू बह रहे थे शादी का माहौल मातम में बदल गया यह बारात से लौट रहे थे द्य बीते साल 2024में भी बहुत दर्दनाक हादसे हुए थे यह हादसे बदस्तूर जारी हैं द्यआकडों के अनुसार 4 दिसंबर 2023 का काला दिन काल बनकर 11 लोगों क़ो लील गया था द्य तीन सड़क हादसों में कई घरों क़े चिराग़ बुझ गए थे द्य पहला हादसा शिमला जिला क़े सुन्नी में हुआ था जहाँ एक पिकअप गहरी खाई में गिर गई और छः लोगों की मौत हो गई थी मरने वालों में जम्मू कश्मीर क़े चार लोगों की मौत हो गई थी यह चारों एक ही गाँव क़े रहने वाले थे तथा एक हफ्ता पहले ही काम पऱ सुन्नी आये थे द्य दूसरा हादसा ददाहू संगड़ाह मार्ग पऱ एक टिपर खाई में गिर गया था और दो लोगों की मौत हो गई थी और दो लोग घायल हो गए थे द्य तीसरा हादसा मंडी जिले क़े गोहर क़े केलोधार में शादी समारोह में भाग लेकर जंजेहली लौट रहे तीन लोगों की कार खाई में गिर गई और तीनों की मौत हो गई थी और दो घायल हो गए थे इस हादसे में पति पत्नी की मौत हो गई द्य एक दिन में ग्यारह लोगों की मौत से लोग सदमे में है द्य 2 नवबंर 2023 क़ो करवा चौथ के दिन मंडी व बिलासपुर में दो सड़क हादसों में तीन महिलाओ समेत छह की मौत हो गई थी और आठ लोग घायल हो गए थे यह बहुत ही दर्दनाक हादसा हुआ था जो असमय ही इतनी जिंदगीयाँ लील गया था द्य करवा चौथ के दिन हुआ यह हादसा कभी नहीं भूलेगा द्य चारों तरफ चीखो पुकार मच गई थी पल भर में लोग

चिथड़ों में बदल गए थे द्यभीषण सडक हादसे कब रुकेंगे यह एक यक्ष प्रश्न बन गया है द्य दर्दनाक हादसे में किसी ने अपना पति तो किसी ने अपनी पत्नी खोई है द्य कोटली व घुमारवीं में हुए इन हादसों से लोग मातम में हैं द्यवर्ष 2018 में शिमला से 130 किलोमीटर दूर मुगंरा में एक वाहन के खाई में गिरने से 13 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी ।हादसें में मरने वालों में पांच लोग एक ही परिवार के थे मरनेवालों में ज्यादातर चिड़गांव के गावों के थे । मरने वालों में चार महिलाएं आठ पुरुष व एक बच्ची थी । मृतक आपस में करीबी रिश्तेदारथे ।मौत के इस दर्दनाक मंजर में हुई इन अकाल मौतों से हर हिमाचली गमगीन हुआ था ।यह लोग हाटकोटी से उतराखंड में मदिर दर्शन को जा रहे थे ।मगर मंदिर पहुचने से पहले ही काल के गाल मे समा गए। हर रोज सड़के खून से लाल हो रही है लाशो के ढेर लग रहे है ।लापरवाही से घरों के चिराग असमय बुझते जा रहे हैं। परिवार के परिवार खत्म हो रहे है ।लाशो के अग्नि देने वाले भी नहीं बच रहे है ।हजारो लोग तामउम्र हादसों का दंश झेल रहे है ।पल भर में जीता-जागता आदमी लाशों के चिथड़ों में तब्दील हो रहा है ।बच्चे अनाथ हो रहे है ।प्रदेश में प्रतिदिन हो रहे इस मौत के ताडव को रोकने के लिए कारगर कदम उठाने होगें। इन सड़क हादसों से हर हिमाचली उद्वेलित है। गत वर्ष शिमला के रामपुर के खनेरी में पास बस के खाई में गिर जाने से 28 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। कांगडा के देहरा के ढलियारा में श्रध्दालूओं की एक बस खाई में गिरने से 10 लोगों की मौत हो गई थीं और 45 के लगभग बुरी तरह से घायल हो गए थे ।बस 200 मीटर गहरी खाई में गिरी थी ।प्रदेश में हर रोज हादसों का सिलसिला जारी है ।प्रतिदिन भीषण हादसे होते जा रहे है ।प्रदेश में एक दिन में 13 लोगों की मौतें बहुत ही दुखद है। प्रदेश में ऐसा कोई दिन नहीं होता जब किसी की सड़क हादसे में मौत न हुई हो हादसों का यह क्रम लगातार जारी है ।सबक न सीखना लोगों की आदत बन गया है इतने हादसे हो रहे है मगर सुधार शून्य ही है ।इस पर मंथन करना होगा। जनवरी 2023से लेकर अक्टूबर 2025 के चार महिनों में हजारों हादसे हो चुके है और हजारों लोग मारे जा चुके है और यह सिलसिला थमनें का नाम नहीं ले रहा है। इससे पहले कई भीषण हादसे हो चुके है ।कुछ साल पहले भीषण हादसा मंडी के झिड़ी में हुआ था जब एक निजि बस चालक की लापरवाही के कारण 40 से अधिक लोगों की असमय मौत हो गई थी। व्यास नदी में गिरी इस बस में लगभग 70 सवारियां सवार थी। चालक कथित तौर पर मोबाईल फोन पर बात कर रहा था कि बस अनियंत्रित हो गई और नदी में समा गई। पल भर में ही यात्री लाशों में तब्दील हो गये। गनीमत रही कि राफटिंग दल ने जान जोखिम में डालकर 17 लोगों की जिदंगियां बचा ली नही तो मरने वालों का आंकडा 60 हो जाता यह हादसा नहीं सरासर हत्या थी कि चालक ने खुद छलांग लगाकर यात्रियों को असमय मौत के मुहं में धकेल दिया। बीते हादसों से न तो यात्रियों ने सबक सीखे और न ही प्रशासन ने कोई सबक सीखा ।अक्सर देखा गया है कि ज्यादातर हादसे ओवरलोडिगं के कारण होते है क्योकि इस 42 यात्रियों कि क्षमता वाली बस में 70 यात्री सफर कर रहे थे। कांगडा के आशापुरी में तथा बिलासपुर के बंदला में भी ऐसे भीषण हादसे हो चुके हैं। अप्रैल माह में चंबा में भी 12 यवकों की मौत हो गई थी। हमीरपुर में भी मजदूर दिवस के दिन एक टाटा सूमों के खाई में गिरने से 10 मजदूरों की मृत्यु हो गई थी ।बीते 2024 में इतने बड़े-बड़े हादसे हुए मगर इसमें सुधार नहीं हुआ ।आखिर कब थमेगा यह मौत का मंजर इसका जबाव प्रशासन को देना होगा। प्रतिवर्ष हजारों लोग हादसों का शिकार होते है तथा इतने ही घायल होते है लोग असमय काल के गाल में समाते जा रहे हैं मगर हालात सुधरने के बजाए बिगड़ते ही जा रहे है लोग बीते हादसों को कैसे भूल जातें है हिमाचल में हर रोज लापरवाही के कारण लोगों को मौत नसीब हो रही है अगर लोग जरा सी सावधनी बरते तो हादसों को रोका जा सकता है और अनमोल जीवन को बचाया जा सकता है ।बीते हादसों पर नजर डाली जाए तो रौगटे खडे हो जाते है। सड़को पर मौत रेंग रही है और सड़के रक्तरंजित हो रही हैं। अमूमन देखा गया है कि निजि बसों के कारण ज्यादातर दुर्घटनाएं हो रही है।

राजनीति की रंगमंचीय दुश्मनी और जनता की असली बेवकूफी

क्या हमने कभी सोचा कि ये नेता तो एक-दूसरे से हाथ मिलाते हैं, कार्यक्रमों में एक-दूसरे की तारीफ़ भी कर देते हैं, मगर हम, जो पड़ोसी हैं, रिश्तेदार हैं, हम इनके बयान सुनकर दुश्मन क्यों बन जाते हैं? राजनीति को अगर चुनाव तक ही सीमित रखा जाए, तो समाज की शांति बनी रह सकती है। लेकिन जब हम वोट की राजनीति को अपने दिल-दिमाग पर हावी कर लेते हैं, तब नफरत पनपती है। नेताओं का तो अगला चुनाव आ जाएगा, अगला मंच सज जाएगा, लेकिन आम लोगों के दिलों में जो दरार पड़ती है।

डॉ सत्यवान सौरभ

नेताओं की मोहब्बत और जनता की नादानी कभी किरण चौधरी और शशि थरूर मंचों पर एक-दूसरे के खिलाफ़ खड़े होते हैं, कभी हिंदू-मुस्लिम के नाम पर पार्टियों की नीतियाँ बँटती हैं, और इसी बीच पिसती है आम जनता। क्या हमने कभी सोचा कि ये नेता तो एक-दूसरे से हाथ मिलाते हैं, कार्यक्रमों में एक-दूसरे की तारीफ़ भी कर देते हैं, मगर हम, जो पड़ोसी हैं, रिश्तेदार हैं, हम इनके बयान सुनकर दुश्मन क्यों बन जाते हैं? राजनीति को अगर चुनाव तक ही सीमित रखा जाए, तो समाज की शांति बनी रह सकती है। लेकिन जब हम वोट की राजनीति को अपने दिल-दिमाग पर हावी कर लेते हैं, तब नफरत पनपती है। नेताओं का तो अगला चुनाव आ जाएगा, अगला मंच सज जाएगा, लेकिन आम लोगों के दिलों में जो दरार पड़ती है, वो सालों नहीं भरती। अब वक्त है समझने का-राजनीतिक लड़ाइयों को व्यक्तिगत रिश्तों में घुसने मत दो। जो नेता आज एक-दूसरे को गद्दार कहते हैं, वो कल संसद में साथ बैठकर कानून बनाएंगे, और हम? हम अब भी सोशल मीडिया पर बहस कर रहे होंगे। राजनीति का मंच कभी सीधा नहीं होता। सामने जो दिखता है, वह अक्सर पर्दे के पीछे छिपी सच्चाई का केवल एक दृश्य होता है। एक दृश्य, जिसमें मंच पर नेता जनता के लिए लड़ते, मरते, झगड़ते दिखाई देते हैं, और उसी दृश्य के अंत में वे परदे के पीछे गले मिलकर चाय की चुस्कियों में ठहाके लगाते हैं। कभी आप ने सोचा है? कि जो लोग टीवी डिबेट्स में एक-दूसरे को 'देशद्रोही' और 'गद्दार' कहते हैं, वे ब्रेक के बाद साथ कॉफी पीते हैं? या जो नेता एक-दूसरे की पार्टियों को 'जनता के दुश्मन' बताते हैं, वे संसद सत्र खत्म होते ही एक-दूसरे के घर डिनर पर भी जाते हैं? तो फिर असली बेवकूफ़ कौन है? वो नेता जो दिखावे की लड़ाई लड़ता है, या हम, जो उस लड़ाई को दिल पर लेकर अपनों से बैर पाल लेते हैं?

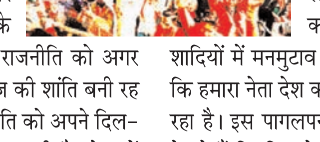

दुश्मनी का अभिनय, यारी की सच्चाई: राजनीति में दुश्मनी एक कला है, और यारी एक ज़रूरत। टीवी पर तीखे तेवर और ट्विटर पर जहरीले तीरों के बाद भी एक सच्चाई बनी रहती है-इन सबका असली उद्देश्य जनता को भावनात्मक रूप से ठगना है। चुनावों में वोट मिलते हैं भावना से, न कि तर्क से। और जब जनता धर्म, जाति, मज़हब, और देशभक्ति के नाम पर जोश में आती है, तभी नेताओं की गोटियाँ सेट होती हैं। किरण चौधरी और शशि थरूर हों या मोदी और ममता, केजरीवाल और राहुल-ये सब अपने-अपने हिस्से की जनता को भावनाओं में उलझाकर निजी ज़िन्दगियों में आराम से जीते हैं।

जनता: नेता के लिए साधन, खुद के लिए शत्रु: हमें ये सोचकर शर्म नहीं आती कि एक नेता के लिए हम अपने पड़ोसी से झगड़ा कर लेते हैं। वोट डालने से पहले हम दोस्ती तोड़ लेते हैं, व्हाट्सएप पर एक-दूसरे को ब्लॉक कर देते हैं, परिवारों में फूट पड़ जाती है, शादियों में मनमुटाव हो जाते हैं। क्यों? क्योंकि हमें लगता है कि हमारा नेता देश को बचा रहा है, और तुम्हारा नेता देश बेच रहा है। इस पागलपन की सीमा तब टूटती है जब आप यह देखते हैं कि जिन नेताओं को आप कट्टर दुश्मन मानते थे, वे एक-दूसरे के बेटे-बेटियों की शादी में साथ फोटो खिंचवा रहे होते हैं।

इतिहास गवाह है- यारी की राजनीति कोई नई बात नहीं आज का ही नहीं, भारत के राजनीतिक इतिहास में भी ऐसे हजारों उदाहरण मिलते हैं जहाँ विरोधी विचारधाराओं वाले नेता संसद से बाहर एक-दूसरे के घनिष्ठ मित्र रहे हैं। पंडित नेहरू और श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक-दूसरे के कट्टर आलोचक थे, लेकिन व्यक्तिगत सम्मान की लकीर कभी नहीं लांघी। अटल बिहारी वाजपेयी और सोनिया गांधी संसद में एक-दूसरे पर तीखी टिप्पणियाँ करते थे, परंतु व्यक्तिगत स्तर पर सौहार्द्र बना रहता था। आज यह मर्यादा खत्म हो चुकी है, पर नेताओं के संबंध अब भी मधुर हैं-बस जनता को भ्रम में रखकर।

धर्म और जाति का खेल-राजनीति का सबसे सस्ता हथियार: हमारे देश की राजनीति धर्म और जाति के ट्रिगर पर चलती है। हिन्दू-मुस्लिम, दलित-ठाकुर, ब्राह्मण-पिछड़ा-हर चुनाव में एक नया विभाजन उछाल दिया जाता है। और हम? हम झपटते हैं इस जाल पर। जैसे ही कोई नेता कहता है हिंदू खतरे में हैं, मुसलमान बढ़ गए हैं, राम का अपमान हुआ है-हम तलवारें निकाल लेते हैं, ट्वीट्स छोड़ने लगते हैं, और बहसों में मर्यादा भूल जाते हैं। जबकि नेता जानते हैं कि ये मुद्दे सिर्फ जनता को उलझाने के लिए हैं, असल खेल कहीं और खेला जा रहा है-प्राइवेट डील्स, सरकारी टेंडर, ट्रांसफर पोस्टिंग, और सत्ता की कुर्सी।

मीडिया: आग में घी डालने वाली फैक्ट्री-जो आग नेता लगाते हैं, उसमें घी डालने का काम करता है मीडिया। न्यूज चैनलों की बहसें स्क्रिप्टेड होती हैं। हर रात एक तय एजेंडा, एक तय दुश्मन, और एक तय राष्ट्रवाद का पैमाना।

हमारी भाषाई विविधता हमारी शक्ति है

किशन सनमुखदास भावनानीं

भारत हजारों वर्ष पूर्व से अपनी अनमोल विशेषताओं का धनी रहा है। भारत में अनमोल विशाल प्राकृतिक संपदा, अनमोल संस्कृति, साहित्य, ज्ञान, भाषाई विविधता का ख़ज़ाना भरा है। यह देखकर ऐसा महसूस होता है कि सारी सृष्टि में मां सरस्वती ने भारत पर अनमोल कृपा बरसाई है, क्योंकि ऐसा बेजोड़ खजाना शायद ही वैश्विक रूप से किसी देश में होगा ऐसा मेरा मानना है। साथियों बात अगर हम इस अनमोल ख़ज़ाने की करें तो हम सब 135 करोड़ जनसंख्याकिय तंत्र को गंभीरता से रेखांकित कर इसका लाभ उठाना होगा क्योंकि यह हमारी अनमोल धरोहर और शक्ति भी है तथा आत्मनिर्भर भारत बनाने की अनमोल कड़ियों में से यह भी एक है जिसके आधार पर हमें आत्मनिर्भर भारत में अनमोल सहयोग व ताकत प्राप्त होगी। साथियों बात अगर हम हमारी भाषाई विविधता की करें तो हर भारतीय भाषा का गौरवशाली अनमोल इतिहास, समृद्धि, साहित्य भाषा योग्यता है जो हमारी शक्ति है और अनेकता में एकता की भाषा की मिठास से वैश्विक स्तरपर भारतीय साहित्य के साथ-साथ भारत की प्रतिष्ठा भी बड़ी है। साथियों बात अगर हम उपरोक्त भाषाई ख़ज़ाने को रेखांकित करने के महत्व की करें तो भारतीय बौद्धिक क्षमता विश्व प्रसिद्ध है और 135 करोड़ जनसंख्यकीय तंत्र में हर व्यक्ति के पास अपने ढंग की एक विशेष कला है जो उसे उनके भाषाई इतिहास,साहित्य, पूर्वजों से मिली है जिसका उपयोग करने के लिए उनके पास उचित और पर्याप्त प्लेटफार्म नहीं है और अगर है भी तो सभी के लिए नहीं है कुछ ही लोगों के लिए है जिसे हमें रेखांकित कर उनके लिए अपना कौशल दिखाने विश्वविद्यालय स्तरपर ग्रामीण क्षेत्रों में भाषाई विविधता के कड़ियों को जोड़ने एक अभियान चलाना होगा और उस कौशल को बाहर निकालकर हमें तराशना होगा और आत्मनिर्भर भारत में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। साथियों बात अगर हम भाषाई विविधता को एक माला में पिरोने की करें तो इसमें राजभाषा हिंदी को एक सखी के रूप में प्रयोग करना होगा और हमारी भाषाई विविधता को हमारी शक्ति बनाना होगा। साथियों बात अगर हम माननीय पूर्व उपराष्ट्रपति द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी कहा कि हर भारतीय भाषा का गौरवशाली इतिहास है, समृद्ध साहित्य है, हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे देश में भाषाई विविधता है। हमारी भाषाई विविधता हमारी शक्ति है क्योंकि हमारी भाषाएं हमारी सांस्कृतिक एकता को अभिव्यक्त करती हैं। इस संदर्भ में उन्होंने युवा छात्रों से संप्रदाय, जन्म, क्षेत्र, लैंगिक विभेद, भाषा आदि भेदभावों से ऊपर उठकर देश की एकता को मजबूत करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि एक सभ्य समाज से यही अपेक्षित है कि उसकी भाषा सौम्य, सुसंस्कृत और सृजनशील हो। उन्होंने विश्वविद्यालयों से अपेक्षा की कि वे यह संस्कार डालें कि साहित्य लेखन से समाज में सभ्य संवाद समृद्ध हो, ना कि विवाद पैदा हो। हम अपनी अभिव्यक्ति की आज़ादी को भाषा की मर्यादा और समाज के अनुशासन में रह कर प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि विदेशों में फैले प्रवासी भारतीय समुदाय तथा विश्व के अन्य हिंदी भाषी देशों को, मातृभूमि भारत से जोड़े रखने में हमारी भारतीय भाषाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस संदर्भ में उन्होंने विश्वविद्यालयों से आग्रह किया कि वे हिंदी भाषी देशों और प्रवासी भारतीय समुदाय के लेखकों की साहित्यिक कृतियों को अपने बौद्धिक विमर्श में शामिल करें। हमारी भाषाई विविधता को देश की शक्ति बताते हुए, उन्होंने इस विविधता में एकता के सूत्र को मजबूत करने का आग्रह किया और कहाकि इसके लिए ज़रूरीहै कि भाषाओं में आपस में संवाद बढ़े। उन्होंने कहा कि इस कार्य में विश्वविद्यालयों के भाषा विभागों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

खास बात

मोदी और नीतीश की हंसी उनके गले में फंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को बिहार के दौरे पर थे वहां पर उन्होंने हजारों करोड रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया इसी बीच दिल्ली में सर्वदलीय बैठक पहलगाम की घटना को लेकर हो रही थी विभिन्न राज्यों में पर्यटकों के शव पहुंचे थे कुछ की अंत्येष्टि हो रही थी और कुछ की होने वाली थी। प्रधानमंत्री सर्वदलीय बैठक छोड़कर बिहार गए थे मंच पर मोदी और नीतीश कुमार जिस तरह से हंस रहे थे उसका फोटो वायरल होने के बाद देशभर में चर्चा का विषय बन गया है सारे देश में गुस्से की लहर थी शोक का वातावरण था लेकिन प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री हंसी ठिठोली कर रहे हैं। इसकी बिहार के साथ-साथ पूरे देश भर में बड़ी खराब प्रतिक्रिया हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को बिहार के दौरे पर थे। वहां पर उन्होंने हजारों करोड रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। दिल्ली में सर्वदलीय बैठक पहलगाम की घटना को लेकर हो रही थी। जिसमें प्रधानमंत्री उपस्थित नहीं हुए। विभिन्न राज्यों में पर्यटकों के शव पहुंचे थे। कुछ की अंत्येष्टि हो रही थी, कुछ की होने वाली थी। प्रधानमंत्री सर्वदलीय बैठक छोड़कर बिहार गए थे। मंच पर मोदी और नीतीश कुमार जिस तरह से हंस रहे थे। उसका फोटो वायरल होने के बाद देशभर में फोटो चर्चा का विषय बन गया। सारे देश में गुस्से की लहर थी। शोक का वातावरण था। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री हंसी ठिठोली कर रहे थे। बिहार के साथ-साथ पूरे देश भर में इस हंसी ठिठोली की बड़ी खराब प्रतिक्रिया हुई है।

सुब्रमण्यम स्वामी ने मोदी शाह का इस्तीफा मांगा

कश्मीर घाटी में इतना बड़ा हमला पर्यटकों के ऊपर हुआ है। दो दर्जन से अधिक पर्यटकों की मौत हुई है। इस घटना में राजनीतिक दलों ने प्रधानमंत्री या गृहमंत्री का इस्तीफा नहीं मांगा। इस्तीफा मांगा है, तो भाजपा के पूर्व सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने मांगा है। जो भाजपा के ही सदस्य हैं। सुब्रमण्यम स्वामी ने इस पूरी घटना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को जिम्मेदार माना है। उनसे इस्तीफा की मांग की है। उन्होंने यह भी कह दिया, पाकिस्तान, चीन और अमेरिका के साथ मोदी का अंडर हेंड समझौता है। जिसके कारण यह आतंकवादी घटनाएं हो रही हैं।

सिंधु जल संधि और पाकिस्तान के पानी को रोकने की धमकी

भारत सरकार ने सिंधु जल संधि को तोड़ने का निर्णय लिया है। भारत ने यह भी कहा है, भारत-पाकिस्तान को पानी नहीं देगा। इस कार्रवाई को लेकर सरकार के ऊपर निशान साधा जा रहा है। भारत यदि सिंधु नदी का पानी रोकेगा, तो भारत में जल प्लावन की स्थिति बन जाएगी। जो भारत के लिए मुसीबत खड़ा करेगी। भारत सरकार इसके पहले भी दो बार पाकिस्तान का जल रोकने की बात कह चुकी है। लेकिन भारत की यह धमकी हमेशा हवा हवाई होती है। भारत सरकार चाहकर भी पानी को नहीं रोक सकती है। यह बात पाकिस्तान भी जानता है, भारत सरकार भी जानती है। इसे बंदर घुड़की के अलावा और कुछ नहीं माना जाना चाहिए।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, वैशाख शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथि प्रतिपदा, सोमवासरे, भरणी नक्षत्रे, आद्र योगे, कितुघ्न करणे, मेष की चंद्रमा, जातकर्म, नामाकरण, अन्नप्रासन्न, दुरागमन देव प्रतिष्ठा जलखनन मुर्हूत, अन्नप्रासन्न तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक दार्शनिक, सुन्दर, सुशील, कोमल हृदय वाला, धनी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, सोना-चांदी का व्यापारी, उत्तम वृत्ति वाला, धनीमानी-भोगी, योगी होगा।

मेष राशि- हर्ष, यात्रा, राजसुख, सफलता, गृहकलह, हानि तथा मानसिक अशांति अवश्य रहेगी।

वृष राशि- विरोध, व्यय, कष्ट, अशांति तथा भ्रम, शिक्षा-लेखन कार्य में सफलता मिलेगी।

मिथुन राशि- व्यापार में क्षति, यात्रा, विवाद, उद्योग-व्यापार की स्थिति लाभ-हानि की रहेगी।

कर्क राशि- शरीर मध्यम, भूमि व राजभय, लाभ, सफलता का दिन साबित होगा, ध्यान रखें।

सिंह राशि- वाहन, राजभय, कष्ट, यात्रा शुभ होगी, कार्य में व्यय होगा, ध्यान दें।

कन्या राशि- व्यय, प्रवास, विरोध, भूमि का लाभ होगा, शुभ कार्य में व्यवस्था बनेगी।

तुला राशि- रोगभय, मातृसुख, यात्रा, व्यापार में सुधार होगा, रुके कार्य बन जायेंगे।

वृश्चिक राशि- कार्य-सिद्धी, लाभ, विरोध, भूमि-लाभ, राजकार्य में बाधा, व्यवस्था न बनेगी।

धनु राशि- लाभ कार्य में रुचि, यश, हर्ष, यात्रा उत्तम, शिक्षा जगत की स्थिति सामान्य रहेगी।

मकर राशि- विरोधियों से व्यापार में हानि, शरीर-कष्ट, धार्मिक कार्य हो, अच्छे कार्य बनेंगे।

कुंभ राशि- लाभ-हानि की स्थिति, व्यय, प्रभाव-प्रतिष्ठा, रोगभय, विरोधी असफल अवश्य होंगे।

मीन राशि- राजभय, चोट, राज कार्य में विलम्ब से परेशानी होगी, ध्यान दें।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

28 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

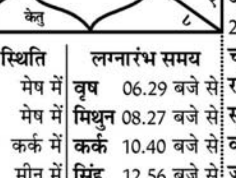

सोमवार 2025 वर्ष का 118 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1946
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि प्रतिपदा 21.11 बजे को समाप्त।
नक्षत्र भरणी 21.38 बजे को समाप्त।
योग आयुष्मान 20.02 बजे को समाप्त।
करण किस्तुघ्न 11.06 बजे तदनन्तर बव 21.11 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 0.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 14° 10'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872328
जूलियन दिन 2460793.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सव्वाल
तारीख 29
विशेष चंददर्शन।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.29 बजे से
चंद्र	मेष में	मिथुन	08.27 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	10.40 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	12.56 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	15.08 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	17.19 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.34 ब.से
राहु	मीन में	धनु	21.50 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	23.55 बजे से
राहुकाल		कुंभ	01.41 बजे से
7.30 से 9.00		मीन	03.14 बजे से
बजे तक		मेष	04.45 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

कोयल की तरह ही चातक देती है दूसरों के घोंसलों में अंडे

माथे पर किलंगी और काले सफ़ेद पंख चातक पक्षी की खासियत होते हैं। प्राचीन साहित्य में चातक का यह विवरण उसके पारिस्थितिकी व्यवहार से काफी मेल खाते हैं। यह मौसम इसका प्रजनन काल भी है। प्रजनन के इस समय में नर दिनभर तरह तरह की कोकिल ध्वनियों से लगातार मादा को आकर्षित करने की कोशिश करते हैं। इस मौसम की शुरुआत में ये पक्षी उत्तर भारत के विभिन्न क्षेत्रों में प्रवास करते हैं।

हल्के नीले रंग के होते हैं अंडे

कोयल की तरह चातक पक्षी भी अन्य पक्षियों के घोंसलों में अपने अंडे देती है। जून से अगस्त तक चलने वाले प्रजनन काल की शुरुआत में मादाएं मेज़बान पक्षियों के घोंसलों की तलाश में रहती हैं। इन चातक के अंडे भी गैगई पक्षी के अंडों के समान हल्के, नीले रंग व छोटे आकार के होते है। गैगई, जिन्हें 7-10 के झुंड में घूमने के कारण लोक भाषा में सातभाई या बहन भी कहा जाता है, चातक के बहुत ही चहेते होते हैं। मादा चातक अक्सर अंडे देते वक्त मेजबान के अंडों को क्षतिग्रस्त कर देती हैं। पंखों के विकास होने तक गैगई अपने व चातक के चूजों में भेद नहीं कर पाती और सबका भरण-पोषण समान रूप से करती हैं।

भारत में होती हैं दो प्रजातियां

भारत में चातक की दो विशिष्ट उप प्रजातियां पाई जाती हैं। एक क्लैमेटर जैकोबिनस जैकोबिनस और दूसरी उत्तर भारत से आने वाली उप-प्रजाति क्लैमेटर जैकोबिनस पिका होती है। इनका मुख्य भोजन कीट-पतंगे होते हैं, लेकिन कभी कभी फलों को भी खूब चाव से खाते हैं।

प्यासा मर जाएगा पर इधर-उधर का पानी नहीं पीता चातक

धरती पर मौजूद हर जीव को जिंदा रहने के लिए दाना-पानी तो चाहिए ही. कीड़े-मकोड़ो की बात नहीं कर रहा. कम से कम इंसानों, पशु-पक्षियों वगैरह के लिए तो हवा के बाद दूसरी सबसे जरूरी चीज है पानी. खाने के बगैर तो इंसान कुछ दिन जिंदा रह सकता है लेकिन पानी के बगैर तो प्यार से ही मर जाएगा. पक्षियों के साथ भी ऐसा ही है. लेकिन आज हम एक ऐसे पक्षी के बारे में बात करने जा रहे हैं, जो प्यास के मारे मर जाएगा, लेकिन इधर-उधर का पानी पीना इसे मंजूर नहीं! आप सोच रहे होंगे, ये भला कैसा पागलपन है... लेकिन इस पक्षी की तो यही कहानी है. गर्मियों में अक्सर हम पशुओं के लिए छतों पर और आंगन में किसी बर्तन में पानी रख देते हैं. तमाम पक्षी आकर वे पानी पी लेंगे, लेकिन चातक पक्षी प्यासा होने के बावजूद ऐसा नहीं करेगा. चातक पक्षी केवल बारिश का ही पानी ही पिया करता है. यह चिड़िया किसी झील, तालाब, नदी वगैरह का पानी नहीं पीती है. भले ही वह प्यासा ही मर क्यों न जाए, लेकिन यह बारिश के अलावा कोई पानी नहीं पीती. चातक पक्षी, केवल बारिश के पानी से ही अपनी प्यास बुझाता है. ऐसा कहा जाता है कि यह पक्षी बहुत प्यासा है और इसे बिल्कुल साफ पानी के झील में भी छोड़ दिया जाए, तो भी यह पानी नहीं पिएगा. इस स्थिति में पानी पीने के लिए ये अपनी चोंच भी नहीं खोलेगा. बारिश के अलावा यह किसी भी दूसरे सोर्स से पानी नहीं पीता है. चातक कीटभक्षी पक्षी होता है. कीट-फतंगों के अलावा इसे फल खाते भी देखा गया है. चातक पक्षी की एक अलग बात ये भी है कि ये दूसरे पक्षियों के घोसले में अपने अंडे दिया करते हैं. ये पक्षी बुलबुल ओर बब्बलर जैसे पक्षियों के घोंसले में अपने अंडे देते हैं. चातक पक्षी मुख्य तौर पर एशिया और अफ्रीका महाद्वीप का पक्षी है. बात करें भारत की तो ये पक्षी उत्तराखंड में पाया जाता है. गढ़वाल में इसे चातक की बजाय चोली बुलाया जाता है. इसे मारवाड़ी/राजस्थानी में मघवा और पपिया भी कहा जाता है.

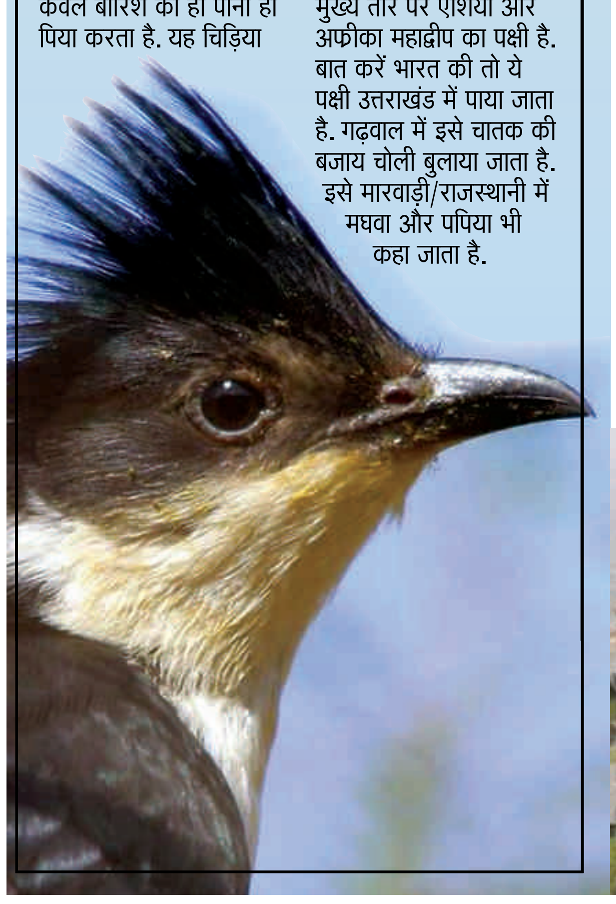

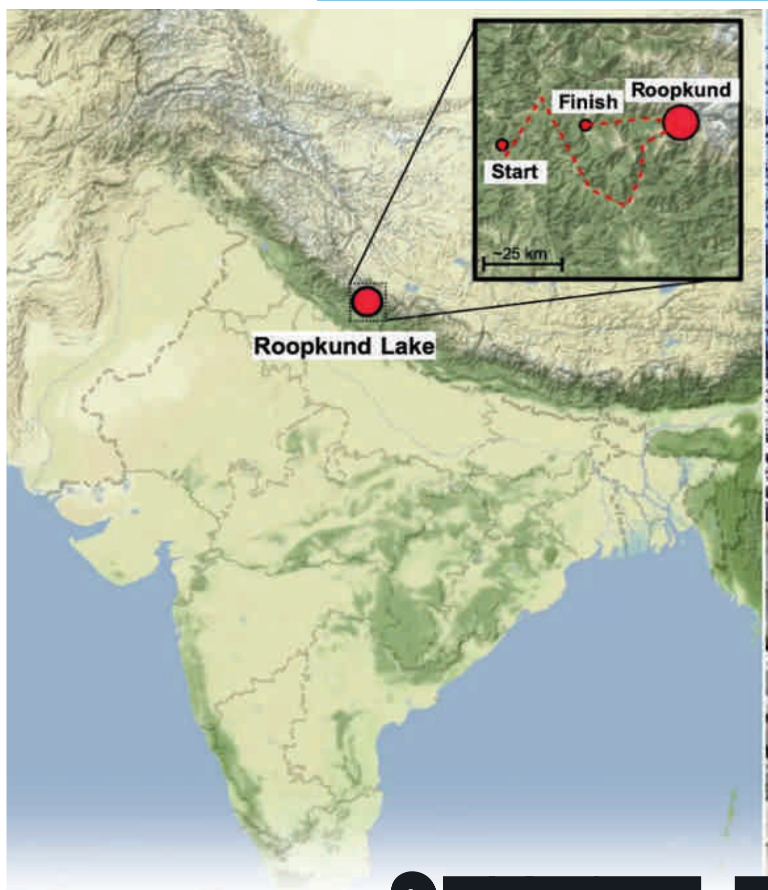

भारत की कंकालों वाली झील का रहस्य

भारत के हिस्से में आने वाले हिमालयी क्षेत्र में बर्फीली चोटियों के बीच स्थित रूपकुंड झील में एक अरसे से इंसानी हड्डियां बिखरी हैं. रूपकुंड झील समुद्रतल से क़रीब 16,500 फीट यानी 5,029 मीटर की ऊंचाई पर मौजूद है. ये झील हिमालय की तीन चोटियों, जिन्हें त्रिशूल जैसी दिखने के कारण त्रिशूल के नाम से जाना जाता है, के बीच स्थित है.त्रिशूल को भारत की सबसे ऊंची पर्वत चोटियों में गिना जाता है जो कि उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में स्थित हैं.

आधी सदी से अनसुलझी है पहेली रूपकुंड झील को कंकालों की झील कहा जाता है. यहां इंसानी हड्डियां जहां-तहां बर्फ़ में दबी हुई हैं. साल 1942 में एक ब्रिटिश फॉरेस्ट रेंजर ने गश्त के दौरान इस झील की खोज की थी. तकरीबन आधी सदी से मानवविज्ञानी और वैज्ञानिक इन कंकालों का अध्ययन कर रहे हैं. वहीं, बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आते हैं और ये झील उनकी जिज्ञासा का कारण बनी हुई है. साल के ज़्यादातर वक़्त तक इस झील का पानी जमा रहता है, लेकिन मौसम के हिसाब से यह झील आकार में घटती - बढ़ती रहती है. जब झील पर जमी बर्फ़ पिघल जाती है तब ये इंसानी कंकाल दिखाई देने लगते हैं. कई बार तो इन हड्डियों के साथ पूरे इंसानी अंग भी होते हैं जैसे कि शरीर को अच्छी तरह से संरक्षित किया गया हो. अब तक यहां 600 से 800 लोगों के कंकाल पाए गए हैं. पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखंड की सरकार इसे रहस्यमयी झील के तौर पर बताती है.

कंकालों वाली झील

गुज़री आधी सदी से ज्यादा वर्षों से वैज्ञानिकों ने इस झील में पड़े कंकालों का अध्ययन किया है और कई अनसुलझी पहेलियों को सुलझाने की कोशिश की है. उनके सामने कई सवाल थे. मसलन, ये कंकाल किन लोगों के हैं? इन लोगों की मौत कैसे हुई? ये लोग कहां से यहां आए थे? इन मानव कंकालों को लेकर एक पुरानी कहानी यह बताई जाती है कि ये कंकाल एक भारतीय राजा, उनकी पत्नी और उनके सेवकों के हैं. 870 साल पहले ये सभी लोग एक बर्फ़ीले तूफ़ान का शिकार हो गए थे और यहीं दफ़न हो गए थे.

कंकालों को लेकर कई थ्योरी

एक अन्य थ्योरी के मुताबिक़, इनमें से कुछ कंकाल भारतीय सैनिकों के हैं जो कि 1841 में तिब्बत पर कब्ज़ा करने की कोशिश कर रहे थे और जिन्हें हराकर भगा दिया गया था. इनमें से 70 से ज्यादा सैनिकों को हिमालय की पहाड़ियों से होते हुए वापस लौटना पड़ा और रास्ते में उनकी मौत हो गई. एक अन्य कहानी के अनुसार माना जाता है कि यह एक कब्रगाह हो सकती है जहां किसी महामारी के शिकार लोगों को दफ़नाया गया होगा. इस इलाक़े के गांवों में एक प्रचलित लोकगीत गाया जाता है. इसमें बताया जाता है कि कैसे यहां पूजी जाने वाली नंदा देवी ने एक 'लोहे जैसा सख़्त तूफ़ान' खड़ा किया जिसके कारण झील पार करने वालों की मौत हो गई और वे यहीं झील में समा गए.

महिलाओं के कंकाल भी मौजूद

कंकालों को लेकर किए गए शुरुआती अध्ययनों से पता चला है कि यहां मरने वाले अधिकतर लोगों की ऊंचाई सामान्य से अधिक थी. इनमें से ज़्यादातर मध्यम आयुवर्ग के थे जिनकी उम्र 35 से 40 साल के बीच रही होगी. इनमें उम्रदराज़ महिलाओं के भी कंकाल हैं लेकिन बच्चों का कोई भी कंकाल नहीं है. इन सभी का स्वास्थ्य अच्छा रहा होगा. साथ ही आमतौर पर ये माना जाता है कि ये कंकाल एक ही समूह के लोगों के हैं जो कि नौवीं सदी के दौरान किसी अचानक आई किसी आपदा के दौरान मारे गए थे. पांच साल तक चले एक हालिया अध्ययन में कहा गया है कि ये सभी कयास शायद सच नहीं हैं. इस अध्ययन में भारत समेत जर्मनी और अमेरिका के 16 संस्थानों के 28 सह-लेखक शामिल रहे हैं. वैज्ञानिकों ने जेनेटिक रूप से और कार्बन डेटिंग के आधार पर झील में मिले 38 इंसानी अवशेषों का अध्ययन किया. इनमें 15 महिलाओं के अवशेष शामिल हैं. इनमें से कुछ 1,200 साल पहले के हैं. अध्ययनकर्ताओं ने पाया है कि मरे हुए लोग जेनेटिक रूप से अलग-अलग हैं और उनकी मौतों के बीच में 1,000 साल तक का अंतर है. अध्ययन की मुख्य लेखिका ईडेओइन हार्ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में पीएचडी की छात्र हैं. वे कहती हैं, इससे वे थ्योरी ख़ारिज हो गईं जिनमें कहा गया था कि किसी एक तूफ़ान या आपदा में ये सभी मौतें हुई हैं. वे कहती हैं, अभी भी यह साफ नहीं है कि रूपकुंड झील में आख़िर क्या हुआ था. लेकिन, हम यह बात ज़रूर कह सकते हैं कि ये सभी मौतें किसी एक घटना में नहीं हुई हैं. इससे भी ज़्यादा दिलचस्प यह है कि जेनेटिक स्टडी से पता चला है कि ये लोग अलग-अलग मूल के थे. मसलन, इसमें एक समूह के लोगों के जेनेटिक्स मौजूदा वक्त में दक्षिण एशिया में रहने वाले लोगों जैसे ही हैं, जबकि दूसरे समूह के लोगों के जेनेटिक्स मौजूदा वक्त के यूरोप के लोगों से मिलते-जुलते हैं. ख़ासतौर पर ये यूनान के द्वीप क्रीट में रहने वाले लोगों जैसे हैं. हार्न कहती हैं,

जेनेटिक्स के आधार पर इनमें से कुछ इस उपमहाद्वीप के उत्तरी हिस्से के लोगों से मिलते-जुलते हैं, जबकि, अन्य दक्षिण हिस्से में बसे समूहों से मिलते-जुलते हैं.

तो, ऐसे में क्या अलग-अलग समूहों के लोग कुछ सौ वर्षों के अंतराल पर छोटे जत्थों में इस झील के दौरे पर गए थे? क्या इनमें से कुछ किसी एक घटना में मारे गए? यह झील किसी ट्रेड रूट पर नहीं पड़ती है, यानी व्यापार के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रास्तों का हिस्सा नहीं थी. इस जगह पर न तो कई हथियार मिले और न ही व्यापार का कोई सामान ही मिला है. जेनेटिक अध्ययनों से इनमें से किसी में प्राचीन बैक्टीरियल जीवाणु का भी पता नहीं चला, जिससे यह माना जा सके कि किसी ख़ास बीमारी की वजह से ये लोग मारे गए थे.

क्या तीर्थयात्रा पर आए थे लोग?

झील के रास्ते में पड़ने वाले एक तीर्थस्थल से शायद इस बात का स्पष्टीकरण मिलता है कि लोग आखिर इस इलाक़े की यात्रा पर क्यों आए होंगे. अध्ययनों की मानें तो 19वीं सदी के आख़िर तक इस इलाक़े में तीर्थयात्रा के कोई पुख्ता प्रमाण नहीं मिलते हैं. लेकिन, 8वीं और 10वीं सदी के स्थानीय मंदिरों में मिले शिलालेख इशारा करते हैं कि यहां उस दौर में लोग तीर्थयात्रा पर जाया करते थे. ऐसे में वैज्ञानिकों का मानना है कि इस जगह पर कुछ कंकाल उन लोगों के हो सकते हैं जिनकी मौत किसी तीर्थयात्रा के दौरान हुई होगी. लेकिन, पूर्वी भूमध्यसागरीय इलाक़े के लोग भारत के हिमालय की इन ऊंची पहाड़ियों पर मौजूद झील पर क्या करने गए थे? इस बात की उम्मीद कम जान पड़ती है कि यूरोप के लोग इतना लंबा सफर तय करके एक हिंदू तीर्थ यात्रा में हिस्सा लेने के लिए रूपकुंड पहुंचे होंगे. तो क्या ये हो सकता है कि पूर्वी भूमध्यसागरीय पूर्वजों की जेनेटिक रूप से अलग आबादी पीढ़ियों से इस इलाके में रह रही हो? हार्ने कहती हैं, हम अभी भी इन सब सवालों का जवाब ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं.

नर कंकालों से भरा है पानी, होती हैं कई रहस्यमयी घटनाएं

सोचिए आप पहाड़ों के बीच किसी सुंदर झील घूमने के लिए गए हैं और अचानक आपको वहां पर कई सारे नर कंकाल दिख जाएं तो क्या करेंगे आप? हिमालय की रूपकुंड झील की कहानी कुछ ऐसी ही है। साल 1942 में यहां पर ब्रिटिश के फॉरेस्ट गार्ड को सैकड़ों नर कंकाल मिले थे। इस दौरान झील पूरी तरह मानवों के कंकाल और हड्डियों से भरी थी। इतने सारे कंकालों और हड्डियों को देख ऐसा आभास होता था कि शायद पहले यहां पर जरूर कुछ न कुछ बहुत बुरा हुआ था। शुरुआत में इसे देख कई लोगों ने यह कयास लगाया कि हो न हो यह सभी नर कंकाल जापानी सैनिकों के होंगे, जो द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारत में ब्रिटेन पर आक्रमण करने के लिए हिमालय के रास्ते घुसते वक्त मर गए होंगे। उस वक्त जापानी आक्रमण के भय से ब्रिटिश सरकार ने फौरन इन नर कंकालों की जांच के लिए एक वैज्ञानिकों की टीम को बुलाया। जांच के बाद पता चला कि ये कंकाल जापानी सैनिकों के नहीं थे, बल्कि ये नर कंकाल तो और भी ज्यादा पुराने हैं। इसके बाद समय समय पर इन कंकालों का परीक्षण होता रहा। इन परीक्षणों के आधार पर वैज्ञानिकों के मत अलग-अलग सामने निकलकर आए। कई वैज्ञानिकों का कहना है कि वर्षों पहले यहां पर कई लोगों की मृत्यु हिमस्खलन के चलते हुई तो दूसरे वैज्ञानिकों का कहना है कि इन लोगों की मौत किसी महामारी के कारण हुई। रूपकुंड झील में नर कंकाल क्यों है? और कैसे हैं? इस पर वैज्ञानिकों का मत एकसमान नहीं है।

हालांकि 2004 में हुए एक अध्ययन ने रूपकुंड झील से जुड़े कई चौंकाने वाले खुलासे किए। इस अध्ययन के जरिए यह पता चला कि ये कंकाल 12वीं से 15वीं सदी के बीच के थे। डीएनए जांच के बाद कई नई चीजें सामने निकलकर आईं। यह भी पता चला कि इन कंकालों का संबंध अलग-अलग भौगोलिक जगहों से था। अंत में वैज्ञानिकों ने बताया कि काफी समय पहले इन लोगों की मृत्यु किसी भारी गेंद जैसे आकार की चीजों का सिर पे गिरने से हुई थी।

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि हिमालय पर्वत पर रहने वाली महिलाओं के एक प्रसिद्ध लोकगीत में एक माता का वर्णन आता है। लोकगीत के मुताबिक ये देवी माता बाहर से आए लोगों पर गुस्सा करती थीं, जो यहां आकर पहाड़ की सुंदरता में खलल डालते थे। इसी गुस्से में उन्होंने भारी भरकम ओलों की बारिश करवाई, जिसके कारण कई लोगों की जानें गईं थी। गौरतलब बात है कि 2004 में हुए रिसर्च में यही बात सामने निकल कर आई थी कि अचानक हुई भयंकर ओलावृष्टि से इन लोगों की जानें गई होंगी।

वहीं आज भी इस रूपकुंड झील के कई रहस्य झील के भीतर ही दफन हैं। झील में प्रवेश करने पर सख्त प्रतिबंध है। लोगों का कहना है कि यहां पर अक्सर कई सारी रहस्यमय घटनाएं होती हैं।

इस रहस्यमयी मंदिर में जाने के नाम से ही थरथर कांपने लगते हैं लोग

पूजा-पाठ और भूत प्रेत से छुटकारा पाने के लिए लोग मंदिर जाते हैं लेकिन हमारे देश में एक ऐसा मंदिर है जिसमें जाने से लोग कतराते हैं. कहा जाता है कि मंदिर के अंदर जाने पर भूतों और पिशाचों को डरने लगता है. **लेकिन यह मंदिर ऐसा है जहां जाने से** उल्टा लोग ही डर जाते हैं. दरअसल, हिमाचल प्रदेश के चंबा में एक छोटे से कस्बे भरमोर में एक मंदिर है. ये मंदिर देखने में तो काफी छोटा है, लेकिन इसकी ख्याति दूर-दूर तक फैली हुई है. इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि लोग इस मंदिर के अंदर जाने की गलती कभी नहीं करते हैं. और भक्त मंदिर के बाहर से ही प्रार्थना कर चले जाते हैं. दरअसल, यह मंदिर मृत्यु के देवता यमराज का है. यही वजह है कि लोग इस मंदिर के पास जाने से भी डरते हैं. यह दुनिया का एकमात्र ऐसा मंदिर है जो यमराज को समर्पित है. लोगों का कहना है कि इस मंदिर को यमराज के लिए ही बनाया गया था. इसलिए इसके अंदर उनके अलावा और कोई भी प्रवेश नहीं कर सकता है. गांव के लोगों का कहना है कि इस मंदिर में चित्रगुप्त के लिए भी एक कमरा बनाया गया है, जिसमें वो इंसानों के अच्छे-बुरे कामों का लेखा-जोखा एक किताब में रखते हैं. ऐसा माना जाता है कि, मनुष्यों की मृत्यु के बाद, पृथ्वी पर उनके द्वारा किए गये कार्यों के आधार पर उनके लिए स्वर्ग या नर्क का निर्णय लेने का अधिकार चित्रगुप्त के ही पास है. यानि भगवान चित्रगुप्त ही मृत्यु के बाद इंसान के स्वर्ग या नरक में जाने का निर्णय लेते हैं. कहा जाता है कि इस मंदिर के अंदर चार छिपे हुए दरवाजे हैं जो कि सोने, चांदी, तांबे और लोहे के बने हुए हैं. माना जाता है कि जो लोग ज्यादा पाप करते हैं, उनकी आत्मा लोहे के गेट से अंदर जाती है और जिसने पुण्य किया हो, उसकी आत्मा सोने के गेट के अंदर जाती है.

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल 2025:कॉर्बिन बॉश ने मुंबई के लिए किया डेब्यू

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का 45वां मैच रविवार को मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच खेला जा रहा है। मैच में लखनऊ की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया है। मुंबई की टीम बल्लेबाजी कर रही है। इस मैच में मुंबई इंडियंस की तरफ से साउथ अफ्रीका के ऑलराउंडर कॉर्बिन बॉश ने आईपीएल में डेब्यू किया है। मुंबई इंडियंस ने अनोखे अंदाज में सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, फ़बिग बॉश (कॉर्बिन बॉश) चाहते हैं आप उनका एमआई डेब्यू जरूर देखें। कॉर्बिन बॉश को मुंबई इंडियंस ने मेगा ऑक्शन में नहीं खरीदा था। वह चोटिल तेज गेंदबाज लिजाद विलियम्स की जगह मुंबई की टीम में रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम शामिल हुए थे। साउथ अफ्रीका के इस स्टार क्रिकेटर ने 86 टी20 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 81 के हाइएस्ट स्कोर के साथ 663 रन बनाएं हैं और 59 विकेट लिए हैं।

भारतीय महिला हॉकी टीम पर्थ में ऑस्ट्रेलिया ए से 2-3 से हारी

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम ने रविवार को पर्थ हॉकी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया दौरे के अपने दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ़ दृढ़ निश्चयी और धैर्यपूर्ण प्रदर्शन किया, लेकिन 2-3 से हार गई। ज्योति सिंह (13वें मिनट) के गोल से भारत ने बढ़त बनाई, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया ए ने एवी स्टैंसबी (17वें मिनट), डेल डोल्केंस (48वें मिनट) और जेमी-ली सुरहा (52वें मिनट) के गोल की मदद से वापसी की। भारत का दूसरा गोल सुनीता टोप्पो (59वें मिनट) ने किया। भारतीय महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया ए की तुलना में तेजी से शुरुआत की। अपने आक्रमण में शानदार नियंत्रण दिखाया। शुरुआती दबाव मेजबानों पर था, क्योंकि भारत ने तेजी से आक्रमण किया। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया ए ने अपनी स्थिति बनाए रखी और भारतीय महिला हॉकी टीम को कड़ी मेहनत करनी पड़ी। अंतत: भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर के अंतिम चरण में एक पीसी जीता और ज्योति सिंह ने 13वें मिनट में बिना समय गंवाए अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। ऑस्ट्रेलिया ए ने दूसरे क्वार्टर में वापसी की और उन्हें पेनाल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे एवी स्टैंसबी ने 17वें मिनट में गोल में बदल दिया। हाफ-टाइम ब्रेक तक दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर थीं। ब्रेक के बाद, ऑस्ट्रेलिया ए और भारतीय महिला हॉकी टीम दोनों ही दूसरे गोल के लिए प्रयासरत थीं, जिसके परिणामस्वरूप दोनों छोर पर हमलों की झड़ी लग गई। क्वार्टर के शुरुआती चरणों में ऑस्ट्रेलिया ए ने सबसे ज़्यादा हमले किए, जबकि भारतीय महिला हॉकी टीम ने जवाबी हमला किया और तीसरे क्वार्टर को मजबूती से समाप्त किया। दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर थीं। अंतिम क्वार्टर की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया ए ने बढ़त बना ली, क्योंकि डेल डोल्केंस ने मेजबान टीम के लिए 48वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-1 कर दिया।

कोपा डेल रे फाइनल

बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को 3-2 से हराया कोंडे ने एक्स्ट्रा टाइम में किया विजयी गोल

सेविले ■ एजेंसी

बार्सिलोना के डिफेंडर जूल्स कोंडे ने शनिवार को सेविले में खेले गए रोमांचक कोपा डेल रे के फाइनल में अतिरिक्त समय में गोल दागकर अपनी टीम को रियल मैड्रिड पर 3-2 की शानदार जीत दिलाई। इस जीत के साथ बार्सिलोना ने रिकॉर्ड 32वां स्पेनिश कप अपने नाम किया। ला कार्तूजा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पेड्री (28वें मिनट) ने बार्सिलोना को बढ़त दिलाई। लेकिन दूसरे हाफ में सात मिनट के भीतर किलियन एम्बाप्पे (70वें मिनट) और ऑरेलियन चूअमेनी (77वें मिनट) के गोल से रियल मैड्रिड ने मैच में वापसी कर ली। फिर 84वें मिनट में फेरान टोरेस ने गोल कर मैच को अतिरिक्त समय में पहुंचाया। अंततः जूल्स कोंडे ने निर्णायक गोल दागकर बार्सिलोना को ऐतिहासिक जीत दिलाई।

रियल मैड्रिड के खिलाड़ियों का बर्ताव रहा विवादों में

मैच के अंतिम क्षणों में रियल मैड्रिड के डिफेंडर एंटोनियो रुडिगर को रेफरी की ओर वस्तु फेंकने के कारण लाल कार्ड दिखाया गया। वहीं लुकास वाज़्क्वेज़ भी विरोध करने पर बाहर कर दिए गए। रियल कोच कार्लो एंसेलोटी ने मैच के बाद रेफरी पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। रियल मैड्रिड ने एम्बाप्पे को शुरुआती एकादश में नहीं रखा था, लेकिन चोट से उबरने के बाद वह दूसरे हाफ में मैदान पर उतरे और 70वें मिनट में शानदार फ्री-किक से स्कोर बराबर किया। इसके बाद चूअमेनी ने हेडर से मैड्रिड को बढ़त दिलाई। बार्सिलोना के लिए युवा विंगर लामिन यमाल ने भी शानदार प्रदर्शन किया और टोरेस को बराबरी का गोल करने में मदद की। अतिरिक्त समय में बार्सिलोना ने दबदबा बनाए रखा। अंततः लुका मोड्रिच की गलती का फायदा उठाते हुए कोंडे ने दूर से शक्तिशाली शॉट लगाया और बार्सिलोना को विजयी बना दिया।

डब्ल्यूटीटी कंटेंडर ट्यूनिशिया 2025: मानुष शाह और दीया चितले ने जीता मिक्स्ड डबल्स का खिताब

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों मानुष शाह और दीया चितले ने शनिवार को ट्यूनिशिया में खेले गए डब्ल्यूटीटी कंटेंडर 2025 टूर्नामेंट में मिक्स्ड डबल्स खिताब अपने नाम किया। फाइनल में इस भारतीय जोड़ी ने जापान के सोरा मात्सुशिमा और मिवा हरिमोटो को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराया।

भारतीय जोड़ी ने फाइनल में 11-9, 5-11, 14-12, 3-11, 11-6 से जीत दर्ज की। सेमीफाइनल में मानुष और दीया ने ट्यूनिशियाई-मिस्र की जोड़ी वसीम एस्सिद और हना गोडावेरे को सीधे गेमों में हराते हुए फाइनल में प्रवेश किया था।

पुरुष डबल्स में भी मानुष का शानदार प्रदर्शन - मानुष ने मनव ठक्कर के साथ पुरुष डबल्स के सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। हालांकि, सेमीफाइनल में उन्हें जर्मनी के बेनेडिक्ट डूडा और आंद्रे बर्टेल्समायर के खिलाफ 11-8, 7-11, 11-8, 9-11, 10-12 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी एक समय मैच प्वाइंट पर थी, लेकिन निर्णायक गेम में बढ़त को बरकरार नहीं रख सकी।

दीया चितले और हरमीत देसाई का एकल सफर रहा चुनौतीपूर्ण - महिला एकल में दीया चितले का सफर प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड ऑफ 16) में खत्म हो गया। उन्हें जर्मनी की साबिने विंटर ने 11-8, 6-11, 7-11, 9-11 से हराया। इससे पहले दिया ने राउंड ऑफ 32 में भारत की टॉप खिलाड़ी मनिका बत्रा को हराकर सनसनी मचाई थी। पुरुष एकल में हरमीत देसाई भी राउंड ऑफ 16 में हार गए। उन्हें जापान के छठी वरीयता प्राप्त हिरोटो शिनोजुका ने 11-9, 9-11, 8-11, 1-11 से मात दी।

ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग ने न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर को किया रोशन

गुरुग्राम (हरियाणा) ■ एजेंसी

ग्लोबल इंडियन-प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) भारत और दुनिया भर में लोकप्रियता हासिल कर रही है। रविवार को न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित टाइम्स स्क्वायर पर एक डिजिटल कैंपेन के जरिए भारत के पारंपरिक खेल कबड्डी को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया गया।

यह ऐतिहासिक कदम भारतीय कबड्डी के लिए एक बड़ी छलांग साबित हुआ, जिसने न केवल इस खेल की वैश्विक अपील को उजागर किया, बल्कि लीग के सीमाओं से परे दर्शकों से जुड़ने के प्रयासों को भी रेखांकित किया। टाइम्स स्क्वायर पर कबड्डी की यह भव्य उपस्थिति भारत के स्वदेशी खेल की दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल मंचों में से एक पर शानदार प्रस्तुति का प्रतीक बनी।

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी जीआई-पीकेएल में अपने अनुभव का आनंद ले रहे हैं, जो दुनिया भर में कबड्डी की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है।

केन्या की आइरीन एटिएनो ओटिएनो, जो जीआई-पीकेएल में हरियाणवी ईगल्स टीम का हिस्सा हैं, ने कहा, मेरा अनुभव बहुत सीखने वाला रहा है, क्योंकि मुझे लगा था कि मैं कबड्डी के सभी नियम जानती हूं। लेकिन यहां आकर मुझे एक और अधिक पेशेवर तरीके से कबड्डी खेलना सीखने को मिला। मैं बहुत विनम्र महसूस कर रही हूं।

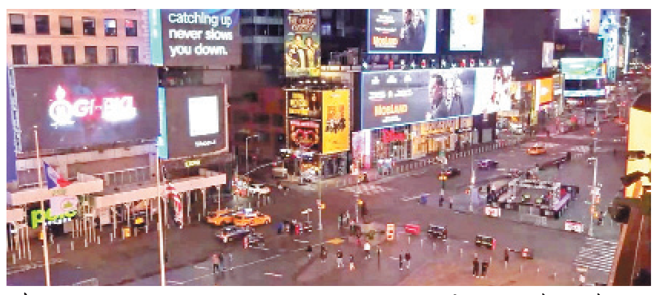

हंगरी की जीता कोर्बर ने कहा, मैं इस अनुभव का बहुत आनंद ले रही हूं। मेरे देश (हंगरी) के लोग मानते हैं कि मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि जीआई-पीकेएल में खेल रही हूं, और वे पूरे टूर्नामेंट के दौरान मेरा समर्थन कर रहे हैं।

जीआई-पीकेएल के प्रति प्रतिक्रिया पर बात करते हुए होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी स्पोर्ट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष कांति डी. सुरेश ने कहा, टाइम्स स्क्वायर पर कबड्डी को देखना हम सभी के लिए गर्व का क्षण है। यह हमारे इस विश्वास को और मजबूत करता है कि कबड्डी अब वैश्विक मंच के लिए तैयार है। हम बेहद रोमांचित हैं कि दुनिया हमारे खेल को इतने उत्साह के साथ अपना रही है।

इस महीने की शुरुआत में, जीआई-पीकेएल के आगाज से पहले दिल्ली-एनसीआर, बरेली, लखनऊ, देहरादून, गोरखपुर, हैदराबाद और मुंबई जैसे प्रमुख शहरों में 30 से अधिक प्रमुख होर्डिंग्स लगाए गए थे, जिसने ग्लोबल इंडियन-प्रवासी कबड्डी लीग के लिए एक भव्य दृश्य प्रस्तुत किया।

इस बीच, लीग अब अपने निर्णायक चरण की ओर बढ़ रही है, जहां पंजाबी टाइगर्स, मराठी वल्चर्स, तमिल लायंस और भोजपुरी लेपर्ड्स ने शनिवार को गुरुग्राम विश्वविद्यालय में पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है।

पहला सेमीफाइनल सोमवार को शाम 7 बजे मराठी वल्चर्स और पंजाबी टाइगर्स के बीच खेला जाएगा, जबकि दूसरा सेमीफाइनल तमिल लायंस और भोजपुरी लेपर्ड्स के बीच होगा।

व्यापार

संक्षिप्त समाचार

ट्रेड वॉर के बीच एप्पल की बदली रणनीति से चीन को लगा बड़ा झटका

नई दिल्ली। अमेरिका और चीन के बीच चल रहे व्यापारिक तनाव (ट्रेड वॉर) के बीच एप्पल ने अपनी रणनीति में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। कंपनी ने योजना बनाई है कि अगले साल तक अमेरिका में बिकने वाले तमाम आईफोन भारत में ही बनाए जाएं। यह कदम चीन से आयात पर बढ़े हुए टैरिफ और व्यापारिक तनाव को देखते हुए उठाया गया है। एप्पल कंपनी वर्तमान में चीन और भारत दोनों ही जगह आईफोन का उत्पादन करवा रही है, लेकिन चीन से आयात महंगा होने के कारण अब कंपनी भारत में अपने उत्पादन को बढ़ा रही है। कंपनी के प्रमुख कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर्स, जैसे फॉक्सकॉन, बेंगलुरु में अपने प्लांट की क्षमता को बढ़ा रहे हैं। फॉक्सकॉन का नया प्लांट इस महीने के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है, जिसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता 20 मिलियन आईफोन तक हो सकती है। सूत्रों के अनुसार, यदि यह रणनीति सफल होती है, तो 2026 तक भारत में सालाना आईफोन उत्पादन 60 मिलियन यूनिट तक पहुंच सकता है, जो वर्तमान उत्पादन का लगभग दोगुना होगा। एप्पल की ग्लोबल बिक्री में अमेरिका का हिस्सा लगभग 28 प्रतिशत है, इसलिए यह कदम कंपनी की लॉजिस्टिक्स रणनीति और प्रॉफिट मार्जिन पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। एप्पल का यह कदम व्यापारिक रणनीति में महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है, जो न केवल भारत को एक प्रमुख मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित कर सकता है, बल्कि चीन के प्रति कंपनी की निर्भरता को भी कम कर सकता है।

भारतीय मादक पेय पदार्थों के लिए वैश्विक बाजारों में काफी मौके : अभिषेक देव

नई दिल्ली। एपीडा (एग्रीकल्चर एंड प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी) के चेयरमैन अभिषेक देव ने इस संभावनाओं पर जोर दिया है और कहा कि भारतीय मादक पेय पदार्थों के लिए वैश्विक बाजारों में काफी मौके हैं। भारत में बनने वाली शराब की दुनियाभर में मांग तेजी से बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है, और इसका निर्यात 37 करोड़ डॉलर से बढ़कर 2030 तक एक अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। उन्होंने बताया कि भारत के पास जिन, बीयर, वाइन और रम जैसे उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद मौजूद हैं, जिनकी मांग वैश्विक स्तर पर बढ़ रही है। देव ने भारतीय मादक पेय कंपनियों के परिसंघ (सीआईएबीसी) द्वारा आयोजित एल्कोबेव इंडिया सम्मेलन में कहा, हमारे पास विभिन्न प्रकार के जिन, बीयर, वाइन और रम जैसे अच्छे उत्पाद हैं, जिनकी निर्यात संभावनाएं बहुत अधिक हैं। उन्होंने उद्योग को यह भी सलाह दी कि वे निर्यात को बढ़ावा देने के लिए नए बाजारों की तलाश करें और घरेलू बाजार से संतुष्ट न रहें। एपीडा के चेयरमैन ने यह भी बताया कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच जैविक उत्पादों के लिए आपसी मान्यता समझौता फाइनल होने के करीब है, और इसमें जैविक वाइन भी शामिल है।

अश्विनी वैष्णव ने इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण बनाने वाली कंपनियों को सरकार की प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाने की दी सलाह

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाने वाली कंपनियों को सरकार की प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाने के लिए डिजायन टीम बनानी होगी और अपने उत्पादों की गुणवत्ता को उच्चतम स्तर तक पहुंचाना होगा।

मंत्री ने यह भी कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स कल-पुर्जों की विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के तहत कंपनियों की मंजूरी देने से पहले इन दोनों कारकों पर ध्यान दिया जाएगा, हालांकि इसे औपचारिक मानदंड के रूप में नहीं रखा जाएगा। वैष्णव ने कहा, मैं इस योजना में भाग लेने वाली हर कंपनी से डिजायन टीम बनाने का अनुरोध करता हूं। हालांकि, इसे औपचारिक मानदंड नहीं बनाया गया है, यह एक अनौपचारिक मानदंड के रूप में देखा जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ कंपनियों ने अपनी डिजायन टीम में 5,000 इंजीनियर शामिल किए हैं।

मंत्री ने स्पष्ट किया, यदि आपके पास डिजायन टीम नहीं है और आप सभी आवश्यक मापदंडों को पूरा कर रहे हैं, तब भी हम आपको मंजूरी नहीं देंगे। डिजायन टीम बनानी ही होगी।

इसके साथ ही मंत्री ने उत्पादों की गुणवत्ता पर भी जोर दिया। उन्होंने कंपनियों से आग्रह किया कि वे सिक्स सिग्मा गुणवत्ता स्तर हासिल करें, जो उच्चतम गुणवत्ता और दक्षता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा, सिक्स सिग्मा से कम कुछ भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम केवल विनिर्माण की मात्रा पर नहीं, बल्कि उत्पादों की गुणवत्ता पर भी आपकी प्रगति का मूल्यांकन करेंगे।

सिक्स सग्मा से आशय

सिक्स सिग्मा से आशय है एक ऐसी गुणवत्ता प्रक्रिया, जिसका उद्देश्य त्रुटियों को न्यूनतम करना, विविधताओं को दूर करना और गुणवत्ता एवं दक्षता को बढ़ाना है। मंत्री अश्विनी वैष्णव का यह बयान कंपनियों को यह संदेश देता है कि सिर्फ मापदंडों को पूरा करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उच्च गुणवत्ता और बेहतर डिजायन प्रक्रिया पर भी ध्यान देना आवश्यक होगा, यदि वे सरकार की प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाना चाहती हैं।

संसद के मानसून सत्र में बीमा संशोधन विधेयक पेश करने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार संसद के आगामी मानसून सत्र में बीमा संशोधन विधेयक पेश करने की तैयारी में है। इस विधेयक का उद्देश्य बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा को मौजूदा 74 फीसदी से बढ़ाकर 100 फीसदी करना है। बीमा में ये बढ़ी हुई सीमा उन कंपनियों के लिए होगी, जो भारत में पूरा प्रीमियम निवेश करती हैं। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को दी जानकारी में बताया कि सरकार बीमा संशोधन विधेयक को संसद के आगामी मानसून सत्र में पेश कर सकती है। प्रस्तावित विधेयक में बीमा क्षेत्र में 100 फीसदी एफडीआई का प्रस्ताव है। इस विधेयक का मसौदा तैयार है, जिसे जल्द ही मंजूरी के लिए मंत्रिमंडल के सामने रखा जाएगा। जानकारी के मुताबिक वित्त मंत्रालय को उम्मीद है कि आगामी मानसून सत्र के दौरान इस विधेयक को संसद में पेश किया जाएगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद वित्त मंत्रालय के तहत वित्तीय सेवा विभाग इस विधेयक को संसद में पेश करने की प्रक्रिया शुरू करेगा। संसद का मानसून सत्र आमतौर पर जुलाई में शुरू होता है। उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस साल के केंद्रीय बजट भाषण में बीमा क्षेत्र में विदेशी निवेश की सीमा मौजूदा 74 फीसदी से बढ़ाकर 100 फीसदी करने का प्रस्ताव रखा था। वित्त मंत्रालय ने बीमा अधिनियम, 1938 के विभिन्न प्रावधानों में संशोधन करने का प्रस्ताव दिया है, जिसमें बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को बढ़ाकर 100 फीसदी करना, चुकता पूंजी में कमी और समग्र लाइसेंस का प्रावधान शामिल है।

महिंद्रा कर रही है एसएमएल इसुजु लिमिटेड का टेकओवर, हिस्सेदारी खरीदने का किया ऐलान

नई दिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने एसएमएल इसुजु लिमिटेड में 58.96 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने का ऐलान किया है। महिंद्रा एंड महिंद्रा इस डील के तहत 650 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से कुल 555 करोड़ रुपये खर्च करेगी। इसके अतिरिक्त, महिंद्रा एंड महिंद्रा, सेबी के नियमों के अनुसार, टेकओवर के लिए ओपन ऑफर भी लाएगी। यह जानकारी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने शनिवार को साझा की है। महिंद्रा एंड महिंद्रा, एसएमएल इसुजु लिमिटेड के प्रमोटर सुमितोमो कॉर्पोरेशन से 43.96 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी, जबकि 15 प्रतिशत हिस्सेदारी कंपनी के सार्वजनिक शेयरधारकों से खरीदी जाएगी। इसके बाद, महिंद्रा को 26 प्रतिशत और हिस्सा खरीदने के लिए ओपन ऑफर लाना होगा, जो सेबी के नियमों के अनुसार आवश्यक है। यह अधिग्रहण महिंद्रा एंड महिंद्रा की 3.5 टन कॉमर्शियल सेगमेंट में स्थिति को और मजबूत करेगा। वर्तमान में महिंद्रा का इस सेगमेंट में 3 प्रतिशत हिस्सा है। 3.5 टन एलसीवी (लाइट कॉमर्सियल व्हीकल) सेगमेंट में महिंद्रा की हिस्सेदारी 52 प्रतिशत है, और इस अधिग्रहण के बाद उनका मार्केट शेयर 6 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा। एसएमएल इसुजु लिमिटेड एक स्थापित और लोकप्रिय ब्रांड है और भारत भर में इसकी मजबूत पकड़ बनी हुई है। कंपनी आइएलसीवी (इंटरमीडिएट एंड लाइट कॉमर्सियल व्हीकल) सेगमेंट में प्रमुख खिलाड़ी है और बस सेगमेंट में इसका 16 प्रतिशत का बाजार हिस्सा है। वित्त वर्ष 2024 में, एसएमएल इसुजु लिमिटेड का ऑपरेटिंग रेवेन्यू 2,196 करोड़ रुपये था, जबकि इसका इबीआईटीडीए 179 करोड़ रुपये रहा था। यह अधिग्रहण महिंद्रा एंड महिंद्रा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो उसकी कॉमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में स्थिति को और मजबूत करेगा। महिंद्रा का यह कदम भारतीय ऑटोमोटिव बाजार में अपनी हिस्सेदारी को बढ़ाने और अपनी प्रतिस्पर्धा को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हो सकता है।

साप्ताहिक शेयर समीक्षा : उतार-चढ़ाव के बावजूद मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

घरेलू शेयर बाजार पिछले सप्ताह के दौरान उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद ओवरऑल मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। 21 से 25 अप्रैल तक के कारोबारी सप्ताह के पहले तीन दिन के कारोबार में शेयर बाजार मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा, जबकि आखिरी दो दिन के कारोबार में गिरावट का शिकार हो गया।

इस सप्ताह सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार के बाद सेंसेक्स साप्ताहिक आधार पर 659.33 अंक यानी 0.83 प्रतिशत की मजबूती के साथ 79,212.53 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी ने 187.70 अंक यानी 0.78 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,039.35 अंक के स्तर पर पिछले सप्ताह के कारोबार का अंत किया। माना जा रहा है कि भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ को लेकर जारी वार्ता के सकारात्मक संकेत, विदेशी निवेशकों की खरीदारी, पहलगाम हमले के बाद बनी तनाव की स्थिति और कंपनियों के मिले-जुले तिमाही नतीजों के कारण घरेलू शेयर बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रही। पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान बीएसई का लार्जकैप इंडेक्स 0.62 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल कंपनियों में टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजी, वारी एनर्जिज, एलटी माइंडट्री और डिवीज लेबोरेट्रीज के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर एनटीपीसी ग्रीन, अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन, श्रीराम फाइनेंस, स्विगी, एसबीआई कार्ड और पेमेंट सर्विसेज, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, वरुण बेवरेजेज के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

पाकिस्तान से व्यापार पूरी तरह बंद करेंगे भारतीय व्यापारी : कैट

नई दिल्ली ■ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के कारण भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बहुत बढ़ गया है। इस तनाव के बीच भारत के व्यापारियों ने पाकिस्तान के साथ व्यापार न करने का कड़ा निर्णय लिया है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने सर्वसम्मति से पाकिस्तान के साथ हर तरह का व्यापार पूरी तरह से बंद करने का फैसला किया है।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री तथा दिल्ली के चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने रविवार को इसकी जानकारी दी। कारोबारी संगठन कैट की दो दिवसीय राष्ट्रीय गवर्निंग काउंसिल की (25-26 अप्रैल) बैठक भुवनेश्वर में हुई, जिसमें देशभर के 26 राज्यों के 200 से अधिक प्रमुख व्यापारिक नेताओं ने भाग लिया। इस बैठक में पाकिस्तान से सभी तरह का व्यापार बंद करने का फैसला लिया गया।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री तथा दिल्ली के चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि इस दो दिवसीय बैठक में पारित सर्वसम्मत प्रस्ताव में सभी व्यापारी नेताओं ने एक स्वर से पहलगाम में आतंकी घटना की कड़ी निंदा करते हुए पाकिस्तान के साथ व्यापारिक संबंधों का पूर्ण बहिष्कार करने का आह्वान किया है। इसके पहले वर्ष 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापारिक संबंधी में तल्खी आ गई थी, जिसके बाद दोनों देशों के बीच व्यापार में भारी गिरावट आई थी।

व्यापारियों के इस पैसले से पाकिस्तान को कई बेहद आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई नहीं हो सकेगी। इससे पाक में दवाइयां, रसायन, फल-सब्जियों समेत कई आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता प्रभावित होगी। हालांकि, इस निर्णय के कारण भारत पर भी असर पड़ेगा। क्योंकि नमक एवं आभूषण से लेकर निर्माण क्षेत्र और जूट की अनेक वस्तुएं पाकिस्तान से आयात की जाती हैं, लेकिन इसके बाद भी व्यापारियों ने एकतरफा निर्णय लेते हुए पाकिस्तान से व्यापार बंद करने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि अप्रैल 2024 से जनवरी 2025 के दौरान भारत ने पाकिस्तान को करीब 50 करोड़ डॉलर मूल्य के उत्पादों का निर्यात किया था, जिनमें मुख्य रूप से दवाइयाँ, रसायन, चीनी और ऑटो पार्ट्स शामिल थे। इसी समयावधि में पाकिस्तान से भारत का आयात मात्र 0.42 मिलियन डॉलर रहा।

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर में प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े 12 उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों और पुलिस ने इंफाल ईस्ट और इंफाल वेस्ट जिलों में अलग-अलग अभियानों में 12 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। संयुक्त राष्ट्रीय मुक्ति मोर्चा (पाम्बेई धड़ा) के चार कैडर और एक सहयोगी वांगखई थांगपट मापन से पकड़े गए हैं। पुलिस मुख्यालय के बयान के अनुसार गिरफ्तार आरोपितों की पहचान वांगमयुम अजीजुर रहमना (52), शेख वसीम राजा (30), मो. फारुक खान (19), फुशम अजमीर (24) और खुल्लकपम इबोसाना (44) के रूप में हुई है। ये सभी जबरन वसूली और स्थानीय लोगों को डराने-धमकाने में शामिल थे। आरोपितों के पास से जिंदा कारतूस, मोबाइल फोन और एक चार पहिया वाहन बरामद किया गया। इबोसाना, उग्रवादियों और आम नागरिकों के बीच दलाल की भूमिका निभाता था। एक अन्य अभियान में प्रीपाक (प्रो) कैडर तखेल्लंबम मइपकसाना सिंह (29) को इंफाल सिटी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट गेट के पास से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से दो मोबाइल फोन और एक आधार कार्ड बरामद हुआ। वह बामोन लेकाई स्थित एक गैस एजेंसी को बंद कराने की घटना में भी शामिल था। पूछताछ में उसने प्रीपाक (प्रो) के कमांडर के आदेश पर काम करना स्वीकार किया।

सहकारी घोटाले की आरोपी सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस की सांसद माया गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल पुलिस की केन्द्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) ने सहकारी घोटाले के एक मामले में आरोपित सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस की सांसद माया राई को बीती रात गिरफ्तार कर लिया। रविवार को संसद को इसकी औपचारिक जानकारी दी गई है। सीआईबी ने काठमांडू में स्वर्ण लक्ष्मी सहकारी बैंक में हुए 265 करोड़ रूपये के घोटाले में सांसद राई की संलग्नता की पुष्टि होने के बाद उन्हें गिरफ्तार किए जाने का दावा किया है। बीती रात को उनके निवास से ही क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। एसपी रमेश बस्नेत ने बताया कि आठ महीने से फरार की सूची में रही नेपाल कांग्रेस की सांसद माया राई को गिरफ्तार कर इसकी जानकारी संसद सचिवालय को दे दी गई है। रविवार को सदन की बैठक शुरू होते ही स्पीकर देवराज घिमिरे ने पुलिस द्वारा सांसद राई को गिरफ्तार किए जाने की औपचारिक जानकारी दी। फिलहाल गिरफ्तार सांसद राई को जिला अदालत काठमांडू में पेश कर उनसे पूछताछ करने के लिए आठ दिनों की कस्टडी मांगी थी जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया है। अदालत में इस संबंध में चार्जशीट दायर होने के बाद से ही सांसद राई की गिरफ्तारी के लिए अरेस्ट वारंट जारी किया गया था।

ट्रंप का बयान अतिश्योक्तिपूर्ण, 15 सौ साल से चल रहा भारत-पाक सीमा विवाद

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव में अमेरिका की किसी भूमिका से इंकार किया है। ट्रंप ने कहा कि दोनों देश इस मसले को किसी न किसी तरह सुलझा लेंगे। ट्रंप पहले अपने कार्यकाल में भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता की पेशकश कर चुके हैं, लेकिन अब ट्रंप से पूछा कि क्या वे इस मुद्दे पर चिंतित हैं और क्या वे दोनों देशों के नेताओं से बात करने वाले हैं, तब उन्होंने इस बार मध्यस्थता की पेशकश नहीं की। रोम में वे पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे। ट्रंप ने मजाकिया अंदाज में कहा कि भारत-पाकिस्तान सीमा पर तनाव 1500 साल से चल रहा है। हालांकि, यह ऐतिहासिक रूप से अतिशयोक्ति है। भारत हमेशा से अपनी सीमा विवादों में बाहरी मध्यस्थता के खिलाफ रहा है, चाहे वह पाकिस्तान के साथ हो या चीन के साथ। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने कई बार मध्यस्थता की मांग की है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि इस बार पाकिस्तान ने कोई हस्तक्षेप मांगा है। ट्रंप की पहली पेशकश तत्कालीन पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान के सार्वजनिक अनुरोध के बाद आई थी, लेकिन भारत ने ठुकरा दिया था। ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में भी भारत-चीन सीमा विवाद में मध्यस्थता की पेशकश की थी।

नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र ने की पहलगाम आतंकी हमले की निंदा, व्यक्त कीं संवेदना

काठमांडू। पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि हिन्दू तीर्थयात्रियों को निशाना बना कर एक नेपाली नागरिक सहित 28 लोगों की मौत पर अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। शनिवार को पूर्व राजा ने हमले पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमला मानवता और हिन्दू समुदाय के खिलाफ एक अक्षम्य और जघन्य अपराध है। हम इस त्रासदी की कितनी भी कड़ी निंदा करें, यह कभी भी नुकसान की भयावहता को व्यक्त करने के लिए पर्याप्त नहीं होगा। उन्होंने सनातन वैदिक हिन्दुओं की मूल मान्यता वसुधैव कुटुम्बकम के सिद्धांत का हवाला देते हुए कहा कि यह विचार कि दुनिया एक परिवार है।

समावेशिता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हमारी समृद्ध विरासत है: उपराष्ट्रपति

कोयंबटूर ■ एजेंसी

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि भारत विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यता है, एक शांतिप्रिय देश है, जहां समावेशिता और अभिव्यक्ति एवं विचार की स्वतंत्रता हमारी विरासत है।

तमिलनाडु के कोयंबटूर में तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय में विविधतापूर्ण भारत के लिए कृषि शिक्षा, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा विषयक सभा को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि यदि हम हजारों वर्षों के इतिहास पर नजर डालें तो पाएंगे कि हमारी सभ्यता में समावेशिता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बढ़ी है, फली-फूली है और उसका सम्मान किया गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान युग में अभिव्यक्ति और समावेशिता की बहुलता

और प्रवणता विश्व में सबसे अधिक है।

चारों ओर देखिए, भारत जैसा कोई अन्य देश नहीं है जो समावेशिता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रदर्शन कर सकता है। इस महान देश के नागरिक के रूप में- सबसे बड़े लोकतंत्र, सबसे पुराने लोकतंत्र, सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र - हमें बहुत सावधान, सचेत रहना चाहिए और यह समझना चाहिए कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और समावेशिता हमारी राष्ट्रीय परिसंपत्ति बननी चाहिए। कृषि क्षेत्र के बारे में उपराष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि हमें खाद्य सुरक्षा से आगे बढ़कर किसानों की समृद्धि की ओर बढ़ना होगा। किसान समृद्ध होना चाहिए और यह विकास तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों से निकलना चाहिए।

उन्होंने बताया कि किसानों को कृषि भूमि से बाहर आकर अपने उत्पादों के विपणन में भाग लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों को सिर्फ उत्पादक होने के बारे में नहीं भूलना चाहिए। इसका मतलब है कि वे कड़ी मेहनत और अथक परिश्रम से फसल उगाते हैं और उसे सही समय पर बाजार में बेचते हैं, जबकि उन्हें उसका मालिकाना हक नहीं होता। इससे आर्थिक दृष्टि से बहुत लाभ नहीं होता।

उन्होंने किसानों को शिक्षित करके उन्हें सशक्त बनाने का आह्वान किया तथा उन्हें यह बताया कि सरकार की सहकारी प्रणाली बहुत मजबूत है।

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि, तमिलनाडु सरकार के मानव संसाधन प्रबंधन मंत्री एन कयालविजी सेल्वराज, कृषि उत्पादन आयुक्त और सरकारी सचिव वी दक्षिणामूर्ति, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय अनुसंधान निदेशक डॉ एम रविंद्रन, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार और कार्यवाहक कुलपति डॉ आर तमीज वेंडन और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

वाटर स्ट्राइक का असर : झेलम में आई बाढ़, चिनाब में सूखा

मुजफ्फराबाद में अचानक आई बाढ़, इमरजेंसी की घोषित

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा उठाए गए कदमों का अब पाकिस्तान में असर दिखने लगा है। भारत की और से बह रही झेलम नदी का पानी छोड़ने पर पाकिस्तान में बाढ़ आ गई। पाक के मुजफ्फराबाद जिले के आसपास जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। बेकाबू हालत देखते हुए यहां इमरजेंसी लगा दी गई है, जबकि नदी किनारे रहने वाले लोगों में दहशत है। भारत के अनंतनाग से होकर पाकिस्तान के चखोटी इलाके में पानी तेजी से बह रहा है। पाकिस्तान ने इस बाढ़ के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि पाकिस्तान को बिना सूचित किए ही झेलम नदी का पानी छोड़ दिया, जिससे बाढ़ जैसे हालात बन गए। वहीं भारत द्वारा चिनाब नदी का पानी रोके जाने से पाकिस्तान में बहने वाली चिनाब नदी का जल स्तर तेजी से घट रहा है। यह नदी लगभग सूख सी गई है। चिनाब ऐसी नदी है जो कश्मीर से बहकर पाकिस्तान की ओर जाती है और इससे पाकिस्तान को पानी मिलता है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनातनी चल रही है। भारत की तरफ से नदियों के पानी को रोकने का ऐलान किया गया था। अब पाकिस्तानी मीडिया में दावा किया गया है कि भारत ने अचानक झेलम नदी में पानी छोड़ दिया। भारत द्वारा पीओके में झेलम का पानी भरने के बाद पाकिस्तान ने मुजफ्फराबाद में आपातकाल घोषित कर दिया है। रिपोर्ट में भारत पर आरोप लगाया गया है कि भारत ने पाकिस्तानी अधिकारियों को खबर दिए बिना अचानक झेलम नदी में पानी छोड़ दिया।

पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, पानी छोड़ने की वजह से मुजफ्फराबाद के पास जल स्तर में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई। स्थानीय प्रशासन ने इसके जवाब में हट्टियन बाला में जल आपातकाल लगा दिया है। मस्जिदों में ऐलान करते हुए स्थानीय लोगों को चेतावनी भी दी गई। पानी उत्तरी कश्मीर के बारामुल्ला जिले से घुसा और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के चकोठी इलाके से होकर ऊपर उठा। यह तब हुआ जब भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया।

पुतिन ने जताई युद्ध की आशंका... रूस में अलर्ट

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने सबसे पहले हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा था कि भारत पाकिस्तान के खिलाफ जो भी कार्रवाई करेगा हम उसके साथ हैं। इस बीच पुतिन ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की आशंका गहरा गई है। युद्ध हुआ तो पाकिस्तान को इसका खामियाजा भुगतना होगा। उन्होंने युद्ध की आशंका के चलते अपने देश में अलर्ट घोषित कर दिया है।

भारत में भी बंकरों की होने लगी सफाई

आतंकी हमले के बाद पूरा देश अलर्ट मोड पर है। जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले ग्रामीणों ने पुराने बंकरों की सफाई शुरू कर दी है। उनमें युद्ध को लेकर दहशत है। कुछ लोग यहां से पलायन भी करने लगे हैं। वहीं नौसेना ने आज लांग टर्म मिसाइल का सफल परीक्षण करते हुए कहा कि हमारी सेना युद्ध के लिए तैयार है, हम आदेश का इंतजार कर रहे हैं और इस बार पाकिस्तान को कड़ा सबक सिखाया जाएगा।

अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन

पुलिस ने वडोदरा से 300 संदिग्धों को पकड़ा

वडोदरा ■ एजेंसी

राज्य के अहमदाबाद और सूरत के बाद अब अन्य शहरों में बांग्लादेश के अवैध घुसपैठियों को पकड़ने का सिलसिला रविवार को भी जारी रहा। वडोदरा शहर के पूर्व क्षेत्र एकतानगर में पुलिस की 10 टीम ने सर्च ऑपरेशन कर 300 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। इसमें 200 पुरुषों के वैरिफिकेशन के लिए थाने ले जाया गया है। इस क्षेत्र में देश के विभिन्न राज्यों से आकर लोग बसे हैं।

सर्च ऑपरेशन में बापोद सिटी पुलिस समेत डीसीबी, एसीपी, ज्वॉइंट पुलिस आयुक्त स्थल पर मौजूद थे। जानकारी के अनुसार 26 अप्रैल की देर रात अहमदाबाद-हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन जब वडोदरा रेलवे स्टेशन पर पहुंची तो इसकी जांच में 5 बांग्लादेशी नागरिक मिले थे। इसमें पति-पत्नी और दो बच्चों समेत एक अन्य व्यक्ति शामिल है। रेलवे पुलिस ने इनकी जांच की तो इनके बांग्लादेशी होने का सबूत मिला।

इसके बाद इन्हें हिरासत में लेकर थाने लाया गया। ज्वॉइंट पुलिस आयुक्त लीना पाटिल ने बताया कि हाल में जोन-4 बापोद पुलिस स्टेशन क्षेत्र में स्थित एकतानगर में 100 महिलाओं और 200 पुरुषों को डिटेन किया गया है। इसमें 200 पुरुषों को वैरिफिकेशन के लिए थाने लाया गया है।

वडोदरा शहर के पुलिस आयुक्त नरसिम्हा कोमार ने बताया कि इन सभी लोगों के डाक्यूमेंट की जांच, डॉक्यूमेंट की सत्यता और यह डाक्यूमेंट किस तरह बनाए गए हैं, इन सभी की जानकारी जुटाई जा रही है। जानकारी के अनुसार 26 अप्रैल की आधी रात से चले सर्च ऑपरेशन में अहमदाबाद में 890 और सूरत में 134 अवैध बांग्लादेशी पकड़े जा चुके हैं।

पुलिस इन सभी को डिपोर्ट करने की कार्रवाई में जुटी है। इसके अलावा राज्य के अन्य शहरों में भी सर्च ऑपरेशन चला कर बांग्लादेशी घुसपैठियों को पकड़ने की कार्रवाई की जा रही है।

राज्य के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने मामले में गुजरात में रहने वाले अवैध बांग्लादेशियों को दो दिन के भीतर नजदीक के थानों में सरेंडर करने का अल्टीमेटम दे रखा है।

चीन ने रोबोट्स मामले पर जर्मनी और जापान को पीछे छोड़ा, अब साउथ कोरिया और सिंगापुर से होड़

बीजिंग ■ एजेंसी

चीन की राजधानी बीजिंग में पिछले दिनों इंसानों और 21 रोबोट्स के बीच अनोखी हाफ मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया था। यह पहली बार था जब मशीनों ने 21 किलोमीटर करीब 13 मील की दूरी तक इंसानों के साथ दौड़ लगाई। यह इवेंट बीजिंग के दक्षिण-पूर्वी यिझुआंग जिले में हुआ था, जहां चीन की कई बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों का ऑफिस है।

दरअसल रोबोट्स के बीच मैराथन दौड़ कराकर चीन बतलाना चाहता था कि रोबो की दुनिया में वह अकेला बादशाह है। रोबोटिक्स और टेक्नोलॉजी की दुनिया में चीन अपनी तरक्की को दिखा रहा था। चीन की ड्रॉयडअप और नोएटिक्स रोबोटिक्स जैसी कंपनियों के रोबोट्स ने भी इस रेस में हिस्सा लिया। रेस में शामिल कुछ रोबेट्स का साइज 120 सेमी (3.9 फीट) से कम था, जबकि कुछ 1.8 मीटर (5.9 फीट) तक ऊंचे थे।

इस प्रकार देखने में आया है कि चीन ने बीते कुछ सालों में रोबोटिक्स में तेजी से तरक्की करके जर्मनी और जापान को पीछे

छोड़ दिया है। चीन में 2023 तक प्रति 10 हजार कर्मचारियों पर 470 रोबोट थे, यह आंकड़ा जर्मनी के 429 और जापान के 419 से ज्यादा है। अब सिर्फ साउथ कोरिया और सिंगापुर ही रोबोट घनत्व में चीन से आगे हैं। ग्लोबल ह्यूमनॉइड रोबोट मार्केट का साइज 2023 में 2.43 अरब डॉलर (19 हजार करोड़ रुपए) का था, जिसके 2032 तक 66 अरब डॉलर (5 लाख 63 हजार करोड़ रुपए) तक पहुंचने का अनुमान है। ह्यूमनॉइड रोबोट एक प्रकार का रोबोट है, जिसका आकार इंसानी शरीर जैसा होता है। फिलहाल ह्यूमनॉइड रोबोट विकास के शुरुआती स्टेज में है। वहीं भारत का ह्यूमनॉइड रोबोट बाजार 2023 में 42 मिलियन डॉलर (करीब 358 करोड़ रुपए) था, जिसके 2030 तक 149.4 मिलियन डॉलर (करीब 1200 करोड़ रुपए) तक पहुंचने की उम्मीद है।

पहलगाम, बांग्लादेश और मुर्शिदाबाद की घटनाएं मुस्लिम शरीयत के खिलाफ: इंद्रेश

मेवाड़ कॉलेज में अखिल भारतीय अभ्यास वर्ग के दूसरे दिन हुआ सार्थक संवाद

गाजियाबाद ■ एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक डॉ. इंद्रेश कुमार ने कहा कि आतंकवाद मानवता का शत्रु है और हमें एकजुट होकर इसका सामना करना चाहिए। पहलगाम, बांग्लादेश और मुर्शिदाबाद में जो घटनाएं हुई हैं वें इस्लाम की शरीयत में नहीं आते। यह कलंकित और अमानवीय कुकृत्य है। रसूल के पैगाम का उल्लंघन है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक डॉ. इंद्रेश कुमार रविवार को वसुंधरा स्थित मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के ऑडिटोरियम में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। भारतीय सद्भावना मंच की ओर से अखिल भारतीय अभ्यास वर्ग

में सामाजिक समरसता और राष्ट्रहित पर सार्थक संवाद आयोजित किया गया था। डॉ इंद्रेश ने पहलगाम हमले की निंदा की। उन्होंने कहा कि पहलगाम, बांग्लादेश और मुर्शिदाबाद में जो घटनाएं हुई हैं वें इस्लाम की शरीयत में नहीं आती हैं। यह कलंकित और अमानवीय कुकृत्य है। यह घटनाएं रसूल के पैगाम का उल्लंघन करने वाली हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने पिछले आठ सालों में तीन बड़े काम किये। सरकार ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाई, वक़्फ़ कानून में संशोधन हुआ और तीन तलाक खत्म किया। अब ये तीनों मानवतावादी कानून बनाये गए हैं, लेकिन विपक्षी झूठ बोलकर अवाम को भड़का रहे हैं। उन्होंने कहा कि वज़न वाली चीजें साथ नहीं जातीं। केवल सत्कर्म ही हमारे साथ जाता है।

भारत व नेपाल के सीमावर्ती जिलों के अधिकारियों ने की बैठक, सीमा पर चौकसी बरतने व अपराधियों पर अंकुश सहित कई विषयों पर हुई चर्चा

भारत-नेपाल के अधिकारियों ने सीमा को सुरक्षित व अपराधमुक्त बनाने का लिया संकल्प

लखीमपुर खीरी ■ एजेंसी

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव के बीच पड़ोसी देश नेपाल ने बेहतर रिश्तों और सीमा सुरक्षा को लेकर एक पहल शुरू की है। नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्र के अधिकारियों ने भारतीय क्षेत्र के अधिकारियों के बैठक में सीमा पर चौकसी बरतने, अपराधियों पर लगाम लगाने सहित कई विषयों पर चर्चा की।

रविवार को भारत और नेपाल के बीच आपसी विश्वास और सीमा सुरक्षा को और प्रगाढ़ बनाने के उद्देश्य से पलिया में स्थित 39 बटालियन एसएसबी गदनिया में एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक हुई। इस बैठक में दोनों देशों के अधिकारियों ने सुरक्षित और अपराधमुक्त सीमाएं बनाए रखने का साझा संकल्प लिया। बैठक में भारत की ओर से लखीमपुर खीरी जिले के डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी संकल्प शर्मा, वन विभाग तथा एसएसबी के अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं नेपाल की ओर से कैलाली और कंचनपुर अंचल के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि भारत और नेपाल के बीच केवल भौगोलिक सीमाएं नहीं हैं, बल्कि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक रिश्तों की एक गहरी और मजबूत नींव भी है। दोनों देश ऐसे मित्र राष्ट्र हैं, जिनके बीच सीमाएं तो हैं, लेकिन दिलों की दूरियां कभी नहीं रहीं। हमारी साझा सांस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक विरासत हमें जोड़ती है। आज हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस विरासत को सुरक्षित रखते हुए अपनी सीमाओं को भी पूरी तरह सुरक्षित और अपराधमुक्त बनाएं। एसपी संकल्प शर्मा ने कहा कि सीमा सुरक्षा तभी संभव है जब दोनों देशों की एजेंसियां एक-दूसरे के साथ निरंतर संवाद करें, सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान हो और संयुक्त कार्रवाई की प्रभावी प्रणाली विकसित की जाए। हमें तस्करी, मानव तस्करी, अवैध शिकार और अन्य अपराधों पर मिलकर सख्त नियंत्रण करना होगा।

मुंबई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने रविवार को कहा कि देश में स्वास्थ्य उपचार बुनियादी ढांचे के निर्माण पर बड़े पैमाने पर ध्यान दिया जा रहा है, विशेष रूप से इस वर्ष कैंसर के उपचार पर। उन्होंने बताया कि शीघ्र निदान और उपचार के कारण 90 फीसदी कैंसर मरीजों को 30 दिनों के भीतर उपचार शुरू हो गया है, जिसे वैश्विक स्तर पर सराहा गया है। संभाजीनगर जिले के सरकारी कैंसर अस्पताल में रविवार को कैंसर के इलाज के लिए टू बीम यूनिट नामक अत्याधुनिक रेडिएशन थेरेपी प्रणाली का उद्घाटन किया गया। इसी कार्यक्रम को केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा संबोधित कर रहे थे। उन्होंने खुशी व्यक्त की कि 2019 में जिस स्थान पर उन्होंने भूमि पूजन किया था, आज वहां एक भव्य और आधुनिक अस्पताल खड़ा हो गया है। केंद्र सरकार की स्वास्थ्य नीति में शीघ्र निदान, उपचार और रोकथाम पर जोर दिया गया है। इस दिशा में 200 डे केयर सेंटर इस वर्ष स्थापित किए जाएंगे।

भारतीय शिक्षण मंडल का 56 वा स्थापना वर्ष समारोह

भारतीय संस्कृति ही देश की धड़कन है: डॉ. कामिनी जैन

नर्मदापुरम, निप्र। ज्ञान परंपरा का आधार भाषा है और ज्ञान वही शोभा देता है जो उसे देश की संस्कृति से पोषित हो, उक्त उद्गार भारतीय शिक्षण मंडल के 56 वे स्थापना दिवस के अवसर पर शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित भारतीय शिक्षण मंडल के स्थापना दिवस के अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर कामिनी जैन ने व्यक्त किये। कार्यक्रम का प्रारंभ संगठन गीत से हुआ जिसे भोपाल से आए शेखर कराडकर जी ने प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ संतोष व्यास जी, विभाग संयोजक, संस्कृत भारती नर्मदा पुरम, विशिष्ट अतिथि- पंडित अजय दुबे जी, सारस्वत वक्ता डॉक्टर परिमला कुलकर्णी तथा अध्यक्ष डॉक्टर कामिनी जैन द्वारा मां सरस्वती तथा भारत माता के चित्र पर माला पहनाकर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। अतिथियों के सम्मान के पश्चात भारतीय शिक्षण मंडल की सह प्रांत मंत्री प्रीति देवासकर ने ध्येय मंत्र तथा ध्येय वाक्य का वाचन किया एवं भारतीय शिक्षण मंडल का परिचय एवं उसके उद्देश्यों को विस्तार से बताया।

कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता डॉ. संतोष व्यास जी ने अपने उद्गार में कहा कि ज्ञान वही श्रेष्ठ होता हैजिसकी जड़े उस देश की संस्कृति एवं परंपराओं से जुड़ी होती है। ऐसी शिक्षा श्रेष्ठ शिक्षा होती है और इस शिक्षा से जो पीढ़ी तैयार होती है वही देश को आगे ले जाती है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पंडित अजय दुबे जी ने अपने उद्गार में कहा कि संस्कृत संस्कृति समाज और शिक्षा यही किसी भी राष्ट्र के निर्माण के आधार स्तंभ है। आधार जितना मजबूत होगा राष्ट्र उतनी ही तरक्की करेगा। सारस्वत वक्ता डॉ परिमला कुलकर्णी की जो की पीपल्स डेंटल कॉलेज भोपाल की डायरेक्टर एवं डीन है ने अपने उद्?गार में कहा की चिकित्सा विज्ञान की जड़ें सुश्रुत के चिकित्सा शास्त्र से पोषित है इतनी मजबूत जड़ों से जो शास्त्र जुडा हो वह विश्व गुरु होता है। आज हमारे वेद पुराण को ही विश्व ने आधार बनाकर आगे के प्रयोग व आविष्कार किए हैं। अत: यह संस्कृति एवं पुराणों से पोषित शिक्षा ही आज विकसित भारत की शक्ति एवं पूंजी है।

कार्यक्रम के अंत में प्रीति देवासकर द्वारा सभी का आभार प्रदर्शन किया गया। पहलगाम की घटना पर शोक व्यक्त करते हुए 2 मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गई एवं कल्याणमंत्र के साथ के साथ प्रीति देवासकर ने कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की।

धर्मशाला सनातन धर्म और सामाजिक परंपराओं का प्रतीक है: विधायक पाटीदार

खरगोन, निप्र। सामुदायिक भवन, धर्मशालाएं महज एक भवन नही बल्कि सामाजिक सहयोग से तैयार किए गए यह भवन सनातन धर्म, परंपराओं का प्रतीक होती है। यहां होने वाले सामुहिक निर्णयों, विचारों से सकारात्मक बदलाव की जो बयार उठती है वह अन्य लोगों को भी प्रेरित करती है। उक्त विचार विधायक बालकृष्ण पाटीदार ने गोगावां में तंवर समाज की धर्मशाला लोकार्पण समारोह में व्यक्त किए।

विधायक निधि एवं समाज के सहयोग से बनी धर्मशाला के लोकार्पण के दौरान समाजजनों ने आभार जताते हुए विधायक का गर्मजोशी से स्वागत किया। विधायक ने कहा एक संकल्प लेकर समाज की धर्मशाला का निर्माण कार्य आज पूरा हुआ है, यह सब सामुहिक प्रयासों और सामाजिक एकता से हुआ है। यह एकता बनाएं रखें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गरीब से गरीब व्यक्ति के जीवन में सुधार लाने के विजन व पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय दर्शन से प्रेरित होकर सामाजिक न्याय से संपूर्ण विकास की अवधारणा पर चलते हुए प्रदेश में समाज कल्याण के एक नए युग का सूत्रपात किया है। आज हमारे सुधार के संकल्प के परिणाम आ रहे हैं। अब सरकारी सेवाओं व योजनाओं के लाभ घर बैठे मिलने लगे हैं। इस दौरान समाज के महिला- पुरुषों के साथ ही ग्रामीणजन मौजूद थे।

सत्तू अमावस्या पर नर्मदा में स्नान करने उमड़े श्रद्धालु

सेठानी घाट पर लगाई आस्था की डुबकी, पूजन-पाठ कर सत्तू दान किया

नर्मदापुरम, निप्र। देशभर में वैशाख अमावस्या सत्तू अमावस्या मनाई जा रही है। नर्मदापुरम के प्राचीन सेठानी घाट समेत जिलेभर के घाटों पर हजारों श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा में स्नान किया और सत्तू का दान कर पुण्य लाभ लिया। अलसुबह 5 बजे से स्नान का सिलसिला शुरू हुआ। शाम तक स्नान करने का दौर चलता रहेगा। नर्मदापुरम समेत इटारसी, भोपाल, विदिशा, रायसेन, बैतूल सहित दूरदराज क्षेत्रों से आए हजारों श्रद्धालु नर्मदा नदी में स्नान करने पहुंचे है।

प्राचीन सेठानी घाट, कोरी घाट, पर्यटन घाट, विवेकानंद घाट, बांद्रा बांध घाट, सांडिया घाट, बाबरी घाट, आंवली घाट सहित सभी घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। नर्मदा नदी में स्नान कर पूजा-पाठ की जा रही है। इस अमावस्या पर सत्तू दान करने का महत्व है। जिसके चलते श्रद्धालु भी नर्मदा तट पर सत्तू का दान कर रहे हैं।

यही कारण है कि स्नान के बाद कई श्रद्धालुओं ने तट पर बैठे भिक्षुक व परिक्रमा वासियों को सत्तू व अन्य धान्य का वितरण किया।

सत्तू का दान कर किया सेवन

जानकारी के अनुसार, चने की दाल, गेहूं और जौ तीन वस्तुओं को मिलाकर बनने वाले सत्तू का सत्तू अमावस्या पर विशेष महत्व होता है। जिसे गुड़ या शकर के पानी में मिलाकर स्वाद अनुसार लोग खाते हैं।

सत्तू का सेवन गर्मी के दुष्प्रभाव व लू से बचाता है। इससे शरीर में ठंडक पैदा होती है। इससे लम्बे समय तक आपको भूख भी नहीं लगती। सत्तू सेवन से शरीर स्वस्थ रहता है।

इटारसी स्टेशन पर युवक का शव मिला

इटारसी। इटारसी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 के पास डाउन मेन ट्रैक पर एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। घटना शनिवार रात करीब 12ः15 बजे की है। मृतक की उम्र लगभग 35 वर्ष है। वह गेहुंआ रंग का था और उसकी लंबाई 5 फीट 6 इंच थी। उसका चेहरा गोल था और बाल काले थे। मृतक ने कत्थई रंग की टी-शर्ट पहन रखी थी, जिस पर फूल का डिजाइन बना था। साथ ही हरे रंग की लोअर पहने हुए था। प्रारंभिक जांच में ट्रेन से कटने के कारण मौत होना सामने आया है। जीआरपी थाना इटारसी ने मामले में धारा 174 के तहत कार्रवाई की है। मृतक के शव को डॉ. श्याम प्रसाद मुखर्जी सरकारी अस्पताल की मर्चुरी में रखा गया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ग्राम मिसरोद में श्रमदान कर की गई तालाब की सफाई

नर्मदापुरम, निप्र। प्रदेश में नदी, खेत तालाब, पोखर सहित सभी जल स्रोतों के संरक्षण का कार्य चल रहा है। सभी जिलों में जनप्रतिनिधि और प्रभारी मंत्री अपने-अपने स्तर पर 90 दिन तक चलने वाले इस अभियान का हिस्सा बन रहे हैं और अपना योगदान दे रहे हैं। जल संरक्षण के इसी क्रम में आज मिसरोद में तालाब की साफ सफाई का कार्य स्?थानीय विधायक प्रेमशंकर वर्मा की सहभागिता सहित श्रमदान कर किया गया। श्रमदान कार्यक्रम में विधायक प्रेमशंकर वर्मा, एसडीएम नीता कोरी, जनपद अध्यक्ष भूपेन्द्र चौकसे, जनपद पंचायत के सीईओ हेमंत सूत्रकार, तहसीलदार सुनील गढवाल, जनपद सदस्य मदन मोहन गुबरेले, विधायक प्रतिनिधि

राजेश गौर, किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष योगेन्द्र राजपूत, सरपंच राजकुमारी घासीराम पंवार, उपसरपंच सुनील गौर, जनपद पंचायत से उपयंत्री तरूण डिगरसे, पंचायत समन्वयक अधिकारी छोटीबाई ठाकुर, सचिव चंदू रघुवंशी, सहायक सचिव अभिषेक गौर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

पहलगांव में पर्यटकों की निर्मम हत्या पर वाल्मीकि समाज ने श्रद्धाजंलि दी

नर्मदापुरम, निप्र। पहलगांव में मासूम हिंदू पर्यटकों की निर्मम हत्या पर जिला वाल्मीकि समाज नर्मदापुरम ने रविवार को श्रध्दाजंलि दी है। वाल्मीकि समाज के पटेल रामदास बडगूजा ने बताया जिला वाल्मीकि समाज की ओर से सातरास्ता पर एकत्रित हुए और सभी ने दो मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि दी, और भारत सरकार से यह अपेक्षा की नरेंद्र मोदी सरकार बहुत जल्दी आतंकवादियों को कठोर सजा देगी।

श्रद्धांजलि सभा में वाल्मीकि समाज रामदास बडगूजा जिला पटेल जीवनलाल कटारिया, जिला चौधरी संजू रेवाराम लुटारे जिला जमीदार, ओमप्रकाश बडगूजर, उमेश बडगूजर ,दीपक चौहान, मनोज मैंना, महेश वोहित ,वकील साहब ,अरविंद बडगूजर, नीरज नरिया , ओमकार कलसिया, सोनू राठौर, भगवान दास बडगूजर, राहुल सारवन ,आशीष गुर्जर ,राकेश मैंना, शुभम बडगूजर, एवं अनेक सामाजिक बधु उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज के अखिल भारतीय परिचय सम्मेलन में

510 लड़कियों व 630 लड़कों ने दिया मंच से परिचय

इटारसी, निप्र। अग्रवाल समाज इटारसी द्वारा तरुण अग्रवाल मंडल के तत्वाधान में आयोजित सातवें अखिल भारतीय अग्रवाल युवक-युवती निशुल्क परिचय सम्मेलन रविवार को इटारसी के द पार्क रिसोर्ट में सुबह 11 बजे से शुरू हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, विशिष्ट अतिथि के रूप में विपिन अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और परिचय पुस्तिका का विमोचन किया। कार्यक्रम की प्रासांगिकता पर पूर्व मंडल अध्यक्ष चंद्रकांत अग्रवाल ने प्रकाश डाला। स्वागत उद्बोधन स्वागताध्यक्ष गुलाबचंद अग्रवाल ने दिया। अध्यक्षीय भाषण मंडल अध्यक्ष

सुरेश गोयल ने दिया। परिचय सम्मेलन संयोजक राजेश आर बी अग्रवाल ने कार्यक्रम पर विस्तार से प्रकाश डाला। अतिथि उद्बोधन में सम्मेलन में देश भर से आए कुल 1500 अग्र बंधुओं, महिलाओं ने भाग लिया। करीब 200 युवतियों व युवकों ने मंच से अपना परिचय देते हुए अपने भावी जीवन साथी के रूप में अपनी प्राथमिकताएं बताईं। कई युवतियों ने एकल परिवार और मल्टीनेशनल कंपनियों में नौकरी पेशा को प्राथमिकता दी तो कुछ युवतियों ने बिजनेसमैन युवकों को अपनी पहली पसंद बताया। तो वही युवकों ने अपना परिचय देते हुए अपने भावी जीवन साथी के रूप में जॉब बाली लड़की के साथ घरेलू लड़की को भी अपनी पसंद के रूप में बताया। युवतियों ने अपनी पंसद के बारे में बताया कि उनका जीवन साथी ऐसा हो जो उनकी केयर करें। उनका परिवार के सदस्यों को पूरा मान सम्मान दें।

कार्यक्रम में विशेष सहयोग दीपक हरिनारायण अग्रवाल, पंकज गोयल, बृजेश अग्रवाल, रौनक सिंघल ने दिया ताकि आपसी विवाद व मनमुटाव की स्थिति न बनें। जिसमें 510 युवतियां और 630 युवकों का प्रकाशन हुआ है।

छोटे शहरों से आई युवतियों की प्राथमिकता

एकल परिवार व बड़े शहर में मल्टी नेशनल कंपनियों में नौकरी पेशा होने से आसानी रहेगी। वहीं छोटे शहरों से आई युवतियों की प्राथमिकता बिजनेस से जुड़े युवकों की थी। ताकि परिवार की देखरेख करते हुए अपनी आजीविका भी चला सके। उद्घाटन समारोह का संचालन पूर्व मंडल अध्यक्ष चंद्रकांत अग्रवाल ने व आभार प्रदर्शन मंडल सचिव गुलाबचंद अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर प्रकाशित पत्रिका में कुल 1140 बायो डाटा का प्रकाशन हुआ।

कानपुर से बेंगलुरु तक एसी स्लीपर कोच के साथ स्पेशल ट्रेन

इटारसी। रेल प्रशासन ने कानपुर सेन्ट्रल से बेंगलुरु के बीच स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला लिया है। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में 6-6 ट्रिप करेगी। प्रशासन न गर्मियों के मौसम में अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यह निर्णय लिया है। कानपुर से बेंगलुरु जाने वाली ट्रेन संख्या 04131 का संचालन 27 अप्रैल से 1 जून 2025 तक होगा। यह हर रविवार को कानपुर सेन्ट्रल से रात 7ः50 बजे रवाना होगी। इटारसी स्टेशन पर अगले दिन सुबह 9ः25 बजे पहुंचेगी। यह ट्रेन तीसरे दिन मंगलवार को शाम 6ः30 बजे बेंगलुरु पहुंचेगी।

नारीशक्ति ने भी आतंकवाद के खिलाफ जताया रोष, कैंडल जला दिवंगतों को श्रद्धांजलि

माखननगर, निप्र। नगर के श्री बालाजी महिला मंडल की नारीशक्तियों ने विगत दिनों कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों की कायराना करतूत से मृत हुए 26 निर्दोष पर्यटकों की आत्मशांति के लिए हनुमान चालीसा का पाठ किया। नगर के परसुराम भवन में एकत्रित महिलाओं ने कैंडल जलाकर दिवंगतों को याद करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके उपरांत सभी ने

मिनिट मौन रहकर सभी मृत आत्माओं की शांति व परिजनों को वज्रपात से उभरने की प्रर्थना की। साथ ही समस्त महिलाओं ने आतंकवाद व पाकिस्तान के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाकर अपना विरोध प्रकट किया। वहीं महिला वक्ताओं ने सरकार से आतंकवाद एवं पाकिस्तान पर कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग की।

अड़ीबाजी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

इटारसी। इटारसी पुलिस ने शातिर बदमाश निक्की उर्फ समसागर राजवंशी (30) को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से एक पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस और एक एसयूवी कार बरामद की गई है। आरोपी वालाजी मंदिर के पास भाट मोहल्ला इटारसी का रहने वाला है। उसके पास से बरामद कार की कीमत लगभग 12 लाख रुपए, पिस्तौल की कीमत 10 हजार रुपए और कारतूस की कीमत करीब 2 हजार रुपए है। निक्की राजवंशी के खिलाफ 25 अप्रैल को थाने में अड़ीबाजी की शिकायत दर्ज कराई गई थी।

आतंकवाद के खिलाफ मुस्लिम समाज भी उतरा सड़क पर , निकाला कैंडल मार्च

लगाये पाकिस्तान और आतंकवाद मुर्दाबाद के नारे

माखननगर, निप्र। विगत दिनों कश्मीर के पहलगाम में निहत्थे पर्यटको पर हुए आतंकी हमले की मुस्लिम समाज ने घोर निंदा हुए जामा मस्जिद से कैंडल मार्च निकाला और पाकिस्तान मुर्दाबाद, आतंकवाद मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए पं. माखनलाल चतुर्वेदी प्रतिमा स्थल पहुंचे। जहां राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन पुलिस को सौंप कर आतंकवादियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। आतंकी हमले में मारे गये भारतीय पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी साथ

ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की दुआ मांगी द्य इस अवसर पर मस्जिद सदर सहित बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग मौजूद थे।

समाज के सभी लोग नर्मदा को स्वच्छ रखने में सहयोग करें

नर्मदा में न फेंके कचरा, स्वच्छता में योगदान दें: सुनीता पटेल

नर्मदापुरम, निप्र। स्वच्छता अभियान एक बहुत अच्छा कार्य है। स्वच्छता रखना हमारा कर्तव्य है। हमें धर्म का पालन तो करना चाहिए , लेकिन नर्मदा में फूल माला और कचरा नहीं डालना चाहिए। सभी साफ सफाई में योगदान दें , इससे पर्यावरण साफ सुथरा रहेगा और मां नर्मदा निर्मल बहती रहेंगी । मां नर्मदा हमारी जीवन दायिनी है। हम सभी से निवेदन करते हैं कि इसमें गंदगी ना करें और साफ सफाई में योगदान दें । यह बात अखिल भारतीय कायस्थ महासभा मातृशक्ति के नेतृत्व में स्थानीय चित्रगुप्त घाट पर रविवार को स्वच्छता अभियान में ट्रैफिक अधिकारी सुनीता पटेल ने कही। उन्होंने नर्मदा घाट के नीचे उतरकर कचरा निकाला । पटेल ने कहा अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के नेतृत्व में नर्मदा घाटों पर जो साफ-सफाई की जा रही है उसकी मैं प्रशंसा करती हूं। मां नर्मदा को स्वच्छ और सुंदर बनाएं। हमारे शहर को स्वच्छता में नंबर वन लाना है । उन्होंने कहा यह मेरा सौभाग्य है कि मैं नर्मदा के स्वच्छता अभियान में

शामिल हुईं। इस मौके पर महासभा के संरक्षक राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव, नगर पालिका उपाध्यक्ष, अभय वर्मा, केशव देव वर्मा, सी बी खरे, अश्वनी वर्मा, आदित्य लालता प्रसाद, जिला अध्यक्ष श्रीमती ज्योति वर्मा, श्रीमती मंजू श्रीवास्तव, श्रीमती सुमन वर्मा ,श्रीमती प्रीति खरे, श्रीमती सारिका सक्सेना, श्रीमती रश्मि सक्सेना, श्रीमती रश्मि वर्मा , श्रीमती शीतल श्रीवास्तव ?विधि सक्सेना, अंशिका श्रीवास्तव अदिति श्रीवास्तव सहित कई लोग मौजूद थे।

सभी समाज के लोग साथ आएं:रश्मि वर्मा

इस मौके पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा एवं समाजसेवी रश्मि वर्मा ने कहा कि कायस्थ ही नहीं सभी समाज को स्वच्छता के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर समाज के लोग मां नर्मदा को स्वच्छ रखने के लिए योगदान दें। उन्होंने कहा कि यहां पर अनेक विभाग के अधिकारी आए और उन्होंने अभियान में हिस्सा लिया। इसका हम स्वागत करते हैं। हम सभी को मां नर्मदा को साफ रखना है।

स्वच्छता के कार्य में सभी को योगदान देना चाहिए - समाजसेवी राजेंद्र श्रीवास्तव: अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के संरक्षक एवं समाज सेवी राजेंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि स्वच्छता के लिए सभी को सहयोग देना चाहिए । हम श्रमदान और समय दान दे रहे हैं अच्छी बात है हमें विचारों से पवित्र होना चाहिए । उन्होंने कहा अंदर के विचार शुद्ध होना चाहिए । हम शुद्ध ह्रदय से मां नर्मदा की साफ सफाई करें उन्हें स्वच्छ रखें। सभी को सहयोग देना चाहिए। सभी के सहयोग से यह कार्य हो रहा है और आगे भी सभी का सहयोग मिलता रहेगा ।

साफ सफाई में सभी का योगदान सराहनीय -रश्मि सक्सेना: साफ सफाई में सभी का योगदान सराहनीय है। यह बात अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की रश्मि सक्सेना ने कहीं। उन्होंने कहा कि सभी को साफ सफाई में योगदान देना चाहिए। हमें मां नर्मदा के घाटों को साफ रखना है जिससे हमारा शहर स्वच्छ और साथ हो सके।

मन की बात में पीएम बोले आतंकवाद के खिलाफ पूरा विश्व भारत के साथ

नर्मदापुरम, निप्र। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के लोकप्रिय कार्यक्रम %मन की बात को नर्मदापुरम जिले के 1187 बूथों पर भाजपा के जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और आमजन ने एक साथ देखा व सुना। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 27 अप्रैल 2025 को मन की बात के 121 वें संस्करण में देशवासियों को संबोधित करते हुए हालिया आतंकी हमले, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण तथा विज्ञान एवं नवाचार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की।

मन की बात कार्यक्रम को लेकर भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रीति शुक्ला ने कहा कि, प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने आतंकवाद के खिलाफ जो सशक्त संदेश दिया है, उससे प्रत्येक भारतीय का आत्मविश्वास बढ़ा है। हम सभी कार्यकर्ता संकल्प लेते हैं कि प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप समाज में सुरक्षा, भाईचारे और देशभक्ति की भावना को मजबूत करेंगे।

पहलगाम आतंकी हमले पर गहरी संवेदना: प्रधानमंत्री ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर गहरी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा, हर भारतीय का खून आतंकी हमले की तस्वीरों को देखकर खौल रहा है। पीड़ित परिवारों को न्याय मिलेगा और दोषियों को कठोरतम सजा दी जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि इस हमले के बाद विश्व भर से भारत को समर्थन और संवेदनाएं प्राप्त हो रही हैं और पूरा वैश्विक समुदाय भारत के साथ खड़ा है। अंतरराष्ट्रीय सहयोगः ऑपरेशन ब्रह्मा प्रधानमंत्री ने म्यांमार में आए भूकंप के बाद भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन ब्रह्मा का उल्लेख करते हुए बताया कि भारत ने वहां त्वरित राहत एवं बचाव कार्य कर वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को साकार किया है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा प्रभा काम्पलेक्स के पास, मीनाक्षी चौक, आई.टी.आई. रोड, होशंगाबाद से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। संपादक- डी.पी.गोयल। मो.9827054436 भोपाल कार्यालय : 4240007.
डाक पंजीयन - MP/HSD04/2023-2025 व्यवस्थापक- डी.सी. पारे, मो. 8878623331 Email: amritdarshan@yahoo.com (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।